RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 199
नई दिल्ली, रविवार, 24 मई, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

महामारी के मुताबिक तेजी से बदलते ब्रांड
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

उड़ान से पहले ही घरेलू कलह

महाराष्ट्र ने लॉकडाउन तक हवाई यात्रा को अनुमति न देने का किया फैसला, केंद्र पर राज्य से सलाह के बगैर निर्णय लेने का लगाया आरोप

- केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, असम व जम्मू और कश्मीर प्रशासन ने विमान यात्रियों के लिए अनिवार्य क्वारंटीन प्रोटोकोल किया जारी
- चेन्नई में कोरोना के बढ़े मामलों के बीच तमिलनाडु ने किया घरेलू उड़ानें शुरू करने पर पुनर्विचार का आग्रह

राजेश कुमार। नई दिल्ली

लॉकडाउन के दौरान चेन्नई हवाईअड्डे पर विमान की जांच करते इंजीनियर

25 मई से घरेलू उड़ानें शुरू होने से पहले शनिवार को महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि वह इस माह के अंत तक हवाई यात्रा को अनुमति नहीं देगी।

वहीं केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, असम, मिजोरम की सरकारें तथा जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने हवाई यात्रियों के लिए अनिवार्य क्वारंटाइन (पृथकवास) प्रोटोकॉल जारी कर दिया है। महाराष्ट्र सरकार का यह फैसला केंद्र द्वारा घरेलू उड़ानों को शुरू करने की पहल के लिए करारा झटका साबित हो सकता है। साथ ही दिल्ली-मुंबई रूट को भारत के वाणिज्यिक रूट के तौर पर जाना जाता है। महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि 31 मई तक लॉकडाउन जस का तस रहेगा तथा केंद्र पर आरोप लगाया है कि उसने राज्य से बगैर सलाह मशविरा किए घरेलू उड़ानों को शुरू करने का एकतरफा फैसला लिया है। महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि हवाई यात्रा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर फैसला लेने के लिए उसे समय चाहिए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हवाई अड्डे के बाहर सब कुछ राज्य सरकार की जिम्मेदारी हो जाती है लिहाज हम कोई खतरा मोल लेना नहीं चाहते।

तमिलनाडु ने भी केंद्र से हवाई यात्रा को खोलने के फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। प्रदेश सरकार ने चेन्नई में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से हो रहे इजाफे और सार्वजनिक परिवहन के न चलने का हवाला दिया। राज्य ने कहा है कि हवाई अड्डे से शहर के बीच की दूरी 10 किलोमीटर है, जिसे तय करने में यात्रियों को परेशानी पेश आएगी। गोवा ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह यात्रियों के गोवा पहुंचने पर कोरोना वायरस एंटीबॉडी टेस्ट कराने की अनुमति दे।

महाराष्ट्र भी आने वाले सभी यात्रियों का टेस्ट कराने की योजना बना रहा है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को यह साफ कर दिया कि घरेलू हवाई यात्रियों को क्वारंटाइन करने के बारे में 'व्यर्थ' की बातें की जा रही है। पुरी ने कहा कि वे इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि अगले हफ्ते से शुरू हो उड़ानों से सफर करने वाले हवाई यात्रियों को क्यों क्वारंटाइन करने की जरूरत है, यदि वे आरोग्य सेतु ऐप को डाउनलोड

(शेष पेज 9)

अगस्त से पहले अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट की तैयारी में केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरदीप पुरी

कोविड-19 वायरस पर नियंत्रण अनुमानों के मुताबिक रहा तो भारत मध्य जून या जुलाई के अंत तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को शुरू कर सकता है। एक फेसबुक सत्र के दौरान किए गए सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप

(शेष पेज 9)

10 दिन में चलेंगी 2600 ट्रेन घर पहुंचेंगे 36 लाख मजदूर

- लॉकडाउन से पहले का सामान्य किराया ही वसूला जा रहा, देश भर में खुले 1000 टिकट काउंटर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रेलवे ने कोविड-19 लॉकडाउन के चलते फंसे हुए करीब 36 लाख प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने के लिए अगले दस दिनों में 2600 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाने का कार्यक्रम तैयार कर लिया है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वीके यादव ने शनिवार को यह जानकारी दी। यादव ने बताया कि रेलवे ने करीब 36

(शेष पेज 9)

चीन सीमा पर गतिरोध के बीच लेह पहुंचे सेना प्रमुख

- स्थिति तनावपूर्ण, मसले को हल करने के लिए कूटनीतिक प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एमएम नरवाणे

गालवान घाटी सहित लगातार चल रहे गतिरोध के कारण लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। भारत और चीन के स्थानीय सेना कमांडरों ने पिछले एक सप्ताह में कम से कम तीन दौर की वार्ता की है लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। इस पृष्ठभूमि में सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाणे ने स्थिति का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को लेह का दौरा किया।

कूटनीतिक माध्यम से भी मसले को हल करने के प्रयास किया जा रहा है। उत्तरी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल वाईके जोशी और 14 कोर के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह ने सेना प्रमुख को वर्तमान हालात से अवगत कराया। सूत्रों ने शनिवार को यहां कहा कि सेना प्रमुख की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारतीय पक्ष ने तनावपूर्ण स्थिति वाले स्थानों पर सैन्य चौकसी बढ़ा दी है। चीन ने भी इन स्थानों पर अधिक सैनिकों की तैनाती की है। नरवाणे की लेह यात्रा नई दिल्ली द्वारा बीजिंग के उस दावे को खारिज करने के एक दिन बाद हुई, जिसमें दावा किया गया था कि भारतीय सेना सिक्किम और लद्दाख में एलएसी पर तनाव बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। दूसरी ओर भारत ने कहा कि चीनी सैनिक लद्दाख में भारतीय सेना की गश्त में बाधा डाल रहे हैं। ताजा गतिरोध गाल्वन घाटी में खड़ा हुआ है जहां चीन ने 90 से 100 टेंट गाड़ दिए हैं और अपनी सैन्य शक्ति को लगभग 500 तक बढ़ा दिया है।

वे भारतीयों पर एलएसी के करीब संधि का उल्लंघन कर सड़क बनाने का आरोप लगा रहे हैं। हालांकि, भारत का कहना है कि सड़क उसके क्षेत्र में है और चीनी सैनिक बैरक जैसी निर्माण गतिविधियों को शुरू करके तनाव बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने हेलीकॉप्टरों के माध्यम से हवाई निगरानी रखने के अलावा और अधिक वाहन तैनात किए हैं। इस बिंदु पर गतिरोध तीन से चार किलोमीटर में फैला हुआ है और यह प्वाइंट 4,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है। अन्य दो गतिरोध लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी सेक्टर में हैं, जहां दो स्थानों पर चीनी सेना 300 से 400 से अधिक सैनिकों के साथ एलएसी की ओर आगे बढ़ी है। वहां भी पूरे क्षेत्र में लॉजिस्टिक लाइन को बेहतर बनाने के लिए सड़कों और हवाई क्षेत्रों सहित अपने बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए भारत द्वारा किए

(शेष पेज 9)

ममता ने मांगी सेना, श्रमिक ट्रेनों पर लगाया ब्रेक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने चक्रवात अम्फान से प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सेवाओं की बहाली के लिए सेना की मांग की है। साथ ही उन्होंने रेल मंत्रालय से चक्रवात अम्फान के मद्देनजर 26 मई तक राज्य में श्रमिक विशेष ट्रेनों को नहीं भेजने को कहा है। ममता के अनुरोध के बाद कोलकाता और पड़ोसी जिलों में सेना तैनात की गई है। एक रक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, भारतीय सेना ने चक्रवात अम्फान के बाद कोलकाता शहर प्रशासन की सहायता के लिए तीन जवानों की तीन टुकड़ियां दी हैं। अधिकारी ने कहा कि दक्षिण कोलकाता में टॉलीगंज, बालीगंज और बेहाला में सड़क पर से गिरे हुए पेड़ इत्यादि हटाने के औजारों से लैस सेना के जवान तैनात थे। उन्होंने कहा कि उत्तर 24 परगना जिले के न्यू टाउन में और दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में बहाली कार्य के लिए सेना की टुकड़ियां तैनात की गई हैं। सेना की एक टुकड़ी में वरिष्ठ अधिकारियों और जूनियर कमीशंड अधिकारियों सहित 35 जवान हैं।

दूसरी ओर राज्य के मुख्य सचिव राजीव सिन्हा की तरफ से रेलवे बोर्ड के प्रमुख वीके यादव को 22 मई को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि राज्य 20 और 21 मई को महा चक्रवात अम्फान से बुरी तरह प्रभावित हुआ है जिससे अवसंरचना को अत्यंत नुकसान हुआ है। बंगाल सरकार के इस पत्र में कहा गया, चूंकि जिला प्रशासन राहत एवं पुनर्वास के कार्यों में व्यस्त है इसलिए अगले कुछ दिनों तक विशेष ट्रेनों के यहां पहुंचने पर उन पर ध्यान दे पाना संभव नहीं होगा। इसलिए यह अनुरोध किया जाता है कि 26 मई तक कोई भी ट्रेन पश्चिम बंगाल नहीं भेजी जाए। चक्रवात अम्फान के कारण पश्चिम बंगाल में कम से कम 86 लोगों की मौत हो गई है। चक्रवात के कारण जनजीवन प्रभावित होने के बाद अधिकारी स्थिति को सामान्य करने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। कोरोना वायरस के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के बीच प्रवासी मजदूरों को घर भेजने के लिए श्रमिक विशेष ट्रेन सेवा शुरू करने के बाद सबसे कम रेलगाड़ियां पश्चिम बंगाल में ही भेजी गई हैं। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने एक पत्र में आरोप लगाया था कि बंगाल अपने प्रवासियों को लौटने की अनुमति नहीं दे रहा है। बाद में यह तय किया गया कि इन ट्रेनों के परिचालन के लिए गंतव्य राज्य की सहमति लेना जरूरी नहीं है। इसके बाद, रेल मंत्री पीयूष गोयल ने भी पश्चिम बंगाल सरकार से इन श्रमिक विशेष ट्रेनों को राज्य में आने की अनुमति देने की अपील की थी। एक मई से अब तक करीब 2,000 श्रमिक विशेष ट्रेन चलाई गई हैं जिनमें 31 लाख प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्यों में पहुंचाया गया। बंगाल में अब तक करीब 25 रेलगाड़ियां आईं हैं।

देश में कोविड-19 के रिकॉर्ड 6,654 नए मामले

- 137 मरीजों की मौत के साथ मृतक संख्या 3,720 पर पहुंची

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के रिकॉर्ड 6,654 नए मामले सामने आए जिसके साथ शनिवार को संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 1,25,101 पर पहुंच गए।

इस अवधि में 137 मरीजों की मौत हुई और मृतक संख्या बढ़कर 3,720 हो गई। लगातार दूसरे दिन इतनी बड़ी संख्या में संक्रमण के मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक फिलहाल देशभर में कुल 69,597 संक्रमितों का इलाज चल रहा है, 51,783 लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं और एक मरीज देश से बाहर चला गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, अब तक करीब 41.39 फीसदी मरीज ठीक हो चुके हैं।

संक्रमण के कुल 1,25,101 मामलों में विदेशी मरीज भी शामिल हैं। शुक्रवार से जिन 137 लोगों की मौत हुई है उनमें से 63 महाराष्ट्र में, 29 गुजरात में, 14-14 दिल्ली और उत्तर प्रदेश में, छह पश्चिम बंगाल में, चार तमिलनाडु में, दो-दो राजस्थान, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश में तथा एक मरीज की मौत हरियाणा में हुई। अब तक संक्रमण से देश में कुल 3,720 मरीजों की मौत हुई है जिनमें सर्वाधिक 1,517 मरीजों की मौत महाराष्ट्र में, 802 मरीजों की मौत गुजरात में

(शेष पेज 9)

स्वास्थ्य कर्मी और जवान कर सकेंगे एचसीक्यू का इस्तेमाल

- गैर कोविड अस्पतालों कोरोना रोकने की गतिविधियों में शामिल लोगों को केंद्र ने दी इजाजत
- संशोधित परामर्श जारी, 15 साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं को दवा के सेवन की मनाही

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसले के तहत गैर कोविड 19 अस्पतालों में काम कर रहे बिना लक्षण वाले स्वास्थ्य कर्मियों, कंटेनमेंट जोन में ड्यूटी निभाने वाले लोगों, कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने संबंधी गतिविधियों में शामिल अर्द्धसैनिक बलों और पुलिस के जवानों को रोग निरोधक दवा के तौर पर हाइडॉक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की ओर से जारी संशोधित परामर्श में यह आगाह भी किया गया है कि दवा लेने वाले व्यक्ति को यह बात नहीं सोचनी चाहिए कि वह एकदम सुरक्षित हो गया है। परामर्श के अनुसार, एनआईवी पुणे में एचसीक्यू की जांच में यह पाया गया है कि इससे संक्रमण की दर कम हो जाती है। इसमें कहा गया है कि यह दवा-हाइडॉक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू), उन लोगों को नहीं देनी चाहिए जो नजर को कमजोर करने वाली रेटिना संबंधी और दिल की धड़कने घटने-बढ़ने जैसी बीमारियों से ग्रस्त हैं और जिनमें एचसीक्यू को लेकर अतिसंवेदनशीलता है। संशोधित परामर्श में इस दवा को 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और शिशु को दूध पिलाने वाली महिलाओं को भी नहीं देने की सिफारिश की गई है। साथ ही, सतर्क किया गया है कि एचसीक्यू को औपचारिक सहमति से किसी डॉक्टर की निगरानी में ही दिया जाना चाहिए। ये सिफारिशें स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) की अध्यक्षता में गठित संयुक्त निगरानी समूह, एम्स, आईसीएमआर, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिकरण, डब्लूएचओ के प्रतिनिधियों व केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों के बीच हुई बैठक के बाद जारी की गई हैं। बैठक में गैर कोविड 19 और दोविड 19 से प्रभावित इलाकों में काम करने वालों के लिए बतौर निरोधक दवा एचसीक्यू के इस्तेमाल की समीक्षा की गई।

बाजार

सेंसेक्स	30,672	
निफ्टी	9,038	
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

ईद कल, आज आखिरी रोजा

नई दिल्ली। दिल्ली समेत देश के अलग अलग हिस्सों में सोमवार को ईद मनाई जाएगी और रविवार को आखिरी रोजा होगा। दिल्ली की दो ऐतिहासिक मस्जिदों के शाही इमामों ने ऐलान किया कि शनिवार को कहीं से भी चांद दिखने की खबर नही मिली। इसलिए ईद-उल-फित्र का त्यौहार सोमवार को मनाया जाएगा। फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम मौलाना मुफ्ती मुकर्रम ने बताया कि शनिवार को दिल्ली में चांद नही दिखा और न ही चांद दिखने की कहीं से खबर या गवाही मिली। इसलिए रविवार को 30वां रोजा होगा और शव्वाल (इस्लामी कलेंडर का 10वां महीना) की पहली तारीख सोमवार को होगी। शव्वाल के महीने के पहले दिन ईद होती है।

घंटों लेट हुई ट्रेन, भूखे-प्यासे मजदूरों का हंगामा

- पं. दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन की घटना, उन्नाव में भी श्रमिकों ने किया पथराव

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी, उन्नाव

वैश्विक महामारी कोरोना को देखते हुए देश में दो महीने का लंबा लॉक डाउन चल रहा है। ऐसे में अब इसकी भयावहता की तस्वीरें भी सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक झलक पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर देखने को मिली, जहां श्रमिक स्पेशल में सवार यात्रियों ने जमकर हंगामा किया और पानी की बोतलें लूटते नजर आए।

यह घटना रेलवे की बद इंतजामी की पोल खोलने के लिए काफी है। पंडित दीनदयाल दयाल उपाध्याय जंक्शन पर शनिवार की सुबह 8 बजे लॉक डाउन में फंसे लोगों को लेकर श्रमिक स्पेशल पहुँची थी। सूरत से चलकर बिहार के मुंगेर को जाने वाली इस ट्रेन करीब 12 सौ यात्री सवार थे, जिन्हें प्रमुख स्टेशनों पर रोककर आईआरसीटीसी की तरफ से खाना और पानी की व्यवस्था की जानी थी लेकिन यह नहीं हो सकता। प्यासे मजदूरों को पानी लूटने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि स्टेशन पर यात्रियों की ओर से पानी लूटने की घटना के बाद रेल अधिकारियों में हड़कंप गया।

दूसरी ओर उप्र के उन्नाव स्टेशन पर बेंगलुरू से चलकर बिहार के दरभंगा को जाने वाली श्रमिक स्पेशल में सवार श्रमिकों ने बार-बार ट्रेन को रोके जाने और खाने पीने की व्यवस्था खराब होने से नाराज होकर प्लेटफार्म एक के परिसर की ओर पथराव कर दिया। प्रवासी श्रमिकों ने उन्नाव स्टेशन के साथ ही व्यवस्थाओं से नाराज होकर अजगैन और सोनिक में भी पथराव करते हुए खूब हंगामा काटा। पथराव से कुछ शीशे टूटे तो वहीं पर परिसर में पड़ी कुर्सियों को भी तोड़ दिया।

शनिवार की सुबह दस बजे के लगभग ट्रेन उन्नाव स्टेशन पर स्टापेज न होने के बाद भी जैसे ही रोकी गयी। ट्रेन के चलने का इंतजार कर रहे यात्रियों ने कुछ देर बाद ट्रेन से नीचे उतर कर प्लेटफार्म नम्बर एक की ओर अचानक पथराव शुरू कर दिया साथ ही परिसर में पड़ी कुर्सियों को पलटना शुरू कर दिया। स्टेशन पर मौजूद रेलकर्मियों को भी दौड़ाया। कुछ देर शांत रहने के बाद आरपीएफ के पुलिस कर्मियों ने यात्रियों की समस्या को समझते हुए उन्हें शांत कराया। साथ ही ट्रेन को गंतब्य के लिए रवाना कराया। उन्नाव स्टेशन से चली ट्रेन को आगे फिर रोकने से यात्रियों ने नाराजगी मे अजगैन और सोनिक स्टेशन पर भी उपद्रव किया और सीटें तोड़ीं।

तपने लगी धरती, पारा-46 डिग्री के पार

- शनिवार रहा सीजन का सबसे गर्म दिन, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में शुक्रवार को चिलचिलाती धूप से अपनी मां के आंचल में छिपता बच्चा

मई बीतते-बीतते दिल्ली-एनसीआर में प्रचंड गर्मी अपना रंग दिखाने लगी है। राजधानी में शनिवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा और यहां तापमान 46 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। लू के थपेड़ों के कारण घर से निकला मुश्किल हो गया। दिल्ली में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है। अगले कुछ दिनों तक गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा।

राजधानी में शुक्रवार से गर्मी का प्रकोप बढ़ना शुरू हुआ। शनिवार को गर्मी और प्रचंड रूप लेकर आई। मौसम विभाग के मुताबिक सफदरगंज इलाके में 44.7 डिग्री सेल्सियस, पालम में 45.6, लोधी रोड 44.4 और सबसे ज्यादा पारा आयानगर में 46.2 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। दोपहर बाद हल्के बादल छाए भी, लेकिन गर्मी से निजात नहीं मिली। इससे पहले 2013 में 21 मई को तापमान 45 डिग्री पहुंचा था। मौसम विज्ञान विभाग के उत्तर-पश्चिम मौसम विज्ञान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव के कहा कि दिल्ली में गर्म हवा चलने से पालम और लोधी रोड इलाके में काफी गर्मी बढ़ गई।

इससे पहले शुक्रवार को आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया था कि चक्रवात अम्फान के बाद उत्तर और मध्य भारत में तापमान में वृद्धि हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक 27-28 तारीख तक गर्म हवा चलने का अनुमान है। पूरे हफ्ते तापमान 42 से 43 डिग्री बना रह सकता है। आगामी 24-25 मई को तेज हवाएं चल सकती हैं। उसके बाद 27-28 मई को आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। इसके बाद कुछ दिन तापमान में एक-दो डिग्री की गिरावट आ सकती है, लेकिन गर्मी फिर अपना प्रचंड रूप दिखाएगी।

कोरोना रिलीफ फंड के चेक लेने में भाजपाई आगे

जन समस्याओं के समाधान में हो जाते हैं गुम : रणदीप सिंह सुरजेवाला

बोले, कैथल जिले के सभी डॉक्टर्स तक पीपीई, एन-95 मास्क पहुंचाएंगे

मोहित गुलाटी। कैथल

डॉक्टरों को दी पीपीई किट दिखाते पूर्व मंत्री रणदीप सुरजेवाला।

अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शनिवार को किसान भवन अपने आवास पर पत्रकारवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि नर ही नारायण है और मनुष्य सेवा ही ईश्वर की सेवा है। भारतीय संस्कृति के इस अमिट सिद्धांत के साथ कैथल जिले में कांग्रेस पार्टी के साथियों ने जनसेवा की एक और अनूठी पहल की शुरुआत की है।

सुरजेवाला ने कहा कि जिले के सभी सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों, प्राइवेट अस्पतालों व प्राइवेट क्लीनिक चलाने वाले हर डॉक्टर तक पर्सनल प्रोटेक्शन ईक्विपमेंट (पीपीई), एन-95 मास्क, सोडियम हाईपोक्लोराईट का सफाई सॉल्यूशन कांग्रेस पार्टी की ओर से अगले 48 घंटे में पहुंचाने का सराहनीय निर्णय लिया है। कोरोना महामारी से इस लड़ाई में हमारे कोरोना वॉरियर यानि डॉक्टर साथियों को सुरक्षित रखने और जनता के उपचार में सहयोग करने का यह सही रास्ता है। उन्होंने कहा कि अगले पांच दिन में कैथल के पुलिस थानों में काम करने वाले हर पुलिसकर्मी तक एन-95 मास्क भी कांग्रेस की ओर से पहुंचाया जाएगा। साथ साथ थानों की साफ सफाई के लिए सोडियम हाईपोक्लोराई सॉल्यूशन भी दिया जाएगा। इससे पहले भी कैथल शहर के जरूरतमंद इलाकों में 200 मिली. के 15,000 हैंड सैनिटाइजर बोतलों का वितरण कांग्रेस पार्टी के साथियों के माध्यम से किया था। सुरजेवाला ने कहा कि कैथल हरियाणा में अकेला ऐसा इलाका है, जहां हर वार्ड, हर गांव व हर गली में चार्ली टोर्नैडो मशीन के माध्यम से दो बार कांग्रेस के साथी सोडियम हाईपोक्लोराईट दवाई का छिड़काव कर चुके हैं।

अब यह मुहिम हम जिले के बाकी इलाकों में लेकर जाएंगे ताकि इसका फायदा गुहला चीका, सीवन, पुंडरी, कलायत शहरों के नागरिकों को भी भरपूर मात्रा में मिल पाए। सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस व साथियों ने कैथल शहर व जिले में हर संभव विकास की सुविधा और आपदा से लड़ाई में हमेशा आगे बढ़कर सहयोग भी दिया है और सेवा की मिसाल भी कायम की है। पिछली कांग्रेस की सरकार में जब बाढ़ आई, तो मैंने स्वयं आगे बढ़ कांग्रेस के साथियों सहित कई दिनों तक ठीकरी पहरा दिया और शहर को हर प्रकार के नुकसान से बचाया। सत्ता में रहते हुए भी भाजपा-जजपा सरकार सेवा के इस भाव से पूरी तरह से उदासीन है। भाजपा के नुमाइंदे मुख्यमंत्री कोष के लिए पैसा लेने के लिए तो प्रकट हो जाते हैं पर सेवा के नाम पर कोरोना महामारी की आड़ में छिप जाते हैं। उम्मीद है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के इस सेवा भाव का खट्टर सरकार अनुशरण करेगी।

पुरानी रंजिश में युवक की गोली मारकर हत्या

सोनीपत। जिले के कुराड रोड पर देवडू चौक के पास देर रात दो गाड़ियों में सवार होकर आए हमलावरों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी और उसके साथी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुरानी रंजिश को लेकर वारदात को अंजाम दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल युवक को पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया है। मुरथल पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। शुक्रवार देर रात गांव जटवाड़ा निवासी मनीष व जाहरी निवासी प्रविंद्र उर्फ भोलू अपने साथी की कार लेकर कुराड रोड स्थित शराब के ठेके पर बीयर लेने गए थे।

पुलिस को मनीष ने बताया कि जब वह ठेके पर पहुंचे तो पता लगा कि वह पर्स घर पर ही छोड़ आया है। जिस पर उसने अपने दोस्त मयूर विहार निवासी नितिन को फोन कर बुला लिया। इसी बीच वह कार ठेके पर खड़ी कर देवडू चौक की तरफ घूमने चला गया। मनीष ने बताया कि इसी बीच देवडू रोड निवासी कुनाल अपने साथी के साथ कार से आया। कुनाल ने धमकी देते हुए कहा उसे शाम नगर में गोली चलाने का जवाब देते हैं। इसी बीच कुनाल के दोस्त सींक पाथरी का सुमित उर्फ काला व तिहाड़ का रोहित व सोनू स्कार्पियो से आ गए। उन्होंने गोली चला दी। मनीष ने बताया कि एक गोली उसके मुंह पर लगी। जिसके बाद वह शोर मचाता हुआ ठेके की तरफ भाग गया। इसी बीच उन्होंने प्रविंद्र को गोली मार दी। जिससे वह वहीं गिर गया और मौत हो गई। इसी दौरान उसका साथी नितिन के अलावा ठेके पर तीन-चार लोग आ गए। जिस पर हमलावर धमकी देते हुए भाग गए। वह मनीष को लेकर सरकारी अस्पताल में पहुंचा। जहां उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। पुलिस ने शनिवार सुबह मनीष के बयान पर पांच हमलावरों के खिलाफ हत्या व हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुरथल, थाना प्रभारी, सुमित कुमार ने बताया कि कुराड रोड पर कार सवार हमलावरों ने दो युवकों को गोली मार दी। हमले में एक युवक की मौत हो गई।

किसान ने खेत में फांसी लगा की आत्महत्या

सोनीपत। थाना सदर गोहाना के अंतर्गत गांव बड़ौता एक किसान ने शनिवार की सुबह अपने ही खेत में ट्रांसफार्मर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भिजवा दिया है। मृतक किसान मनोज अपने घर से खेत में गया था, वहीं पर बिजली का ट्रॉसफार्मर है, जिस पर उसने फांसी लगा ली। किसान की जेब से मिले सुसाइड नोट मिला है। थाना सदर पुलिस मौका पर पहुंच कर कार्रवाई कर रही है ।

नशे का कारोबार करने वाला आरोपी सुनार काबू

कैथल। एंटी नारकोटिक सैल ने गांव सिसला में दबिश देकर एक नशा तस्कर गिरफ्तार किया। आरोपी अपने मकान में सोना-चांदी जेवरात बेचने की दुकान चलाता था।

आरोपी के कब्जे से 450 ग्राम सुल्फा और 550 ग्राम गांजा नशा बरामद किया है। पूछताछ के बाद गांव सिसमौर में दबिश देकर मुख्य नशा स्पलायर को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसके कब्जे से 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ। दोनों आरोपियों शनिवार को अदालत के आदेश पर जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी सबइंस्पेक्टर बलजीत सिंह की अगुवाई में एसआई जोगिंद्र सिंह, एएसआई बलराज सिंह, एएसआई शुभकर्ण, एचसी राजेश कुमार, एचसी राज सिंह और एसआई शमशेर सिंह की टीम दोपहर के समय गश्त करते हुए गांव सिसमौर से सिसला की तरफ जा रही थी। पुलिस को जानकारी मिली कि रामदिया वासी सिसला अपने घर पर सुनार का काम करता है, जो दुकान की आड़ में नशीले पदार्थ बेचने का धंधा करता है।

घर जाने की जिद पर अड़े प्रवासी मजदूरों ने किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

पंजाब व अन्य राज्यों से आये लगभग 1100 प्रवासी मजदूरों ने वापस अपने घर बिहार जाने की मांग को लेकर शनिवार को शहर के सरकारी स्कूल में हंगामा कर दिया। सैकड़ों प्रवासी मजदूरों ने घर भेजे जाने की मांग को लेकर हरियाणा व बिहार सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की।

प्रवासी मजदूरों ने विरोध स्वरूप स्थानीय लोगों की ओर से लाया गये नाश्ते व चाय पीने से मना कर दिया। प्रवासी मजदूरों ने घोषणा की कि यदि उन्हें घर नहीं भेजा गया तो वह खाना नहीं खाएंगे और भूखे ही मर जाएंगे। प्रवासी मजदूरों के विरोध की सूचना मिलने पर डीएसपी रादौर कुशलपाल राणा और थाना रादौर प्रभारी ऋषि कुमार शर्मा प्रवासी मजदूरों को समझाने की बहुत कौशिश की, लेकिन प्रवासी मजदूरों ने पुलिस अधिकारियों की एक नहीं सूनी। हंगामा बढ़ता देख नायब तहसीलदार भारती पुहाल ने मौके पर पंहुचकर उन्हें 48 घंटे के बाद ट्रेन के जरिए उनके गृह राज्यों में भेजने का आश्वासन दिया। जिसके बाद प्रवासी मजदूर शांत हुए। रादौर के सरकारी स्कूल में 661 प्रवासी मजदूर अपने परिवारों के साथ ठहरे हुए है। शहर की कांबोज धर्मशाला में 218, सरकारी स्कूल छोटाबांस में 115, सरकारी स्कूल रादौरी में 75 प्रवासी मजदूर ठहरे हुए हैं। कुल 1069 बिहारी मजदूरों को रादौर में प्रशासन ने शरण दी है। रादौर में ठहरे प्रवासी मजदूर रामलखन, नरेंद्र, जयराम, उमेश, मनोज आदि ने बताया कि सभी प्रवासी मजदूर जल्द से जल्द अपने घर जाना चाहते हैं। उनके रहने व खाने की व्यवस्था ठीक नहीं है। सरकारी स्कूलों में सैकड़ों प्रवासी मजदूर बिना सुविधाओं के नरकीय जीवन जी रहे हैं।

स्कूल में सैकड़ों मजदूरों के लिए शौचालय की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। शौचालयों में गंदगी व बदबू से वातावरण दूषित हो रहा है। शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

ईको वैन ने साइकिल सवार युवक को रौंदा, मौत

सोनीपत। गांव चौहान जोशी के पास ढाबे पर खाना लेने आए साइकिल सवार युवक को ईको वैन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक की मौत हो गई। राई थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया। मूलरूप से यूपी के जिला उन्नाव के रामपुरवा फिलहाल चौहान जोशी का रहने वाला दुर्गेश रात को अपने भाई उमेश के साथ ढाबे पर खाने लेने गया था। ढाबा बंद मिलने पर उमेश लघुशंका के लिए साइकिल से उतर गया। इसी बीच एक युवक तेज गति से ईको वैन लेकर आया और दुर्गेश को टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया। वैन सवार वैन रोक कर घायल के पास आया। भीड़ एकत्रित होने पर वह वैन लेकर भागने लगा। कुछ दूर जाकर वैन रुक गई।

गुंदयाना के युवक की दुबई में कोरोना से मौत

रादौर। क्षेत्र के युवक की दुबई में कोरोना वायरस की बीमारी के चलते मौत हो गई है। मृतक युवक बलराम (25) पुत्र शेर सिंह गांव गुंदयाना का रहने वाला था। जो लगभग डेढ़ साल पहले दुबई की अलजीको कंपनी में नौकरी करने गया था। जो 25 अप्रैल को कोरोना वायरस की बीमारी से पीड़ित हो गया था।

कोरोना की बीमारी के चलते बलराम की मौत हो गई है। बलराम का शव भारत नहीं लाया जा सका है। दुबई की सरकार ने बलराम का शव वहीं दफना दिया है। युवक बलराम की कोरोना से मौत होने पर गांव गुंदयाना में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। मृतक बलराम अपने वृद्ध पिता शेरसिंह का इकलौता बेटा था। जबकि उसके दूसरे भाई दिलबाग सिंह को उसके ताऊ ने गोद लिया हुआ है।

दो लाख कर्ज लेकर बेटे को भेजा दुबई : बेटे बलराम की मौत की खबर सुनकर पिता शेरसिंह के आंसु नहीं रुक पा रहे हैं। पिता शेरसिंह ने रोते हुए बताया कि उसने अपने बेटे बलराम को दो लाख रुपये कर्ज लेकर दुबई में नौकरी करने भेजा था। उसे क्या पता था कि बेटे को दुबई भेजने पर उसे बेटे से ही हाथ धोना पड़ जाएगा। पिता ने कहा कि यदि उसे पता होता कि बेटे को विदेश भेजने पर उसे अपने बेटे से हाथ धोना पड़ सकता है तो वह अपने बेटे को कभी नौकरी करने दुबई नहीं भेजता। उसे यकीन ही नहीं हो रहा है कि आज उसका बेटा इस दुनिया में नहीं है। उसे अंतिम समय में अपने बेटे मुंह देखना भी नसीब नहीं हुआ है।

फतेहपुर में पानी की किल्लत दूर करने मौके पर पहुंचे चेयरमैन गोलन

गांव में नया टयवैल व पाइप लाइन बिछाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। पूंडरी

फतेहपुर में ग्रामीणों की समस्या सुनते हुए चेयरमैन रणधीर गोलन।

हरियाणा पर्यटन निगम के चेयरमैन रणधीर गोलन फतेहपुर के कई मोहल्लों में चल रही पीने के पानी की किल्लत दूर करने के लिए उनके बीच में पहुंचे। सोशल डिस्टेंस रखते हुए उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी।

फतेहपुर के कश्यप, प्रजापत व मामचंद कॉलोनी की महिलाओं तारो देवी, संतोष रानी, राजबाला, कमलेश, अंगुरी देवी, दर्शना, सीमा रानी, चमेली, राजेश कुमार, बीरभान, नरेश कश्यप, सोनू और सतीश कुमार ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में उनके सामने सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी को लेकर है।

पिछले 15 दिनों से टौंटियों में पानी की एक बूंद भी नहीं आ रही है। जिसके लिए उन्हें दूर-दूर से अन्य जगहों से पीने का पानी लाना पड़ता है। अन्य कार्यों के लिए पानी ना होने से बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिस पर चेयरमैन ने पब्लिक हेल्थ के जेई विजय कुमार को मौके पर ही बुलाया और पानी की समस्या को हल करते हुए नये ट्यूबवेल लगवाकर पाइप लाइन बिछाने के भी निर्देश दिये। गोलन ने कहा कि पूंडरी-फतेहपुर में ही नहीं हलके के किसी भी गांव में पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी नहीं रहने दी जाएगी और ऐसी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाऐगा।

झंझाड़ी गांव की डेहा बस्ती के रास्ते को किया जाएगा पक्का

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए शहर के अतिरिक्त निगम के अधीन गांवो में भी बने रास्तों को पक्का करने का काम शुरू कर दिया है। शनिवार को महापौर करनाल रेणु बाला गुप्ता ने वार्ड नम्बर-1 के गांव झंझाड़ी से भैनीखुर्द तक जाने वाले रास्ते के नवीनीकरण का कार्य शुरू करवाया।

वार्ड पार्षद नवीन कुमार ने महापौर की उपस्थिति में नारियल फोड़कर विधिवत शुभारम्भ किया। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने बताया कि गांव झंझाड़ी की डेहा बस्ती से भैनीखुर्द रेलवे स्टेशन तक के रास्ते को इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक टाइलों की मदद से पक्का किया जाएगा, जिस पर अनुमानित 62 लाख रुपये की राशि व्यय होगी। इसकी लम्बाई करीब दो किलोमीटर और चौड़ाई करीब 16 फुट है।

उन्होंने बताया कि लगभग एक माह में यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। मेयर ने मौके पर मौजूद निगम इंजीनियरों को निर्देश दिए कि गांव झंझाड़ी को भैनीखुर्द से मिलाने वाला यह मुख्य मार्ग है और इस पर आवाजाही भी अधिक रहती है, इसलिए इंटरलॉकिंग टाईलें लगाने से पहले इसका मजबूत बेस तैयार किया जाए। उसके बाद इस पर पेवर ब्लॉक लगाए जाएं।

सड़क का लेवल भी ठीक रखा जाए, ताकि बारिश का पानी सड़क पर खड़ा न हो सके, क्योंकि आगामी सीजन मानसून का है। कार्य की गुणवत्ता बरकरार रखी जाए और निश्चित समयावधि में इसे कम्पलीट किया जाए। इस अवसर पर नगर निगम के एई सुनील भल्ला व जेई प्रदीप कुमार के अतिरिक्त गांव के पूर्व सरपंच जय सिंह रोड, लंबरदार सुबेकमल व हरदेवा, रोक्की, कपिल, सतबीर, दलेल सिंह, तारा सिंह, फतेह सिंह, कपिल कुमार, कृष्ण तथा अनिल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जिला कारागार में तीन बंदियों ने मचाया उत्पात, आपस में भिड़े

सोनीपत। जिला कारागार में देर रात मामूली कहासुनी के बाद तीन बंदी आपस में भिड़ गए। वार्डन ने कारागार अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। वार्डर व अन्य कर्मियों ने तीनों को अलग किया। जेल उपअधीक्षक ने तीनों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कारागार में देर रात बंदी विकास, योगेश व विजय में गाली-गलौच के बाद झगड़ा हो गया। तीनों आपस में लात-घुसे मारने लगे। जिस पर जेलकर्मचारियों ने बीच बचाव किया और अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। जेल उप अधीक्षक रामचंद्र व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और तीनों को अलग किया। जेल उप अधीक्षक ने मामले की शिकायत सिटी थाना पुलिस को दी। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी योगेश हत्या का प्रयास व गिरोहबंदी, विजय हत्या, लूट व धोखाधड़ी और विकास हत्या के मामले में जेल में बंद है।

लॉकडाउन में घरेलू हिंसा

पहली बार एक मंच पर आएगी हरियाणा की खाप पंचायत

महिलाओं के मुद्दे पर होगी डिजिटल खाप पंचायत

चंडीगढ़। लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा को लेकर जहां आए दिन खबरें आ रही है वहीं इस मुद्दे पर पहली बार हरियाणा की खाप पंचायत एक मंच पर दिखाई देंगी। रविवार को राष्ट्रीय महाखाप महापंचायत द्वारा पहली बार डिजिटल महाखाप महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हरियाणा की करीब एक दर्जन खापों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

डिजिटल खाप पंचायत के आयोजक एवं राष्ट्रीय महाखाप महापंचायत के संयोजक सुनील जागलान के अनुसार आमतौर पर हरियाणा में खापों को लेकर तरह-तरह की धारणाएं हैं। खापों का इतिहास हरियाणा से भी पुराना है। खापों ने हमेशा ही समाज को जोड़ने की बात कही है और पौराणिक परंपराओं को जिंदा रखा हुआ है। वर्ष 2012 में कन्या भ्रूण हत्या के मुद्दे पर महाखाप महापंचायत का आयोजन करा चुके सुनील जागलान ने बताया कि खाप पंचायत जिन्होंने सामाजिक ताना बाना बनाए रखने के लिए सदियों से धरातल पर कार्य किया है, उन्हीं विचारों के साथ कोरोना काल में महिलाओं पर हो रही घरेलू हिंसा रोकने के लिए खाप पंचायत का आयोजन किया जा रहा है। चूंकि इस स्थिति में इक्ट्ठे होना संभव नहीं है इसलिए डिजिटल प्लेटफार्म का प्रयोग किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि रविवार को आयोजित डिजिटल खाप पंचायत में गठवाला खाप के प्रधान बलजीत मलिक, सतरोल खाप के इंद्र सिंह ढुल, पालम-360 के रामकरण सोलंकी, महम चौबीसी से तुलसी ग्रेवाल, दिल्ली खाप से नत्था प्रधान, कंडेला खाप प्रधान टेकराम कंडेला, दहिया खाप के प्रधान सुरेंद्र दहिया आदि शामिल होंगी।

संक्षिप्त समाचार

कथूरिया प्रकरण में नया वीडियो आया सामने!

करनाल। भाजपा नेता चंद्रप्रकाश का चंडीगढ़ में एक छत से कूदने का वीडियो सामने आने के बाद अब सिलसिलेवार एक के बाद एक वीडियो सामने आ रहा है। अभी तक सोशल मीडिया पर सिर्फ चंद्रप्रकाश कथूरिया के छत से कूदने का ही वीडियो वॉयरल हो रहा है लेकिन अब उस महिला का भी वीडियो सामने आया है जो घटना के दौरान चंद्रपकाश कथूरिया के साथ थी। वह महिला वीडियो बनाने वाले शख्स को बिट्टू और विक्रम के नाम से पुकार रही है और अपना चेहरा छुपाने की कोशिश करते हुए चंद्रप्रकाश कथूरिया को नाइसमैन कहते हुए उनकी जान बचाने की गुहार लगा रही है। महिला इस वीडियो में वीडियो बनाने वाले के सामने हाथ जोड़ते हुए ये भी कह रही है कि गलती हो गई है। वीडियो बनाने वाला महिला से पूछ रहा है कि तुम कितने समय से इसके साथ संबंध बना रही थी। महिला इस बारे में चुप्पी साध लेती है। वीडियो में साफ पता चल रहा है कि महिला और वीडियो बनाने वाले के बीच भी कोई संबंध है। महिला इस शख्स को अच्छे से जानती है इसलिए उसका नाम भी ले रही है? अब इस वीडियो के सामने आने के बाद ये सवाल उठ रहा है कि ये विक्रम उर्फ बिट्टु कौन है? उसका इस महिला से क्या संबंध है? चंद्रप्रकाश कथूरिया इस महिला के साथ चंडीगढ़ के फ्लैट में क्या कर रहे थे? चंद्रप्रकाश कथूरिया छत से क्यों कूदे? महिला ये बात क्यों कह रही है कि कथूरिया इज नाइस मैन उसकी जान बचा लो? कुल मिला कर कथूरिया के छत से कूदने वाले प्रकरण के बाद कई तरह के सवाल शहर के लोगों के जहन में कौंध रहे हैं? भाजपा नेता अंदर ही अंदर चर्चा कर रहे हैं तो कांग्रेस वाले भी चटकारे लेकर इस खबर का बखान कर रहे हैं?

करनाल में कोरोना के 4 नए मामले

इंद्री/करनाल। जिले में शनिवार को कोरोना के 4 नए मामले आ गए हैं। सभी हरियाणा से बाहर जाकर वापस आने वाले हैं और कोरोना पॉजीटिव आते ही इन्हें शहर के कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट कर इलाज शुरू हो गया है। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने इस सम्बंध में जानकारी देते हुए बताया कि एक मामला इन्द्री के खेड़ा गांव के युवक का है, जो नोएडा से आया था। अन्य 3 मामले चमन गार्डन करनाल शहर के हैं। तीनों एक ही परिवार के हैं और कुछ दिन पहले एक शादी समारोह में दिल्ली गए थे। पिछले सप्ताह यह वापस आए, तो एक व्यक्ति में बुखार के लक्षण दिखाए दिए। मेडिकल कॉलेज में टैस्ट कराया तो वह कोरोना पॉजीटिव मिला। उसके साथ परिवार के दो अन्य सदस्यों का भी टैस्ट हुआ और वह भी कोरोना पॉजीटिव पाए गए। इन सभी चारों का मेडिकल कॉलेज में इलाज शुरू हो गया है।

एलएनजेपी में लगाया 280वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

कुरुक्षेत्र। कोरोना आपदा में रक्त की आपूर्ति के लिए जगदंबा सेवा समिति के सहयोग से राष्ट्रपति पुलिस पदक से अलंकृत डा. अशोक कुमार वर्मा द्वारा लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 280वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया। शिविर में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी की अध्यक्षता में मनीष सिंगला और राजेंद्र ने रक्त संग्रह किया। समाजसेवी मनोज गुप्ता मुख्य अतिथि रहे और अध्यक्षता राजेश कुमार ने की। शिविर संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों और रक्तदाताओं का तालियां बजाकर आभार व्यक्त किया। मनोज गुप्ता ने कहा कि जगदंबा सेवा समिति ने लाकडाउन के समय निरंतर 47 दिन जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी समाज के कार्य जारी रखेंगे। शिविर के संचालन में अशोक गर्ग और प्रशांत शर्मा ने विशेष सहयोग किया। शिविर में कवलजीत, अमित कुमार, बलदेव, मनोज गुप्ता, संजय कुमार, अमनदीप, अनिल जांगड़ा, सुभाष, गुरनाम सिंह, दिनेश कुमार, दीपक कुमार, गौरव, प्रदीप कुमार, भगवान दास वर्मा, मनजीत सिंह, गुरदेव सिंह, सुभाष, गुरप्रीत सिंह, रिंकू, बलदेव राज, नरेन्द्र कुमार, निशांत सैनी, श्याम लाल वर्मा, रोबिन वर्मा, विजय, सतीश कुमार, राकेश, कृष्ण कुमार, पलविंद्र, रवि, अमित कुमार, तेजिंदर, धीरज महाजन, डॉ आबिद ने रक्तदान किया।

राशन डिपो में उपभोक्ताओं को दिया जा रहा सुरसरी वाला राशन

कैथल। ऋषि नगर कॉलोनी गली नंबर 4 में एक राशन डिपो पर घटिया राशन दिए जाने से बीपीएल कार्ड पात्रों में काफी रोष है। राशन में गंदे सुरसरि वाले गेहूं पात्रों को दी जा रही है जिसमें काफी मिट्टी भी है इससे राशन लेने वाले लोगों में प्रशासन और सरकार के प्रति काफी गुस्सा है। समाजसेवी सुशीला शर्मा डीपू पर पहुंची और प्रशासन को खरी-खोटी सुनाई। सुशीला ने कहा कि वह एक सामाजिक कार्यकर्ता है। उन्होंने प्रशासन को उन लोगों की सूची दी थी जिससे पात्र लोगों को यह राशन दिया जा सके तो प्रशासन ने वह सारी लिस्ट ही बदल दी है। साथ ही डिपो पर जो भी राशन भेजा है वह पूरी तरह से घटिया क्ववालिटी का है। उन्होंने गेहूं में मिट्टी और सुरसुरी होने की प्रशासन की कड़े शब्दों में निंदा की वहीं राशन लेने आए ग्राहक जोगेंद्र ने बताया कि एक व्यक्ति के अनुसार 5 किलो की गेहूं दी जा रही है यानी परिवार में जितने सदस्य हैं। प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार 5 किलो गेहूं के अनुसार दी जा रही है। साथ ही 1 किलो चने की दाल दी जा रही है परंतु यह राशन स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला है। वही डिपो धारक हरबंस ने कहा कि जो राशन सरकार द्वारा दिया गया वहीं राशन वे आगे पात्र लोगों को बांट रहे हैं।

छोटे किसानों को कर्ज पर ब्याज में छूट का लाभ मिलेगा

कुरुक्षेत्र। सांसद नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने छोटे व्यापारियों और किसानों के लिए नौ अहम घोषणाएं की है। छोटे किसानों को बड़ी राहत दी गई है। उन्हें दिए जाने वाले कर्ज पर ब्याज में छूट की स्कीम 31 मई तक बढ़ा दी गई है। सांसद नायब सिंह सैनी शनिवार को सर्किट हाउस में भाजपा नेताओं की बैठक में बोल रहे थे। सांसद ने कहा कि 3 करोड़ किसानों ने रियायती दरों पर 4 लाख करोड़ रुपये का कृषि लोन लिया, मार्च-अप्रैल में 86 हजार 600 करोड़ रुपये के 63 लाख कृषि कर्ज दिए गए हैं, इससे किसानों को फायदा हुआ है। फसल की खरीद के लिए राज्यों को दी जाने वाली वित्तीय मदद 6700 करोड़ रुपये केंद्र सरकार ने बढ़ाई, ग्रामीण इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 4200 करोड़ रुपये दिए गए हैं, छोटे किसानों के लिए 30 हजार करोड़ का अतिरिक्त फंड नाबार्ड के जरिए तुरंत रिलीज किया जाएगा, ताकि रबी की फसलों की बुवाई का काम तेजी से हो सके। इससे 3 करोड़ किसानों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि 2.5 करोड़ किसानों के पास किसान क्रेडिट कार्ड नहीं हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना का विस्तार किया जाएगा। इसमें फिशरीज और एनिमल हस्बैंडरी किसान को भी शामिल किया जाएगा। उन्हें रियायती दरों पर 2 लाख करोड़ के कर्ज दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत मजदूरी 182 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये कर दी गई है।

दुधिया पर चलाई गोली बाल-बाल बचा, तीन पर केस दर्ज

सोनीपत। स्थानीय कबीरपुर में दूध बेचने आए गांव खेवड़ा के युवक पर पुरानी रंजिश में उसके गांव के तीन युवकों ने गोली चला दी। गोली उसके कान के पास से निकल गई। हमलावर बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। युवक के बयान पर सदर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव खेवड़ा के रहने वाले रोहित ने पुलिस को बताया कि वह दूध बेचने का काम करता है। वह शुक्रवार रात को दूध देने के लिए कबीरपुर में आया था। जब वह कबीरपुर में ओमप्रकाश व सुदामा के घर के आगे दूध डाल रहा था तो इसी दौरान उनके गांव का सुमित, अक्षय तथा एक अन्य बाइक पर सवार होकर आए।

शराब की निजी दुकानें भी खुलीं

- आबकारी विभाग ने दी 66 दुकानों को इजाजत
- दिल्ली में हैं लीकर की 389 निजी दुकानें

● हॉटस्पॉट- कंटेनमेंट जोन में रहेंगी बंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली।

आम आदमी पार्टी की सरकार के आबकारी विभाग ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के 66 निजी शराब दुकानों को खोले जाने की मंजूरी दे दी। साथ ही इन दुकानों के मालिकों से ऑड-ईवेन नियम का पालन करने के लिए कहा है।

विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि निजी शराब की दुकान मालिकों ने सरकारी आदेशों का अनुपालन किया है। इन्हें सुबह नौ बजे से शाम छह बजकर 30 मिनट तक दुकानें खोलने की अनुमति दी गई है। इसी के साथ शराब के ठेकों के बाहर लाइन भी लगनी शुरू हो गई है। दिल्ली सरकार के आदेश के अनुसार, जो शराब की दुकानें मॉल में हैं, वे अभी बंद रहेंगी। दिल्ली में 864 शराब की दुकानें हैं, जिनमें से 475 सरकारी हैं। वहीं 389 निजी दुकानें हैं, इनमें से 150 मॉल में स्थित हैं जिन्हें 31 मई तक खोलने की अनुमति नहीं है। वहीं शराब बिक्री पर लगने वाले 70 फीसद कोरोना शुल्क अब रोजाना सरकार के पास जमा करना होगा। इस शुल्क की वसूली ऑनलाइन की जाएगी। दिल्ली सरकार के पास राजस्व की भारी कमी है। लिहाजा राजस्व विभाग रोजाना राजस्व वसूली की प्रक्रिया अपना रहा है। आबकारी विभाग ने हर दुकानदार को गृह मंत्रालय के आदेशानुसार दुकान के सामने बैरिकेडिंग करने व मार्शल नियुक्त करने कहा है ताकि ग्राहक सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर सकें। साथ ही गलत सूचना देकर शराब की दुकान खोलने पर दुकानदार के खिलाफ कड़े कदम उठाने की चेतावनी दी गई है।

अफवाह फैलाने के आरोप में सेना का अधिकारी गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर 85 स्थित एक न्यूज चैनल के कर्मचारियों के कोरोना संक्रमित होने की अफवाह फैलाने के आरोप में थाना फेस-2 पुलिस ने एक सैन्य अधिकारी को शुक्रवार देर रात आगरा से गिरफ्तार कर लिया।

एसीपी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि एक निजी चैनल में काम करने वाले राहुल खन्ना ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि, राजेश नामक व्यक्ति ने अपने फेसबुक पर 20 मई को एक विवादित पोस्ट डाला। उसने लिखा कि एक चैनल के बाद अब दूसरे चैनल के 19 कर्मचारी संक्रमित पाए गए हैं। यदि कोई संबंधित चैनल का कर्मचारी किसी के आसपास रहता है, तो उससे दूरी बनाएं। उन्होंने बताया कि उक्त पोस्ट के बाद संबंधित चैनल अधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग से अपने कर्मचारियों की जांच करवाई। जांच में सामने आया कि वर्तमान में कोई भी कर्मचारी संक्रमित नहीं है।

विवादित विज्ञापन वापस, संबंधित अधिकारी सस्पेंड

सीएम केजरीवाल ने मानी गलती-सिक्किम को बताया भारत का अभिन्न अंग

● सिविल डिफेंस भर्ती विज्ञापन में सिक्किम को बताया था अलग देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने सिविल डिफेंस में नियुक्ति के विवादित विज्ञापन को वापस ले लिया है और संबंधित अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। यह कार्रवाई उपराज्यपाल अनिल बैजल के आदेश पर की गई है। अखबारों में दिए गए इस विज्ञापन में सिक्किम को अलग देश बताया गया था। जिस पर विपक्षी पार्टी भाजपा ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सफाई मांगी थी।

तूल पकड़ते मामले पर विराम लगाते मुख्यमंत्री ने देर शाम अपनी सफाई में कहा कि सिक्किम भारत का अभिन्न अंग है।

अरविंद केजरीवाल

मनोज तिवारी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चीन की भाषा बोल रहे हैं। वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं इसलिए मुयमंत्री जैसे एक संवैधानिक पद पर बैठकर सिक्किम को अलग देश बता रहे हैं। दिल्ली सरकार को याद नहीं है कि सिक्किम भी भारत का एक अभिन्न राज्य है। केजरीवाल इतने अज्ञानी कैसे हो सकते हैं कि उन्होंने विज्ञापन में सिक्किम को अलग स्वतंत्र देश ही बता दिया।

उनकी जानकारी के लिए बता रहे है कि सिक्किम भारत का ही एक राज्य है और यहां रहने वाले भारत के ही नागरिक हैं। दिल्ली सरकार के इस कृत्य से वहां रहने वालों के साथ ही देशवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। अपनी इस गलती के लिए केजरीवाल को सिक्किम समेत देश से माफी मांगनी चाहिए।

इस विज्ञापन में आवेदन के लिए पात्रता के कॉलम में लिखा गया कि भारत का नागरिक हो या नेपाल, भूटान या सिक्किम की प्रजा हो। नेपाल और भूटान के साथ सिक्किम को भी भारत से अलग दिखाया गया है। इस विज्ञापन में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फोटो भी छपी है। कोरोना वायरस से दिल्ली में हुई मौतों के मुद्दे पर विपक्ष के निशाने पर रही आम आदमी पार्टी की सरकार ने विपक्ष को हमलावर होने का एक और मौका दे दिया है। गौरतलब है कि साल 1975 में भारत का अंग बना सिक्किम, उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ के गठन से पहले देश का सबसे नया राज्य हुआ करता था।

लॉकडाउन में शनिधाम में पूजा दाती महाराज पर एफआईआर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नाबालिग लड़कियों से रेप के आरोपी स्वयंभू बाबा दाती महाराज एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने लॉकडाउन के नियमों की धज्जियां उड़ाई हैं। मेहरौली स्थित शनिधाम मंदिर में लॉकडाउन को ताक पर रखते हुए दाती महाराज ने ना सिर्फ पूजा करवाई। बल्कि सैकड़ों भक्तों के लिए मंदिर के दरवाजे भी खोल दिए। आयोजन का वीडियो वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया।

मामले में डीएम डॉ. बी. एम. मिश्रा ने संज्ञान लिया और पुलिस को जांच के आदेश दिए। दिल्ली पुलिस ने आपदा प्रबंधन ऐक्ट और महामारी ऐक्ट के तहत केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

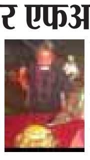

डीसीपी अतुल कुमार ठाकुर के अनुसार, शनिधाम मंदिर में हुई पूजा की कुछ तस्वीरें व वीडियो सोशल मीडिया के जरिए सामने आए। छानबीन में पता चला गत शुक्रवार शनि जयंती के मौके पर दाती महाराज व अन्य लोगों ने पूजा की थी। ऐसा करने पर लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन किया गया। यहां बीस से ज्यादा लोग पहुंचे हुए थे। इस बाबत मैदानगढ़ी थाने में आईपीसी की धाराओं डीडीएमए एक्ट और सेक्शन तीन एपिडेमइक डिजिज्ड के तहत केस दर्ज कर लिया।

प्रशासन की मनाही के बावजूद श्याम पार्क में खुली दुकानें

गाजियाबाद। जिला प्रशासन की मनाही के बावजूद हिन्डन पार क्षेत्र के श्याम पार्क मैन में शनिवार को कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानें खोली हुई थी। इसी बीच निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम प्रशान्त तिवारी ने जब यह नजारा देखा तो वह हैरान रह गए। उन्होंने दुकानदारों को सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया तथा दुकानें बंद करा दी।

डीएम के आदेश पर लॉकडाउन के बाद बाजार खोलने के दिन निश्चित किए गए हैं। जिसमें राजेंद्र नगर और श्याम पार्क के बाजार सोमवार से खोले जाने हैं। प्रशासन की गाइडलाइन के अनुसार हफ्ते में 3 दिन सोमवार, बुधवार तथा शुक्रवार को ही यहां बाजार खोले जाने हैं।

कार में लगी भीषण आग चालक की जलकर हुई मौत

● आउटर रिंग रोड फ्लाइओवर पर हादसा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मंगोलपुरी इलाके में फ्लाइओवर पर एक गाड़ी में आग लगने के बाद 50 साल की एक शख्स की जलकर मौत हो गई। मृतक की पहचान केरल के निवासी राम किशन के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस को इस घटना की सूचना मिली थी। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो जला हुआ वाहन आउटर रिंग रोड में काली माता मंदिर के पास फ्लाइओवर पर मिला।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि चालक जली हुई अवस्था में गाड़ी की सीट पर मिला। उसे अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कार में प्लास्टिक का कुछ सामान था। इसमें सीएनजी की किट थी और आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस संबंध में मंगोलपुरी पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

'समय पर इलाज नहीं कराना पड़ सकता है भारी'

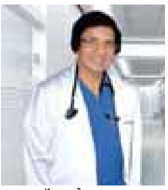

डॉ पुरूषोत्तम लाल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारत मे पिछले दो महीने से कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन है। विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त मरीज जो कि अपना ईलाज करवाने के लिए अस्पताल जा रहे थे अब अस्पताल नहीं पहुच रहे है। अस्पताल न पहुंचने के दो कारण हो सकते हैं। पहला लॉकडाउन, दूसरा कोरोना वायरस के डर से मरीज अस्पताल नहीं पहुच रहे थे, यह कहना है मेट्रो अस्पताल के चेयरमेन डॉ पुरूषोत्तम लाल का।

पद्मभूषण, पद्मविभूषण एवं डॉ बी सी रॉय नेशनल अवार्ड से सम्मानित डॉ लाल चेयरमैन मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने पत्रकारों को लॉकडाउन के दौरान समाज को जागरूक करने के लिए उनकी प्रशंसा की, एवमं विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को कोरोना के कारण अपने ईलाज को स्थगित व न टालने की सलाह दी। डॉ लाल ने बताया की मरीज इन्टरनेट के माध्यम से जैसे ई-कंसल्टेशन एवं टेलीफोन द्वारा डॉक्टर की सलाह एवमं आपातकालीन सेवाओं से जुड़ सकते हैं लेकिन, बीमारी का ईलाज उसी तरीके से चले जैसा की लॉकडाउन से पहले चल रहा था।

वेंबिनार ई-वार्ता में बोलते हुए हृदय रोग विषेषज्ञ डॉ समीर गुप्ता ने बताया कि लानसेट के एक सर्वे के मुताबिक भारत में हृदय रोगियों की संख्या पिछले 20 वर्षों मे दोगुनी हो गई है। भारत में 28 लाख लोग हर साल हृदय रोगों के कारण अपना जीवन खो देते है। दूसरे शब्दों में कहें तो 7000 मृत्यु या 320 मृत्यु हर घण्टे होती है, इसका मतलब यह है कि जब इतनी मात्रा में हृदय रोगी भारत में हैं और मरीज अस्पताल नहीं पहुंच रहे तो इसका कारण एक ही है कि कोरोना का डर।

डॉ. कपिल सिंघल वरिष्ठ न्योरोलोजिस्ट मेट्रो अस्पताल ने ई-वार्ता में बताया कि स्ट्रोक के कारण हर साल विश्व मे 60 से 65 लाख और भारत में 18 लाख लोग अपने जीवन से हाथ धो बैठते हैं। अगर समय पर ईलाज हो जाये तो जीवन बचाया जा सकता है। कोरोना वायरस के डर के कारण मरीज अस्पताल नहीं आ रहे, जो बिलकुल सही नहीं है।

दक्षिणी दिल्ली के अस्पताल में लगी आग

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सामने स्थित सिग्नस ऑर्थोकेयर अस्पताल के तीसरे तल पर एक ऑपरेशन थिएटर और रिकवरी रूम में आग लग गई।

यह कोविड-19 के मरीजों के लिए निर्दिष्ट अस्पताल है और जब घटना हुई तब अस्पताल में आठ मरीज मौजूद थे। सभी मरीजों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार आग की सूचना के बाद मौके पर दमकल की आठ गाड़ियों को अस्पताल भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया।

परीक्षा विभाग के डीन प्रो. विनय गुप्ता को ज्ञापन सौंपता एबीवीपी का प्रतिनिधिमंडल।

डीन एग्जामिनेशन को एबीवीपी का ज्ञापन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में परीक्षा संबंधी चल रही विभिन्न समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का एक प्रतिनिधिमंडल ने परीक्षा विभाग के डीन प्रो विनय गुप्ता को एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने छात्रों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराते हुए उनसे जल्द छात्रों की समस्याओं के निदान की मांग की ।

परिषद ने दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा के संदर्भ में जारी की गई अधिसूचना पर सभी हितधारकों के सुझावों को संज्ञान में न लिए जाने पर आपत्ति दर्ज की है।

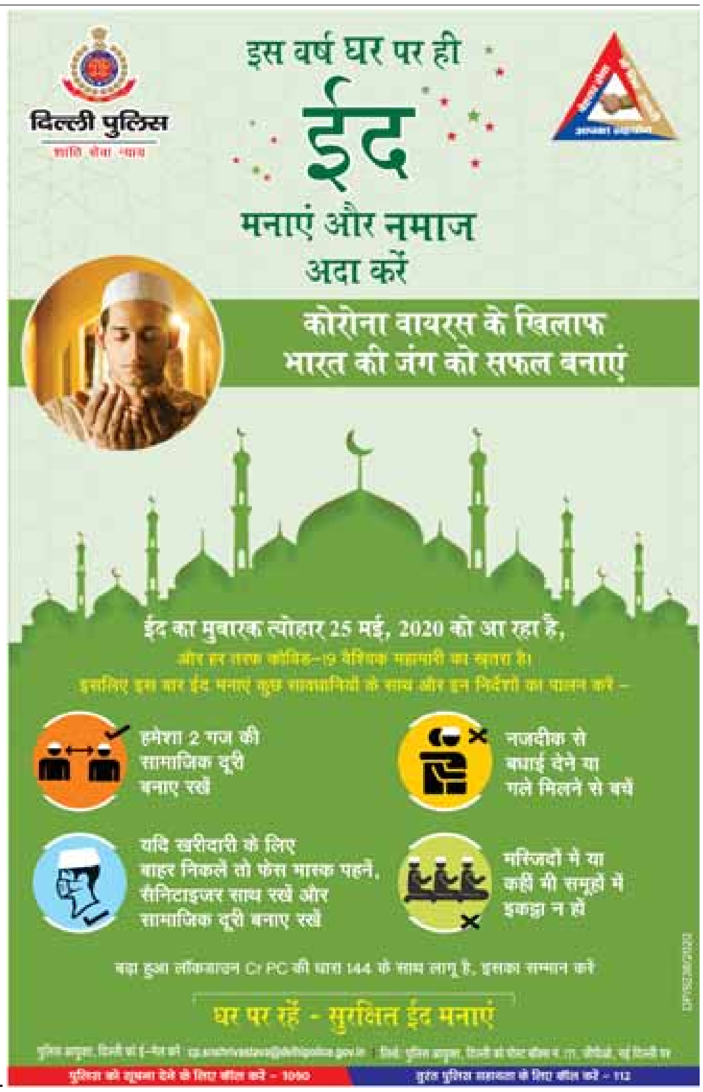

नोएडा में कोविड-19 के 17 नए मामले सामने आए

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर में शनिवार को कोविड-19 के 17 नए मामले आए हैं। जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि जिले में आज कोविड-19 के 17 नए मामले आए हैं। उन्होंने बताया कि कुल 246 लोग की जांच हुई थी।

दोहरे ने बताया कि जिले में अभी तक 323 लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं, जिनमें से 221 लोग इलाज के बाद संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और 97 लोगों का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से 5 लोगों की मौत हो चुकी है।

बाइक और नकदी पर हाथ साफ कर गए चोर

● सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साहिबाबाद के डीएलएफ कॉलोनी में शनिवार तड़के करीब तीन बजे एक बिल्डिंग में घुसे तीन चोर बाइक, नकदी और दो मोबाइल चोरी कर ले गए। सुबह जाग होने पर पीड़ितों को चोरी का पता चला। बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना कैद हो गई है। पीड़ितों ने साहिबाबाद थाने में शिकायत दी है जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार साहिबाबाद की डीएलएफ कॉलोनी के प्लॉट संख्या बी 81 में फ्लैट बने हैं। यहां करीब 25 परिवार रहते हैं। नीचे ग्राउंड फ्लोर पर ही सुरक्षा गार्ड प्रेमसिंह पत्नी राधा के साथ रहते हैं। प्रेम सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रात करीब तीन बजे उनके कमरे की कुंडी खोलकर चोर 20 हजार रुपये नकद, दो मोबाइल और बिल्डिंग में रहने वाले समीम अख्तर की बाइक चोरी कर ले गए। बाइक की चाबी गार्ड के रूम में रखी थी। सुबह जाग होने पर चोरी का पता चला। बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तो चोरों की करतूत कैमरे में कैद मिली। तीन चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। एसएचओ साहिबाबाद अनिल शाही ने बताया कि पीड़ितों की ओर से शिकायत मिली है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लॉकडाउन के दौरान जगह-जगह पुलिस का पहरा है। आशंका है कि चोरी करने वाले आसपास के रहने वाले होंगे। जिन्हें क्षेत्र के बारे में पूरी जानकारी होगी।

नोएडा मेट्रो को रोज हो रहा 7 लाख रुपए का घाटा

कोरोना संक्रमण रोकने को लागू लॉकडाउन के करण 22 मार्च से नहीं चल रहीं ट्रेनें

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा मेट्रो में रोजाना करीब 25 हजार यात्री यात्रा करते हैं। 23 मार्च को पहला लॉकडाउन शुरू हुआ और मेट्रो को बंद कर दिया गया। जानकारी मिली है कि अब तक ग्रेटर नोएडा मेट्रो चलाने वाली सरकारी एजेंसी नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन को करीब 4 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। इतना ही नहीं अब जब मेट्रो की दोबारा शुरुआत होगी तो हर महीने की आमदनी घटकर आधी रह जाएगी, जो एनएमआरसी के अधिकारियों के लिए बड़ी चिंता का विषय है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच यातायात का सबसे सुगम और

लग्जरी भरा जरिया एक्वा लाइन मेट्रो दो महीने से पूरी तरह से बंद है। इन दो महीने में एनएमआरसी को 4 करोड़ रुपये से भी ज्यादा राजस्व का नुकसान हो चुका है। मतलब, रोजाना करीब 7 लाख रुपये का नुकसान लॉकडाउन के चलते एनएमआरसी को उठाना पड़ रहा है। मेट्रो का संचालन नहीं होने से खर्च में कमी पर कुछ खास असर नहीं है। मेट्रो रूट पर एक्वा लाइन मेट्रो में हर रोज करीब 25 हजार यात्री सफर कर रहे थे। 22 मार्च से मेट्रो का संचालन बंद पड़ा है जिसके चलते एनएमआरसी को हर महीने करीब 2 करोड़ का रेवेन्यू लॉस हुआ है। इसका भार नोएडा विकास प्राधिकरण और ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण पर पड़ेगा।

रेल और जहाज चलाने को मंजूरी पर, मेट्रो को नहीं

एनएमआरसी को उम्मीद थी कि लॉकडाउन 4 की रियायतों में केंद्र सरकार मेट्रो के संचालन को भी इजाजत दे देगी लेकिन, ऐसा नहीं हो पाया। एनएमआरसी को उम्मीद है कि कम से कम एक जून से सरकार मेट्रो चलाने की इजाजत दे देगी। दरअसल, सरकार ने हवाई जहाज और ट्रेन चलाने की मंजूरी दे दी है। अधिकारियों का कहना है कि ग्रेटर नोएडा मेट्रो के पास इस घाटे की भरपाई का कोई दूसरा साधन नहीं है। जब मेट्रो शुरू होगी तो पहले जितना राजस्व भी नहीं मिलेगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

सैनिटाइजर बनाने की फैक्ट्री में सुबह लगी आग शाम को बुझी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

खेड़कीदौला में सेनिटाइजर बनाने की फैक्ट्री में लगी आग व आग बुझाती फायर बिग्रेड।

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में गुरुग्राम-जयपुर एक्सप्रेस-वे किनारे खेड़कीदौला में एक सैनिटाइजर बनाने की फैक्ट्री में शनिवार की सुबह आग लग गई। कैमिकल होने की वजह से आग ने चंद मिनटों में ही विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर सैकड़ों दमकल की गाड़ियों को आग बुझाने के लिए लगाया गया। दोपहर बाद आग पर काबू पाया गया।

यहां खेड़कीदौला औद्योगिक क्षेत्र में सैनिटाइजर बनाने की स्टेला नामक फैक्ट्री में शनिवार की सुबह एकाएक आग लग गई। फैक्ट्री में कॉस्मेटिक, परफ्यूम आदि बनाया जाता है। बताया गया कि यह आग गैस सिलेंडर फटने से लगी है। आग लगने की सूचना पाकर मौके पर पुलिस और फायर बिग्रेड की काफी गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने के प्रयास किए गए। जैसे-जैसे आग पर पानी डाला जा रहा था, आग और अधिक भड़क रही थी। आग के गोले आसमान में उड़ रहे थे।

आसपास के क्षेत्रों में भी इस आग के कारण दहशत फैल गई। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों को खाली कराने के लिए भी निर्देश दिए गए। हालांकि आग लगने के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। क्योंकि हर कोई फिलहाल इस आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहा है। अहम बात यह है कि इस आग में अभी तक कोई जनहानि नहीं हुई है।

सैनिटाइजर बनाने पर है कंपनियों का जोर

कोरोना संक्रमण काल में अब बहुत सी फैक्ट्री और कंपनियों का जोर सैनिटाइजर बनाने की ओर हो गया है। क्योंकि इसकी डिमांड काफी बढ़ गई है। इसकी आड़ में अनेक अवैध फैक्ट्रियां भी संचालित की जा रही हैं। सैनिटाइजर बनाने में ट्राइक्लोसान नामक कैमिकल का भी प्रयोग किया जाता है। इसे हाथ की त्वचा सोख लेती है। इसके अलावा इसमें एक विषैला पदार्थ बेंजाल्कोनियम क्लोराइड भी शामिल किया जाता है, जो कि कीटाणुओं को खत्म करने का काम करता है। यह भी समझना जरूरी है कि ये दोनों ही तत्व हमारी त्वचा को नुकसान भी पहुंचाते हैं, लेकिन कोरोना काल में हर कोई सैनिटाइजर का धड़ल्ले से उपयोग कर रहा है।

धोखे से लिया गया तलाक फैमिली कोर्ट ने किया खारिज

कोर्ट ने पुलिस को मामले की जांच कर कार्रवाई करने के दिए आदेश

गुरुग्राम। यहां की फैमिली कोर्ट ने एक विवाहिता की याचिका पर सुनवाई करते हुए फैमिली कोर्ट द्वारा पूर्व में दिए गए तलाक को खारिज करते हुए पीड़िता को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने पूर्व में जो फैसला दिया था, उसे लेकर दूसरे पक्ष ने अदालत को गुमराह कर गलत दस्तावेज न्यायालय में पेश किए थे। अब न्यायालय ने संबंधित थाना पुलिस को निर्देश दिए हैं कि इस मामले में जांच कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए।

सामाजिक संस्था के चेयरमैन पंकज वर्मा के मुताबिक पीड़ित युवती के मामले की पैरवी अधिवक्ता डा. अंजू रावत नेगी ने की। डा. नेगी का कहना है कि युवती ने 6 नवम्बर 2014 को सेक्टर-18 के हरजीत सिंह नामक युवक से आर्य समाज मंदिर में विवाह किया था। विवाह के बाद हरजीत अपनी पत्नी को गुरुग्राम में ही छोड़कर अपने परिजनों की मदद से न्यूजीलैंड चला गया था और अपनी पत्नी से सभी संबंध तोड़ दिए थे। उसे धमकी भी दी गई थी कि यदि उसने कोई कार्रवाई की तो उसके आपत्तिजनक फोटो व वीडियो को वह सार्वजनिक कर देगा। पीड़ित पत्नी ने 18 जून 2015 को अपने पति के खिलाफ गुरुग्राम के सेक्टर-18 पुलिस थाना में अपने पति व ससुराल वालों के खिलाफ उत्पीड़न का माला दर्ज करवाया। परिजनों ने पीड़िता पर दबाव बनाकर समझौता भी करा लिया था और हरजीत ने अपने परिजनों के माध्यम से परिवार न्यायालय में आपसी सहमति से तलाक का दावा डलवा दिया था।

अधिवक्ता अंजू रावत नेगी के मुताबिक पीड़िता फरिश्ते ग्रुप संस्था के संपर्क में आई तो उसका मामला परिवार न्यायालय में दायर किया गया। इसी बीच हरजीत न्यूजीलेंड से भारत आया तो उसे पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तार कर लिया था। अभी भी इस मामले में हरजीत व उसके पिता दोनों जमानत पर हैं। अधिवक्ता का कहना है कि हरजीत और उसके पिता ने न्यायालय में जान-बूझकर शादी की गलत तारीख बताई थी और तथ्यों को अदालत से छिपाकर अपराध किया था। अब पीड़ित पत्नी को न्यायालय से न्याय मिल गया है।

संक्षिप्त समाचार

लॉकडाउन में बच्ची के जन्मदिन पर काटा फ्रूट केक

गुरुग्राम। खुशियों को सेलिब्रेट कैसे भी किया जा सकता है। यह प्रेरणा हेलीमंडी के उस परिवार से ली जा सकती है जिनके यहां एक बच्ची का जन्मदिन था। इस जन्मदिन पर केस बाजार से खरीदने की बजाय परिजनों ने कलात्मक तरीका अपनाया। तरबूत का केस बनाया और जन्मदिन मनाया।सेना के रिटायर्ड अधिकारी ने नई पहल करते हुए अपनी पौत्री के जन्म पर बाजार से तैयार केक की जगह फ्रूट केक तैयार करके लॉकडाउन के नियमों की पालना भी की। पौत्री को लंबी उम्र का आशीर्वाद दिया। सेना से रिटायर्ड सूबेदार गजराज सिंह व उनकी पत्नी संतोष देवी ने बताया कि कोरोना जैसी विश्व व्यापी महामारी के कारण लोगों में भय है कि कही कोरोना उन्हें जकड़ ना लें। जिसके चलते बजार में बने पकवान और केक को भी शक की नजर से देख रहे हैं। उन्होंने अपनी पौत्री का जन्म फ्रूट केक के साथ सादगी से मनाया है। फ्रूट केक बाजार के केक से स्वादिष्ट और पौष्टिक है। उन्होंने बताया कि बेटी इस कायनात की सबसे अनमोल और सुंदर कृति है। कोरोना से उनके बचाव का सबसे अच्छा तरीका है कि बाजार के खाद्य प्रोडक्ट से बच्चों को दूर रखें। उन्हें घर पर ही खुश रखें। यह उनकी पोत्री का पहला जन्मदिन था तो कुछ अलग अंदाज में मनाने का प्रयास किया है।

गुरुग्राम के गांव सैदपुर मोहम्मदपुर में कोरोना की दस्तक

फर्रूखनगर। खंड के गांव सैदपुर मौहम्मदपुर में कोरोना ने दस्तक दे दी है। कोरोना पॉजिटिव महिला के पांच परिजनों के सैम्पल लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर पर ही क्वारंटाइन कर दिया गया है। पॉजिटिव मिली महिला दिल्ली के किसी अस्पताल में उपचाराधीन बताई जा रही है। एसएमओ अरूणा सांगवान की माने तो सैहदपुर गांव की महिला को टाइफाइड था। जो गुरुग्राम के निजी अस्पताल मे उपचार करा रही थी। उसकी किडनी पर असर देख कर कोरोना टैस्ट कराया गया तो वह पॉजिटिव निकली। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तत्तपरता से मामले को संज्ञान में लेते हुए पीडिता के पांच परिजनों को कोरेंटाइन कर दिया है। तथा सभी को हिदायत दी है कि जब तक रिपोर्ट ना आए, तब तक किसी से संपर्क ना करें, ताकि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

गुरुग्राम-सोहना के बीच बस सेवा शुरू

सोहना। गुरुग्राम-सोहना के बीच हरियाणा रोडवेज की बस सेवा शुरू हो गई है। करीब दो माह तक बंद रही गुरुग्राम-सोहना के बीच हरियाणा रोडवेज की बस सेवा शनिवार से शुरू कर दी गई है। सामान्य बस स्टैंड पर तैनात टिकट बुकिंग करने वाले कर्मचारी राकेश मावी ने बताया कि दिन में तीन बार गुरुग्राम तक बस चलेगी। जो सुबह साढ़े सात बजे, दस बजे और दोपहर एक बजे सोहना से बस चलेगी। बस में यात्रियों की संख्या 30 होगी। उन्होंने बताया कि बस में यात्री के पास मास्क और सैनेटाइजर होना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि यात्री को बस में बैठने से पहले बुकिंग क्लर्क से टिकट लेनी होगी या बस के अंदर मौजूद कंडेक्टर से यात्री टिकट ले सकता है।

स्वास्थ्य की जानकारी के लिए 1921 पर करें मिस्ड काल

नूंह। स्मार्ट फोन से वंचित और आरोग्य सेतू ऐप को डाउनलोड न करने वाले व्यक्तियों को कोविड-19 से सबंधित जानकारी देने के लिए केन्द्र सरकार ने 1921 टोल फ्री नंबर की सेवा शुरू की है। कोई भी व्यक्ति जिसके पास स्मार्ट फोन नहीं है और वह केवल साधारण फोन रखता है। अब उसको भी सरकार की ओर से कोविड-19 की जानकारी जो आरोग्य सेतू ऐप के माध्यम से दी जाती है उपलब्ध हो पाएगी। यह जानकारी नूंह के उपायुक्त पंकज ने दी। उन्होंने बताया कि एनआईसी की ओर से लोगों में प्रभावी ढंग से कोरोना वायरस के प्रति सचेत करने के लिए यह टोल फ्री नंबर शुरू किया गया है। 1921 पर साधारण फोन से जिसके पास अरोग्य सेतू ऐप नही है वो व्यक्ति मिस कॉल कर कोविड-19 की जानकारी प्राप्त कर सकता है। इस नंबर पर केवल मिस्ड कॉल करनी होगी वहां से डिस्कनैक्ट होने के बाद फोन करने वाले व्यक्ति को वापिस उसी नंबर पर फोन आएगा जिसमें उससे स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी ली जाएगी। संबंधित नागरिक की प्रतिक्रिया के बाद उसके स्वास्थ्य से संबंधित उसके फोन पर अलर्ट मैसेज आएगा। यही नहीं वह नागरिक जब कोविड-19 के संक्रमित केसों के आस पास होगा तो उसे तुरन्त आरोग्य ऐप की भांति अलर्ट एसएमएस प्राप्त होगा। उपायुक्त ने बताया कि यह सुविधा साधारण फोन रखने वाले लोगों के लिए बनाई गई जो कि पूर्णत्या सुरक्षित है। इसका उद्देश्य कोविड-19 के बारे में लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करना है साथ ही सरकार की समय-समय पर आने वाली गाईडलाईन की जानकारी भी आमजन को देना है।

विश्व स्क्रिजोफ्रेनिया दिवस

गुरुग्राम के 50 फीसदी लोगों में कमजोरी ही बन गई है मानसिक बीमारी

35 प्रतिशत लोग मानते हैं कि यह किसी बुरे कर्म का है नतीजा

एक सर्वे में आई यह बात सामने

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

कोरोना के चलते लॉकडाउन के बीच मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता माह में जारी किए गए एक सर्वे में सामने आया है कि गुरुग्राम के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में 50 प्रतिशत से अधिक लोग व्यक्तिगत कमजोरी को ही मानसिक बीमारी का मुख्य कारण मानते हैं। यह सर्वे गुरुग्राम के 400 लोगों पर किया गया। सर्वे विश्व स्क्रिजोफ्रेनिया दिवस की पूर्व संध्या पर साझा किया। स्क्रिजोफ्रेनिया नामक मानसिक बीमारी से ग्रस्त होते हैं। जहां व्यक्ति भ्रम और मतिभ्रम (आवाजें सुनाई देना व स्वयं से करना) का अनुभव करते हैं।

मानसिक बीमारियों के प्रति जागरुकता के लिए हर साल 24 मई को विश्व स्क्रिजोफ्रेनिया दिवस मनाया जाता है। इस बार विश्व स्क्रिजोफ्रेनिया दिवस का विषय स्टीग्मा रीमूविंग (मानसिक बीमारी के कंलक को मिटाना) है। गुरुग्राम के शहरी क्षेत्र व चार गांव में मानसिक रोगों की जानकारी को लेकर 400 से अधिक लोगों पर सर्वे किया था। जिसमें जाना गया कि लोग मानसिक बीमारी और उसके कारण व निदान के बारे में कितना जानते है। इस पर सामने आया कि 89 प्रतिशत लोगों ने मानसिक बीमारी के बारे में सुना है, लेकिन इन बीमारियों के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। वहीं 50 प्रतिशत लोग मानते है कि जो व्यक्ति शारीरिक व मानसिक रुप से अपने को कमजोर मानते हैं वही मानसिक बीमारी है। इसके साथ ही 35 प्रतिशत लोग मानते है कि यह किसी बुरे कर्म का नतीजा है और 43 प्रतिशत मानते है कि मानसिक बीमार व्यक्ति किसी भी काम को करने के लिए फिट नहीं है। संबध हेल्थ फाउंडेशन (एसएचएफ) की ट्रस्टी रीता सेठ के मुताबिक यह सर्वे वर्ष 2018-19 से बीच किया गया जिसका रिपोर्ट अब जारी किया गया है।

समाज में कई तरह की रुढ़िवादी परम्पराएं

उन्होंने बताया कि हमारे समाज में कई तरह की रुढ़िवादी परम्पराएं चली आ रही हैं, जिसके कारण भी मानसिक बीमारी का पता आसानी से नहीं लगता हैं। इसीलिए मानसिक बीमारी के कलंक को मिटाने के लिए हर साल स्क्रिजोफेनिया दिवस मनाया जाता है। मनाने का एकमात्र उद्देश्य यह है कि लोगों को मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूक किया जा सके और इसके प्रति फैली भ्रांतियों से भी अवगत कराया जा सके। इस भाग दौड़ भरी लाइफ में वयक्ति में बहुत तरह की मानसिक परेशानियां होती हैं। जो कभी कभी जीवन में बहुत गहरा प्रभाव डालती हैं। अक्सर ऐसे मामले भी देखने को मिलते हैं, जिनमें कई लोग मानसिक परेशानियों के चलते आत्महत्या तक कर लेते है।

सरकार की योजनाओं का हर प्लेटफार्म से होगा प्रचार : नवीन गोयल

भाजपा जिला सचिव ने नीतियों के प्रचार की बढ़ाई गति

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नवीन गोयल।

भाजपा जिला सचिव नवीन गोयल ने कहा कि सरकार की योजनाओं का हर प्लेटफार्म से प्रचार किया जाएगा। इसके लिए मीडिया, सोशल मीडिया, टीवी, रेडियो, सिनेमा, वाट्सअप, टैक्सट मैसेज आदि प्लेटफार्म पर तैयारी की जा रही है। क्योंकि सरकारी की नीतियां हर वर्ग के लिए बनती हैं। हर वर्ग इन माध्यमों से जुड़ा है, इसलिए यह जरूरी है कि सरकार की योजनाओं का प्रचार यहां पर किया जाए।

जिला नवीन गोयल ने कहा कि पार्टी के पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में अब वे गुरुग्राम में सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार का काम तेज कर रहे हैं। यह जरूरी है। लॉकडाउन के बीच बहुत कुछ उलट-पुलट हुआ है। सरकार ने इस समय में भी जनकल्याण की योजनाएं बनाकर राहत पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने बताया कि एमएसएई उद्योगों के लिए ब्याज रहित लोन, शिक्षा लोन पर सरकार ने सकारात्मक कदम उठाया है। और भी अनेक योजनाएं तैयार करके सरकार ने जनहित में काम किया है। अब इन योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका रहेगा। व्यक्तिगत रूप से, मीडिया से, सोशल मीडिया से व अन्य प्रचार के माध्यमों से पहुंचाया जाएगा। बीजेपी जिला सचिव होने के साथ कैनविन संस्था में सह-संस्थापक के नाते नवीन गोयल अब संस्था की ओर से एक हेल्प डेस्क भी शुरू करने जा रहे हैं। जिसकी अधिकारिक रूप से जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। वहां पर लोगों के सरकारी योजनाओं के काम, आवेदन आदि करने की सुविधा दी जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा देश को 20 लाख करोड़ का पैकेज देने के लिए भी जिला सचिव नवीन गोयल ने सरकार के इस प्रयास को सराहा।

निगम क्षेत्र में रेनवाटर हारवेस्टिंग स्ट्रक्चर की समुचित व्यवस्था अनिवार्य

गुरुग्राम। नगर निगम की सीमा में आने वाले सभी आवासीय भवनों, ग्रुप हाऊसिंग सोसायटियों, संस्थानों, स्कूलों, होटलों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों को 15 जून तक उनके यहां रेनवाटर हारवेस्टिंग स्ट्रक्चर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने कहा कि गुरुग्राम शहर और इसके आसपास के क्षेत्र में भूजल संसाधन को और कम होने से बचाने और संरक्षित करने और भूजल पुनर्भरण के लिए रेन वाटर हारवेस्टिंग स्ट्रक्चर सहित रूफ टॉप रेनवाटर हारवेस्टिंग स्ट्रक्चर की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करनी आवश्यक है। निगमायुक्त द्वारा कहा गया है कि यह मामला गंभीर है तथा इसकी पालना समयबद्ध तरीके से की जानी अनिवार्य है।

अरावली पहाड़ी के फार्म हाउस तोड़ने की तैयारी

नरेश कुमार। सोहना

सोहना नगर परिषद गांव रायसीना से लगती अरावली पहाड़ी के अंसल क्षेत्र में बने करीब 200 फार्म हाउसों का नामू निशान मिटाएगी। गैरमुमकिन पहाड़ी क्षेत्र में रहीशजादों ने आलीशान फार्म हाउस गैर कानूनी तरीके से बनाए हुए है। परिषद ने सभी फार्म हाउसों पर नोटिस चस्पाते हुए सात दिन में फार्म हाउसों की चार दीवारों को हटाने के आदेश जारी कर दिए हैं।

सोहना नगर परिषद के वार्ड-एक के गांव रायसीना से लगती अरावली पहाड़ी में लगभग 40 साल पहले दो से तीन व ढाई एकड़ जमीन की घेराबंदी करते हुए फार्म हाउसों का आकार देना शुरू किया था। देखते-देखते आज अरावली के करीब 500 एकड़ जमीन पर 300 के लगभग आलीशान फार्म हाउस बने हुए हैं। जो गैर कानूनी तरके से बने हुए हैं।

एनजीटी के आदेश पर अमल

नेशनल ग्रीन ट्रब्यूनल नई दिल्ली ने सोहना नगर परिषद को अरावली पहाड़ी के फार्म हाउसों को धराशाही करने के आदेश जारी किए हैं। एनजीटी के आदेश पर सोहना नगर परिषद ने लगभग 195 फार्म हाउसों के मुख्य गेट पर नोटिस चस्पाए हैं। जिसमें फार्म हाउसों को सात दिन के अंदर फार्म हाउस का निर्माणकर्ता चार दीवारों को अपने आप ही गिरा दें। सोहना नगर परिषद के एक्सइएन अजय पंगाल ने बताया कि बहुत ही जल्द परिषद की तरफ से उपायुक्त महोदय से फार्म हाउसों पर कार्रवाई करने के दौरान ड्यूटी मजिस्टेट की नियुक्ति किए जाने की मांग की जाएगी। ताकि सात दिन के बाद अरावली पहाड़ी में बने अवैध फार्म हाउसों को नेस्तनाबूत किया जा सके। उन्होंने बताया कि सात मई 1992 एनजीटी द्वारा नोटिफिकेशन करते हुए अरावली में किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य पर पूर्णरूप से प्रतिबंध होगा। चाहे वह निर्माण कार्य 1992 से पहले की गई थी या उसके बाद किया गया है।

नामचीन हस्तियों के हैं फार्म हाउस

अरावली पहाड़ी में हरियाली से सरावोर आलीशान फार्म हाउस बनाने वालों में राजनीति से सम्बंध रखने वाले नेताओं, राज्यों के गर्वनर के पद पर रहने वाले, न्यायिक परिसर के सर्वोच्च पद, देश की सेना में कर्नल, जरनल पद से रिटायर्ड होने वाले अधिकारियों और अन्य गणमान्य पदों पर रहे लोग भी शामिल हैं। इसके अलावा उद्योगपति, शिक्षाविद और गायक भी शामिल है।

काम के अभाव में पलायन को मजबूर श्रमिक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

उद्योगों, वाणिज्यिक संस्थाओं में काम करना चाहिए था शुरू

अब भी सरकार को उठाना चाहिए सकारात्मक कदम

गुरुग्राम समेत अन्य स्थानों से पलायन करने पर मजबूर हुए श्रमिकों ने यह कदम इसलिए उठाया कि वे यहां खाली बैठकर परेशान हो गए है। उन्हें काम नहीं मिल रहा था। काम नहीं मिलने पर उनके खाने-पीने की समस्या गहरा रही है। इनमें बहुत से खुद्दार भी थे, जिन्होंने किसी की सहायता लेकर खाने की बजाय यहां से जाना बेहतर समझा।

कोरोना महामारी के बीच किए गए लॉकडाउन के बाद से ही बाहर के राज्यों के श्रमिकों में हाहाकार बच गया। क्योंकि उनका काम भी बंद हो गया था। पहले लॉकडाउन के बीच ही जिस तरह से दूसरे लॉकडाउन की घोषणा हुई तो इनकी समस्या और बढ़ गई। ऐसी स्थिति में उनका यहां रहना कठिन हो गया था। उद्योगों की एसोसिएशन एनसीआर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से भी श्रमिकों के पलायन के लिए काम न मिलने को ही बड़ा व प्रमुख कारण माना है। एसोसिएशन के अध्यक्ष एचपी यादव कहते हैं कि यदि सरकार ने पूर्व में ही उद्योगों तथा वाणिज्यिक संथानों को काम करने की अनुमति दी होती तो आज इस तरह श्रमिकों का पलायन नहीं हो रहा होता।

ज्यादातर श्रमिक अपने शहरों को इसलिए चले गए, क्योंकि वो सभी बिना काम कि खाली बैठे थे। उन्होंने सुझाव दिया की दिल्ली एनसीआर के तीनों राज्य सरकारों को अपने बॉर्डर बिना देरी किए खोल देने चाहिए। जिससे इस क्षेत्र में उद्योगों तथा वाणिज्य संस्थानों से जुड़े लोगों की आवाजाही सुचारू रूप से शुरू हो सके।

श्रमिकों को काम पर आने की अनुमति दी जानी चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो भुखमरी, सड़क और रेलवे लाइनों पर दुर्घटनाओं से मरने वाले श्रमिकों की संख्या बढ़ जायेगी। सरकार को चाहिए कि श्रमिकों को काम करने दें, ताकि वे जीवित रह सके।

एचपी यादव के अनुसार यह अत्यंत आश्चर्यजनक है कि बिना सामजिक दूरी का ध्यान करते हुए भारत सरकार ने शत-प्रतिशत बुकिंग के साथ 200 रेल गाड़ियों तथा घरेलू उड़ानों के परिचालन की अनुमति दे दी है, जबकि राज्य के बॉर्डर सील हैं।

दिल्ली से गुरुग्राम आते हैं ज्यादातर कर्मचारी, श्रमिक

ज्यादातर कर्मचारी तथा श्रमिक रोजाना दिल्ली से गुरुग्राम आते हैं। उनमें से ज्यादातर लोगों को एनसीआर रीजन में परेशान किया जाता है। बॉर्डर से ही वापस कर दिया जाता है तथा अपने कार्यस्थल पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। यदि यही हाल रहा तो 10000 से ज्यादा सूक्ष्म लधु एवं मध्यम उद्योगों को अपना काम बंद करना पड़ेगा। गत दिनों भी ऐसा ही हुआ कि दिल्ली से गुरुग्राम आने वाले श्रमिकों को गुरुग्राम पुलिस द्वारा रोके जाने पर पथराव की घटना हुई।

कोरोना मुक्त हुआ नूंह जिला, सभी मरीज हुए स्वस्थ : अरविंद

नूंह। जिला नूंह के सभी 65 मरीज कोरोना की जंग जीत कर स्वास्थ्य हो चुके हैं। यह जानकारी देते हुए उप सिविल सर्जन, नोड्ल अधिकारी कोरोना डॉ. अरविंद ने बताया कि जिले में मरीजों की कुल संख्या 65 हो गई थी, लेकिन शानिवार को 5 मरीज डिस्चार्ज करने के बाद जिले में एक भी कोरोना मरीज नहीं है। 4560 संदिग्ध लोगों के नमूने जांच के लिए भेजे गए थे जिनमें से 4364 की रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है।

उन्होंने बताया कि 65 कोरोना संक्रमितों में से सभी 65 मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। वहीं 131 लोगों के कोरोना रिपोर्ट आनी शेष है। नोडल अधिकारी डा. अरविन्द ने बताया कि गांव में लोगों की जांच का कार्य लगातार जारी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रही है।

मोटोरोला ने ऑल-न्यू मोटो जी8 पॉवर लाइट लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

2020 मोटोरोला अपने बेहद लोकप्रिय एवं सबसे सफलतम फ्रैंचाइजी जी सीरीज के सबसे किफायती वैरिएंट्स में से एक ऑल-न्यू मोटो जी8 पावर लाइट लॉन्च कर रहा है। इसकी कीमत 8,999 रुपये है। शानदार मोटो जी8 पॉवर लाइट रॉयल ब्लू, आकर्षिक ब्लू में उपलब्ध होगा और इसकी बिक्री 29 मई से फ्लिपकाट पर शुरू हो रही है। मोटो जी8 पावर लाइट 8,999/-रुपये की कीमत में उपलब्ध होगा।

स्मार्टफोन एक असली पॉवर हाउस है मोटो जी8 पॉवर लाइट शक्तिशाली 5000 एमएएच की बैटरी के साथ आता है। इस विशाल 5000 एमएएच बैटरी के साथ एक बार चाज करने पर यह 2 से अधिक दिन चल सकता है। आप 100 घंटों तक म्यूजिक चला सकते हैं, या फिर 19 घंटों तक शोज या मूवीज देख सकते हैं। साथ ही आपको 35 दिनों का स्टैंडबाय टाइम भी मिलेगा, और जब आपको सबसे ज्यादा जरूरत होगी तब आपके पास पावर होगी।

मोटो जी8 पावर लाइट पर ट्रिपल कैमरा सिस्टम -16 एमपी (एफ 2.0, 1.0 यूएम) पीडीएएफ, 2एमपी (एफ 2.4, 1.75 यूएम) मैक्रो और 2एमपी (एफ 24, 1.75 यूएम) डेफ्थ शॉर्पर फोटोज कैद करता है, शानदार क्लोज-अप शॉट्स लेता है और एक स्नैप में खूबसूरत पोट्रेट्स देता है। यह फेस ब्यूटी, ड्युअल कैमरा बोके, टाइमर, पैनोरमा आदि के साथ एचडीआर के साथ आता है। फेज डिटेक्शन ऑटोफोकस (पीडीएफ) के साथ 16 एमपी का कैमरा पलक झपकते ही आपके सब्जेक्ट को कैद करता है, आपको एफ/2.0 अपर्चर और 1.0 यूएम पिक्सेल के साथ हर बार बेहतरीन रिजल्ट मिलेंगे।

डेडिकेटेड मैक्रो विजन कैमरा आपको अपने सब्जेक्ट से 4गुणा नजदीक लाता है ताकि आप 2.5 सेमी दूर से हर बारीकी पर फोकस कर सकें। यह प्रकृति की खूबसूरती कैद करने और मैकेनिकल फोटो लेने के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। 2एमपी की डेफ्थ और 16एमपी का मेन कैमरा एक साथ काम करते हैं और आपकी तस्वीरों में खूबसूरत बोके इफेक्ट लाने के लिए अगले या पिछले भाग को ब्लर कर देते हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 24 मई, 2020

कोरोना की दहशत : 20 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 205, तीन को छुट्टी

पानियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में शनिवार को एक बार फिर से कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ गई। देर शाम तक 20 पॉजिटिव मरीज सामने आए। वहीं तीन मरीजों की रिपोर्ट नेगेटिव आने पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके अलावा होम आईसोलेट किए गए चार्टर्ड अकाउंटेंट को परिवार समेत ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवा दिया।

यहां से आए पॉजिटिव

शनिवार को संक्रमित मिले मरीजों में सेक्टर 7 में रहने वाले एक ही परिवार के तीन सदस्य कोरोना पॉजिटिव मिल हैं। इनमें 65 वर्षीय बुजुर्ग, 58 वर्षीय बुजुर्ग महिला व 17 वर्षीय किशोर शामिल है।

यह तीनों 18 मई को पॉजिटिव मिले चार्टर्ड अकाउंटेंट के परिवार से है। परिवार के तीन सदस्य पॉजिटिव आने पर विभाग ने चार्टर्ड अकाउंटेंट समेत सभी को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में दाखिल करवा दिया। चार्टर्ड अकाउंटेंट के सम्पर्क में आई सेक्टर 16 में रहने वाली एक 22 वर्षीय युवती की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। भारत कालोनी निवासी मरीज के सम्पर्क में आए चावला कॉलोनी में रहने वाले 46 वर्षीय व्यक्ति की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। स्वस्थ्य विभाग ने ऊंचा गांव में रहने वाले बल्लभगढ़ सब्जी मंडी के 57 वर्षीय आढ़ती को पॉजिटिव होने की पुष्टि की है। वहीं बल्लभगढ़ की भगत सिंह कॉलोनी में रहने वाले 39 वर्षीय व्यक्ति भी पॉजिटिव है। यह युवक किडनी संबंधित बीमारी से ग्रस्त है और डायलिसिस पर है। सेक्टर 55 निवासी 43 वर्षीय व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव मिला है।

इसका संबंध मुजेसर की कंपनी में काम करने वाले पॉजिटिव व्यक्ति से बताया जा रहा है। एनआईटी 2 डी ब्लॉक में रहने वाली 25 वर्षीय महिला पॉजिटिव पाई गई है। उसके गले में खराश थी। उसे होम क्वॉरेंटाइन किया गया है। वहीं तुगलकाबाद की कंपनी में काम करने वाले बल्लभगढ़ निवासी 39 वर्षीय युवक के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि की है। स्वास्थ्य विभाग ने इन सभी मरीजों को ईएसआई मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया है। साथ ही इनके संपर्क में आए लोगों को क्वारंटीन करने व उनके सैंपल लेने का काम किया जा रहा है। देर रात दस और पॉजिटिव पाए गए ।

यह है आंकड़ा

नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 9493 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 3345 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 6142 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 9228 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 9032 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 8251 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 586 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 205 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 71 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा 3 पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 115 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक छह मरीजों की मौत हो चुकी है जिसमें कोरोना के साथ-साथ अन्य विभिन्न बीमारियां भी कारण रही।

कोविड-19 के ड्राईवरों के खाने में सिर्फ सूखे चावल

रेडक्रॉस सचिव ने शिकायत पर दोबारा भेजा भोजन

कविता। फरीदाबाद

जिले में कोविड-19 में कार्यरत चिकित्सक, स्टाफ, कर्मचारी, पुलिस इत्यादी को कोरोना योद्धाओं में शामिल किया गया है। लेकिन इन कोरोना योद्धाओं में अहम कार्य कोविड-19 में ड्यूटी दे रहे एम्बुलैंस चालकों का है। वह पॉजिटिव मरीजों को घरों से लाकर अस्पतालों में दाखिल करवाने का कार्य कर रहे है। लेकिन इन्हें भोजन के लिए तरसना पड़ रहा है। एक तरफ स्वास्थ्य विभाग कह रहा है कि इम्युनिटी पावर ठीक रखकर लोग कोरोना से लड़ सकते है, वहीं दूसरी तरफ ड्राईवरों को सूखे चावल खाने में दिए जा रहे है।

भोजन के नाम पर मजाक

रेडक्रॉस के द्वारा भेजा गए सूखे चावल

सचिव द्वारा शिकायत के बाद भेजा गया भोजन

ड्राईवरों ने बताया कि कोविड-19 में लगे एम्बुलैंस ड्राईवरों के लिए रेडक्रास द्वारा हर रोज भोजन भेजा जाता है। रोजाना करीब 12 से 15 लोगों का भोजन भेजा जाता है। शनिवार की दोपहर को तीन बजे उनके पास एक छोटा हाथी (टैम्पों) के जरिये खाना पहुंचा। जिसमें 12 से 15 लोगों को भोजन था। सभी पैकेट्स में उन्हें दाल चावल बताये गए। लेकिन उन पैकेट्स में केवल चावल ही थे, दाल तो कही दिख ही नहीं रही थी।

चालकों का कहना

कोविड-19 में लगे एम्बुलैंस ड्राईवरों का कहना है कि 24 घंटे की ड्यूटी में उन्हें दो समय का भोजन मिलता है। वह भी दोपहर और शाम का। जिसमें उन्हें दोपहर को केवल दाल चावल और रात को रोटी दी जा रही है। ऐसे अपने इम्युनिटी सिस्टम को कैसे ठीक रखेंगे। 24 घंटे की ड्यूटी करने के बाद उन्हें एक दिन का रेस्ट करके दोबारा से 24 घंटे ड्यूटी करनी पड़ती है। सुबह के समय का भोजन वह खुद कर रहे है। घर से तो कुछ चालकों को होटलों में खाना पड़ता है।

शिकायत पर भेजा खाना

मामले उजागर होने पर पायनियर द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव विकास कुमार से शिकायत की गई की गई। उन्होंने कहा कि सेक्टर-15 स्थित गुरूद्वारे में बेहतर भोजन तैयार करवाया जाता है। लेकिन कुछ संस्थाओं की तरफ से उन्हें भोजन भेजा जाता है। सम्भव है दाल चावल संस्थाओं द्वारा भेजा गया होगा। उन्होंने कहा कि वे खुद अब एम्बुलैंस चालकों के लिए भोजन भिजवाऐंगे। ताकि कोरोना योद्धाओं का स्वास्थ्य ठीक रह सके। करीब आधे घंटे बाद उन्होंने एम्बुलैंस चालकों को दोबारा भोजन भिजवा दिया।

आरडब्लयूए, जेआरसी और एसजेएबी ने किया सेनिटाइज

फरीदाबाद। जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 29 फरीदाबाद ने कोरोना महामारी से बचाव के लिए पिछले दो महीने से सम्पूर्ण सेक्टर को सेनिटाइज करने का अभियान चलाया हुआ है।

जिला फरीदाबाद के जूनियर रेडक्रॉस लाइफ मेंबर, काउंसलर व एनएच तीन फरीदाबाद कन्या विद्यालय के प्राचार्य रवीन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि पिछले दो महीने से हर दूसरे दिन प्रत्येक पॉकेट के प्रत्येक मकान के मुख्य प्रवेश द्वार को उचित प्रकार से सेनिटाइज किया जा रहा है।

अभिभावकों ने किया लघु सचिवालय पर प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्राइवेट स्कूलों द्वारा लगातार की जा रही मनमानी से परेशान अभिभावकों का शनिवार को सब्र टूट गया। नहर पार स्थित एक निजी स्कूल के सैकड़ों अभिभावकों ने शनिवार को मास्क लगाकर, फिजिकल डिस्टेंट का पालन करते हुए लघु सचिवालय पर प्रदर्शन करके उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया है कि इस स्कूल के अभिभावकों ने अप्रैल महीने में ही दर्जनों शिकायत चेयरमैन एफएफआरसी उपायुक्त व जिला शिक्षा अधिकारी को दे दी थी। लेकिन उन पर अभी तक कोई भी कार्रवाई न होने से इस स्कूल के हौसले बुलंद हैं। कार्रवाई के नाम पर नोटिस नोटिस भेज कर कागजी कार्रवाई की जा रही है।

अभिभावक सचिन शर्मा, दीपक खुराना, सुरेश अंटिल, जितेंद्र सिंह, मनोज कौशिक, मोहित गर्ग, विवेक यादव, अंकित सिंघल, हर्ष मिधा, विकास खंडूजा आदि ने कहा है कि स्कूल प्रबंधक सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं कर रहा है और ट्यूशन फीस में कई फंडों को मर्ज करके उसी को ट्यूशन फीस बता कर बढ़ाई गई ट्यूशन फीस मांग रहा है।

बिजली कट से बेहाल

फरीदाबाद। गर्मी बढ़ने के साथ शहर में बिजली कटौती का खेल शुरु हो गया है। शहर का तापमान शनिवार को 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही सुबह से ही शहर में बिजली कटौती शुरु हो गई। आदर्श नगर इलाके में करीब पांच घंटे बिजली कट रहा। सेक्टर-21डी में शुक्रवार को बार-बार लगने वाले बिजली कट से दिन में जहां लोग परेशान हैं, वहीं रात में सो नहीं पा रहे हैं। इस कारण कई लोगों ने अब रात में घरों के बाहर चारपाई बिछाना शुरू कर दिया है। स्थानीय निवासी कल्पना सिंह ने बताया कि से लो वोल्टेज की समस्या ज्यादा है। इससे टीवी, फ्रीज आदि फुकने का डर बना रहता है।

बलराज सैनी ने बताया कि सुबह से कई बार बिजली के संबंध में जब संबंधित अधिकारियों से बात की तो उन्होंने बताया कि पावर हाउस में डिस पंचर हो गई है।

रविवार को बाजार के साथ सैलून भी खोले जाएं : भाटिया

पानियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

व्यापार मंडल ने जिला उपायुक्त से मांग की है कि रविवार को सभी दुकानें खोली जानी चाहिए। मीडिया को जारी प्रेस नोट में व्यापार मंडल के प्रधान जगदीश भाटिया ने कहा है कि पिछले ढाई महीने से व्यापार पूरी तरह से ठप्प हैं। दुकानदारों के बिजली बिल व अन्य खर्चे उसी रफ्तार से चल रहे हैं। व्यापारी वर्ग लॉकडाउन की वजह से बदहाल स्थिति में आ गए हैं। इसलिए प्रशासन को रविवार को दुकानें खोलने का सरकारी निर्णय लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में वह मुख्यमंत्री मनोहरलाल, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री मूलचंद एवं सभी विधायकों से यह अपील करते हैं कि वह रविवार को दुकानें खुलवाने के लिए प्रशासन से कहें। इससे दुकानदारों को बड़ी राहत मिलेगी। वैसे भी प्रशासन ने राईट-लेफ्ट व ऑड-ईवन की तर्ज पर दुकानें खुलवा रखी हैं। इससे पूरा फरीदाबाद प्रतिदिन पचास प्रतिशत ही खुल रहा है। हरियाणा सरकार ने भी यही आदेश जारी किए हैं। सरकार के आदेशों में साफ है कि प्रतिदिन पचास फीसदी दुकानें ही खोली जा रही है, इसलिए रविवार को भी दुकानें खोली जानी चाहिएं। भाटिया ने कहा कि व्यापार मंडल द्वारा सरकार के आदेशों को लागू करने की मांग की जा रही है।

जनरल प्रोमोशन और फीस माफी का फैसला करें खट्टर सरकार: अत्री

अत्री ने छात्रों की दो मांगो को लेकर मुख्यमंत्री खट्टर को पत्र लिखा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनएसयूआई हरियाणा के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को पत्र लिखकर प्राइवेट एवम सरकारी स्कूल, कॉलेज के छात्रों के लिए जनरल प्रोमोशन और फीस माफी की माँग की है। लॉकडाउन के चलते स्कूल, कॉलेज के छात्रों के लिए सरकार से राहत प्रदान करने के लिए अनुरोध किया है।

एनएसयूआई हरियाणा के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने कहा कि कोविड-19 के चलते हुए मार्च से लेकर अबतक लॉकडाउन लगा हुआ है। जिसके कारण छात्रों की कक्षाएं नही लग पाई है और अगर व्हाट्सएप्प के माध्यम से लगी भी है तो महज औपचारिकता के लिए लगी है और जब क्लास ही नही लगी तो परीक्षा किस आधार पर ली जाएगी। अगर सरकार इस दौरान ऑनलाइन परीक्षा भी लेती है तो ना तो छात्र ही ऑनलाइन परीक्षा देने के लिए प्रशिक्षित है और ना ही सरकार के पास इंफ्रास्ट्रक्चर है जो छात्रों की ऑनलाइन परीक्षा करा सके। इसलिए सरकार छात्रों को राहत देते हुए, बिना परीक्षा लिए अगली क्लास में प्रमोशन देदे। यही उचित कदम समय की परिस्थितियों को देखते हुए उठाया जा सकता है।

अशोक मालिक जी ,पवन अग्रवाल जी ,जनक गोयल जी ,सुरेंदर सचदेवा जी ने वृद्ध आश्रम सेक्टर 15 ए ,पुलिस चौकी सेक्टर 15 ए ,थाना सेंट्रल सेक्टर 12 ,थाना सेंट्रल 17 ,थाना सैक्टर 16 ,14 पुलिस चौकी ,महिला थाना फरीदाबाद ,संघ कार्यालय फरीदाबाद ,वृद्धा आश्रम सेक्टर 19 ,लक्ष्मीनारायण मंदिर सेक्टर 16 आसामाई मंदिर सेक्टर 17 में फुट -हेंड सेनीटाइजर मशीन भेंट की ताकि कोरोना वायरस से बचाव हो सके।

टीचर्स ने सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला शिक्षा कार्यालय और खंड शिक्षा ऑफिस बल्लभगढ़ में स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की जिला इकाई फरीदाबाद के पदाधिकारियों ने एक जुटता का परिचय देते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नाम ज्ञापन सौंपे। इसमें इकाई के जिला सचिव वीरेंद्र सिंह, प्रचार सचिव मुकेश गर्ग, फरीदाबाद खंड प्रधान राजकुमार, बल्लमगढ़ खंड प्रधान रणवीर सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य रविंद्र कुमार संधू (डीपीई), सहायक जिला खेल अधिकारी बुद्धि राम धनकड, सहायक मौलिक शिक्षा अधिकारी (खेल) हरवीर अधाना की उपस्थिति में ज्ञापन सौंपे गए। इस बारे में जिला प्रधान भीम सिंह व राज्य कार्यकारिणी ऑडिटर राज सिंह ने कहा वर्ष 2010 में नियुक्त 1983 पीटीआई को सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए। 10 वर्ष की लंबी सेवा कर चुके अध्यापकों की भर्ती रद्द करना दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है। अध्यापक संघ यह मांग करता है की सरकार बड़ी बेंच के समक्ष अपना पक्ष रखें की भर्ती प्रक्रिया में चयनित अध्यापकों का कोई दोष नहीं है। इसमें चयन प्रक्रिया का दोष है। पूरी भर्ती को रद्द न किया जाए।

एनसीडब्ल्यू ने की क्यूआरजी सेंट्रल मामले की जांच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर के प्रमुख क्यूआरजी सेंट्रल अस्पताल के चिकित्सक पर एक महिला कर्मी ने यौन प्रताड़ना का आरोप लगाया था, जिस पर राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य रेनू भाटिया शनिवार को अस्पताल में पहुंची। मामले की छानबीन करने के बाद उन्होंने पुलिस को केस दर्ज करने के लिए कहा है।

गौरतलब है कि एक निजी अस्पताल की महिला स्वास्थ्य कर्मी ने एक डाक्टर पर यौन प्रताड़ना का आरोप लगाया था। एनसीडब्ल्यू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट का स्वयं संज्ञान लेते हुए आरोपी चिकित्सक के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग की। एनसीडब्ल्यू ने बताया कि सेक्टर 20 स्थित एक निजी अस्पताल के डॉक्टर ने 19 अप्रैल को महिला स्वास्थ्य कर्मी के साथ यौन प्रताड़ना की। एनसीडब्ल्यू के मुताबिक यह भी आरोप है कि इस डॉक्टर के बारे में अन्य महिला स्वास्थ्य कर्मियों की भी ऐसी ही शिकायतें हैं। फिर भी अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस डॉक्टर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़िता का कथन

पीड़िता ने एनसीडब्ल्यु की सदस्य रेनू भाटिया को बताया कि क्यूआरजी सेंट्रल अस्पताल के चिकित्सक ने पहले तो उसे सबके सामने काम को लेकर खरी खोटी सुनाई। कुछ देर बाद अपने कैबिन में बुलाकर उससे अभद्रता की। मेल के जरिये अस्पताल प्रबंधन को शिकायत की थी, लेकिन अस्पताल प्रबंधन डाक्टर पर कार्रवाई करने की बजाए उस पर ही कार्रवाई कर दी। आरोपी चिकित्सक के साथ अस्पताल प्रबंधन मिला हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

आग लगाकर घर में चोरी करने का आरोप

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ की सुभाष कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति के मकान में पड़ोसियों ने पिछले दिनों आग लगा दी थी। अब आरोपियों ने उसके घर से कीमती सामान चोरी कर लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना आदर्श नगर में दर्ज मामले के मुताबिक सुभाष कॉलोनी निवासी बिजेंद्र सिंह ने अपनी शिकायत में कहा है कि 22 मार्च को उसके घर में पडो़सी सुनील मलिक व उसके परिजनों ने अंदर घुसकर आग लगा दी थी। जिसमें आग से बाइक, एसी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, साइकल, चारपाई जल गए थे। उस समय पुलिस को शिकायत दी गई थी। आरोप है कि तब पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। बिजेंद्र का कहना है कि 22 मई को उसने अपनी मां व भतीजे रमेश को मकान की देख रेख व सफाई करने के लिए भेजा था। उन्होंने वहां पर जाकर देखा की मकान के सभी ताले टूटे हुए थे और घर का सभी सामान बिखरा पडा था। जिसमें सोने चांदी के जेवरात, एलईडी और अन्य सामान गायब था। आरोप है कि यह सामान उसके घर में पहले आग लगाने वालों ने ही गायब किया है।

विद्यार्थियों को दिए सर्टिफिकेट

फरीदाबाद। मोहना स्थित राजकीय महाविद्यालय में 23 मई को गुगल हेंगआउट के जरिये विद्यार्थियों के प्रोत्साहन के लिए डिजीटल सर्टिफिकेट वितरित करने के लिए ऑनलाइन प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया। इसमें मुख्यातिथि हथीन राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. राम लाल, अध्यक्ष भौतिक विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद और राजपाल थे। इसमें मोहना के राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेन्द्र कुमार गुप्ता ने मुख्यातिथि का परिचय कराया। इस समारोह में महाविद्यालय से नीलत चौधरी, डॉ. शालिनी, डॉ. सुनीता, डॉ. संजीव कुमार, रविन्द्र और अन्य नॉन टीचिंग स्टाफ के अलावा लगभग 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रिंसीपल महेन्द्र गुप्ता ने बताया कि पिछले दिनों विद्यार्थियों के एमसीसी टाईप प्रश्न प्रत्र के जरिये सभी विषयों में टेस्ट लिए गए थे। जिसमें प्रथम आए विद्यार्थियों को शनिवार को डिजीटल सर्टिफिकेट इस समारोह में दिए गए।

डयूटी के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभा रहा अधिकारी

फरीदाबाद। देश कोरोना महामारी के मुश्किल दौर से गुजर रहा है, ऐसे वक्त में समाज सेवी संस्थाएं जरूरतमंदों की मदद में जुटी हुई है। वहीं सरकारी अधिकारी भी महामारी के खिलाफ लड़ाई में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन्हीं में शामिल है सम्पदा अधिकारी विकास चौधरी। वे औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक क्षेत्र के संगठनों के पदाधिकारियों के साथ जाकर राशन, मास्क व सैनेटाईजर वितरित कर उन्हें कोरोना संक्रमण से बचने के लिए अहम भूमिका अदा कर रहे हैं। विकास चौधरी ने बताया कि वे उद्योगों से मास्क व सैनेटाईजर तैयार करवा कर अलग-अलग क्षेत्रों में अभी तक 20 हजार मास्क व 5 हजार सैनेटाईजर की बोतल बांट चुके हैं। उनका एक लाख मास्क व 20000 सैनेटाईजर की बोतलें प्रवासी व औद्योगिक इकाईयों के मजदूरों व कर्मचारियों में बांटने का लक्ष्य है।

मजदूरों की शिकायत दूर करने में जिले को मिला प्रथम स्थान

30 मार्च से 14 मई तक शिकायतों के निवारण के आधार पर किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने कहा कि क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से किए गए सर्वे के अनुसार फरीदाबाद जिला प्रवासी मजदूरों की शिकायतों का निवारण करने में देश में प्रथम स्थान पर आया है। क्यूसीआई की ओर से इसकी रिपोर्ट पीएमओ को भेजी गई है। उपायुक्त ने यह जानकारी आज जिला संकट समन्वय समिति की बैठक में कोविड-19 से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा करने के दौरान दी। उन्होंने बताया कि क्यूसीआई थर्ड पार्टी सर्वे में एक बड़ा संगठन है, जिसने देश के 20 बड़े शहरों में यह सर्वे 30 मार्च से 14 मई तक शिकायतों के निवारण के आधार पर किया गया था।

उपायुक्त ने बताया कि प्रवासी लोगों की शिकायतों का निवारण करने में जिला प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने एक टीम के रूप में कार्य किया तथा पूरे शहर के सभी क्षेत्रों में अधिक से अधिक संख्या तक पहुंच संभव की गई तथा उन्हें आवश्यक मदद पहुंचाई गई। इसमें तकनीक के इस्तेमाल के कारण भी बहुत लोगों तक मदद पहुंचाना संभव हो पाया।

उपायुक्त ने कहा कि पहले अलग-अलग कार्य के हिसाब से कई स्ट्रक्चर तैयार किए गए थे, लेकिन अब इन्हें मर्ज कर एक स्ट्रक्चर के रूप में इक्ट्ठा किया गया है, जिसके लिए जिला में पांच तरह की कमेटियां बनाई गई है। सबसे नीचे ग्राउंड लेवल पर लोकल कमेटी काम करेगी, जिसके एक सदस्य के पास केवल 10 घरों तक की जिम्मेवारी होगी। इनमें एएनएम, आशा वर्कर, बीएलओ सहित अन्य कर्मचारी व वालिंटियर सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। वह सभी सूचनाएं व एसओपी ग्राउंड स्तर पर लागू करवाने तथा इसकी रिपोर्ट चैन के रूप भेजना सुनिश्चित करेगा। इसके लिए सभी कमेटियों को उचित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि ये कमेटियां बेहतरी से कार्य कर सकें।

उन्होंने कहा कि कोरोना के संक्रमण पर रोक के लिए आईईसी (सूचना, शिक्षा, संवाद) गतिविधियां बहुत जरूरी है। इसलिए आईईसी गतिविधियों के लिए पंपलेट तैयार कर लोगों को दिए जाएं, ताकि वे जागरूक रहें। इन लोकल कमेटियों के लिए 31 मई तक एरिया चिन्हित कर दें।

उन्होंने कमेटी के सभी सदस्यों से कहा कि जिला फरीदाबाद में हॉट स्पॉट एरिया को चिन्हित किया जाए, जिसके तहत देखा जाए कि किस क्षेत्र से अधिक संख्या में पॉजीटिव मामले सामने आ रहे हैं।

पॉजीटिव मामलों के प्रथम व द्वितीय संपर्क पर्सन जो क्वारेंटाइन किया गया है, उस पर कड़ी नजर रखी जाए। सर्वे में जिस व्यक्ति में आईएलआई के सिम्टम मिले हैं, उनकी मेडिकल जांच हो। टीबी के मरीजों की स्थिति पर भी कड़ी नजर रखी जाए। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने एरिया में कोविड केयर सेंटर की पहचान करें तथा उनमें मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, बेड आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सभी क्षेत्रों में कोविड केयर सेंटर्स में पर्याप्त मात्रा में बेडिड की संख्या हो। सभी एसडीएम अपने एरिया में स्थित कंटेनमेंट जोन में सभी आवश्यक एसओपी लागू करवाना सुनिश्चित करें तथा इन एरिया की समय-समय पर मॉनीटरिंग भी करें। कंटेनमेंट जोन से लोगों का बाहर आना-जाना नहीं होना चाहिए। उन्हें सभी जरूरी सामान उनके डोर स्टैप पर ही मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बाहरी राज्यों व देशों से आने वाले व्यक्तियों के बारे में भी प्रॉपर सूचना संकलित रखी जाए। इनकी ट्रेसिंग व स्कैनिंग होनी चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त आरके सिंह, एसडीएम फरीदाबाद अमित कुमार, एसडीएम बड़खल पंकज सेतिया, एसडीएम त्रिलोकचंद, सीटीएम बलिना, सीएमओ डा. कृष्ण कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राकेश मोर, उप सिविल सर्जन डा. रामभगत, डब्ल्यूएचओ से डा. संजीव तंवर, जिला राजस्व अधिकारी सतीश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 24 मई, 2020

प्रकृति का दोहन नहीं सम्मान करना जरूरी

हम सभी को अपने जीवन में जैव विविधता आधारित उत्पादों को अपनाना होगा। वे न केवल किफायती विकल्प हैं बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर होते हैं। हमें अपने वसुधैव कुटुंबकम के आदर्श को अपनाने तथा हमारे जीवन में जैव विविधता एवं पवित्रता को वापस लाने की आवश्यकता है।

इंद्रशेखर सिंह
(लेखक भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ के निदेशक हैं)

यह याद करने के लिए अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस से अच्छा कोई दिन नहीं होगा कि हम प्रकृति का हिस्सा हैं, उससे अलग नहीं। प्राचीन काल में ऋषि मुनियों ने इस संबंध की व्याख्या वसुधैव कुटुंबकम के रूप में की है जो एक दूसरे का सहयोग एवं सातत्य प्रदान करता है, एक छोटे से कीट से लेकर विशालकाय हाथी तक। हमने अपने 10,000 वर्ष से अधिक पुरानी सभ्यता के इतिहास से काफी कुछ सीखा है, ग्रहीय चेतना से सबक लिए हैं, और अपने जीवन की अंतरनिर्भरता को जिया है तथा प्रकृति माता के बच्चों एवं सेवकों के तौर पर अपनी भूमिकाओं को जाना है। सदियों से हमारे पूर्वजों ने परिश्रम किया जिससे कि हम अपने विविधतापूर्ण, जलवायु प्रतिरोधी एवं पोषणकारी बीजों के लाभ उठा सकें। परिणामस्वरूप, आज भारत के पास पादपों एवं खाद्य वस्तुओं की विशाल विविधता विद्यमान है और देश में चावल की 20 हजार से अधिक प्रजातियां उपलब्ध हैं। हमने अपने पेट भरने तथा सेहत बनाने के लिए पवित्र अनुष्ठानों के द्वारा जौ से लेकर बाजरे तक, अपने बीजों का सम्मान किया है। हम नवरात्रि के दौरान नो देवियों की उपासना करते हैं तथा उनमें से प्रत्येक को पवित्र बीज अर्पित करते हैं। जन्म से लेकर मृत्यु तक, हमारी जैव विविधता हमारे अनुष्ठानों में संरक्षित रही है।

भारत में बहुत से समुदायों में, वधुएं अभी भी अपने पतियों के घर देशीय बीजों एवं हल्दी आदि पवित्र मसालों को उपहार के तौर पर लेकर जाती हैं। भारत में सभी समुदाय, लेकिन खासकर जनजातीय समुदायों के पास जैव विविधता की संपदा पाई जाती है जो उनके दैनिक जीवन एवं पवित्र अनुष्ठानों से जुड़ी होती है। असलियत में, गन्ने को संस्कृत में इक्षु कहा जाता है और भगवान राम के वंश का नाम इक्ष्वाकु है। क्या यह विचित्र संयोग नहीं है?

इनमें पशु भी शामिल हैं जिन्हें हम देवी देवताओं के साथा एवं प्रतीकों की संज्ञा देते थे। यहां तक कि चूहे को भी भगवान गणेश से जोड़ा जाता है। उपमहाद्वीपीय सभ्यता ने मानवकेंद्रित संकीर्ण दृष्टि से परे देखा और हर जीव को पवित्र की संज्ञा दी, और उनमें से प्रत्येक ने जीवन के बड़े पहियों में अपना योगदान दिया। मगर दुखद रूप से, इन सब चीजों को ईस्ट इंडिया कम्पनी के अधिकारियों ने अंधविश्वास से भरे अनुष्ठान मात्र माना। हथियारों के बल पर तथा सोने के लोभ से प्रेरित, उपनिवेशवादियों ने कामरेडों के एक वर्ग को जन्म दिया, जिनका ध्यान हमारी प्राचीन जीवन शैली को उलटने पर केंद्रित था। उन्होंने हमें वायरस से संक्रमित कर दिया, प्रकृति पर आक्रमण, जो न केवल भारतीय जीवन शैली बल्कि दुनिया की सभी सभ्यताओं के विपरीत था (यूरोप की पगान परम्पराओं समेत जिनका मध्ययुगीन यूरोप में महान परीक्षण के दौरान दमन कर दिया गया)।

अमेरिका की देशीय जनजातियों से लेकर चीनियों तक, सभी ने दर्शाया कि मानव जीवन प्रकृति का उप-भाग है। और साम्राज्यवाद के युग में ईडेन से महान पतन की शुरुआत के लूटमार के हताशापूर्ण नरक में परिणित होने के साथ, धरती की लूट तथा शोषण तथा सभी जीवित प्राणियों का इस्तेमाल लाभ के लिए किए जाने की प्रवृत्ति बढ़ती गई। मगर क्या प्रकृति पर आधिपत्य जमाने की प्रवृत्ति खत्म हो गई है? नहीं, प्रकृति पर आधिपत्य का अभियान नए रूप में उद्विकसित हुआ है।

ईस्ट इंडिया कम्पनी के बजाए, भारतीय कारपोरेट तथा विशालकाय कृषिक व्यवसाय कम्पनियां है जो धरती की लूट तथा बायो पायरेसी के बल पर पलती हैं। अपार जैव विविधता से परिपूर्ण भारत भूमि अपनी असली संपदा को खो रही है तथा हमारी जैव विविधता, बीजों, हमारे औषधीय पौधों एवं पशुओं की आनुवंशिक विविधता से हमारा जुड़ाव टूट रहा है। उदाहरण के लिए, गिर से लेकर ओंगल गांवों तक, हमने कृत्रिम गर्भाधान के द्वारा अपने मवेशी संपदा को तबाह कर दिया है और ट्रैक्टर की वेदी पर नंदी बैल को बलिदान कर दिया है। हमने अपने बैलों को कृषि व्यवस्था में अप्रासंगिक बना दिया है। थाली में खाद्य वस्तुओं की विविधता, सिकुड़कर मुट्ठीभर फसलों एवं फलों, अनाज एवं सब्जियों के उप प्रकारों तक सीमित रह गई है। बाजरा एवं स्थानीय वस्तुएं हमारी थाली से गायब हो गई हैं और उनका

> **हमें प्रशातक गृहों में संरक्षित सब्जियों के बजाए स्थानीय देशीय सब्जियों को वापस लाने एवं मौसमी तथा स्थानीय स्तर पर उगाई जाने वाली हरी सब्जियों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। प्रसंस्कृत खाद्यों के लिए, हम पुनः जेव विविधता आधारित उत्पाद खरीदें एवं देशीय जनजातियों को सहयोग दें। हमारे कपड़ों के लिए भी, हमें बीटी कपास का एकाधिकार समाप्त करने की आवश्यकता है।**

स्थान वाणिज्यिक फसलों ने लेलिया है, जबकि हमारे खेत एकल संस्कृति फसलों के स्रोत बन गए हैं। प्रत्येक विविध उत्पाद व फसल को उद्विकसित होने में हजारों वर्ष लग गए और फिर भी 50 वर्षों से भी कम समय में, हमने जनन की नस्लों की तबाह कर दिया।

मगर राष्ट्रीय स्तर पर, बड़े खतरे हैं। भारतीय पादप आनुवंशिकी संसाधन (पीजीआर), जो दुनिया में सर्वोच्च माने जाते हैं, का विदेशों में प्रतिरूपण हो रहा है। कभी-कभी क्रियान्वयनकर्ताओं की लापरवाही के कारण तो कभी अवैध रूप से। इसके बावजूद खाद्य एवं कृषि हेतु पादप आनुवंशिकी संसाधनों पर अंतरराष्ट्रीय संधि एवं पादपों की नई प्रजातियों के संरक्षण हेतु अंतरराष्ट्रीय संघ जैसे समझौते भारत परी कारपोरेट दोहन के समक्ष समर्पण करने के लिए दबाव डाल रहे हैं, जबकि इसमें उन समुदायों के लिए प्रतिदान एवं लाभों की मात्रा न्यूनतम है जिन्होंने इन पादपों एवं बीजों को विकसित किया है। हमारे जैव विविधता कानून को ध्वस्त करने एवं राष्ट्रीय जैव विविधता प्रधिकरिण को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। चीनी कम्पनियों समेत, अंतरराष्ट्रीय बीज कम्पनियां भारत में 100 प्रतिशत सब्सिडियों को नियंत्रित कर रही हैं, सामरिक पीजीआर तक पहुंच बनाए हुए हैं एवं हमारी प्रजातियों की मूल रेखाओं का अपने देशों में निर्यात कर रही हैं। इस बीच भारतीय कम्पनियां चीन, थाइलैंड आदि में अपनी फर्में भी नहीं स्थापित कर सकती हैं, विविधताओं के मूल प्रतिरूपों को निर्यात तो दूर की बात है।

हमें और अधिक राष्ट्रवादी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति बनाने की आवश्यकता है खासकर हमारे पीजीआर के मामले में क्योंकि यह हमी जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निबटने के लिए तैयार करेगी। विविधता संरक्षण हेतु अगला नीतिगत कदम है नई प्रजातियों को पैदा करने एवं सहउदविकसित करने संबंधी किसानों के अधिकारों का मजबूत संरक्षण किया जाना। कहा जाता है कि हमारे समाधान प्रकृति में निहित हैं, अत: हमें नवीन चुनौतियों का सामना करने के लिए जंगली प्रजातियों एवं भूमि प्रजातियों का भी लाभ उठाना होगा। मगर यह काम खर्चीले एवं मुनाफाखोरी को बढ़ावा देने वाले पेटेंट किए हुए तकनीकी विकल्पों के बजाए स्थानीय समुदायों को सहभागी बनाकर टिकाऊ एवं समावेशी ढंग से करना चाहिए।

भारत में हरित क्रांति के जनक, एमएस स्वामीनाथन, ने कई बार इस बात पर जोर दिया है कि कैसे देश की जैव विविधता में हमारी सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करने की क्षमता है, हमें जीन संशोधन एवं जीनोम एडिटिंग की आवश्यकता नहीं है। हमें समाधान के लिए प्रकृति तथा उसमें निहित संसाधनों की प्रचुरता की ओर देखना होगा। हम सभी को अपने जीवन में जैव विविधता आधारित उत्पादों को अपनाना होगा। वे न केवल किफायती विकल्प हैं बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर होते हैं। हमारी थाली से शुरुआत करके, हम एक बाजारा भोजन अथवा बासमती के अलावा चावल-गेहूं की सारी स्थानीय किस्मों को शामिल कर सकते हैं, और भरोसा कीजिए, ढेर सारे चिकित्सीय, सुगंधयुक्त एवं स्वादिष्ट उत्पाद प्रत्येक शहर तथा गांव में उपलब्ध हैं। इससे हमारे उदर की जैव विविधता बढ़गी व सेहत सुधरेगी।

हमें प्रशातक गृहों में संरक्षित सब्जियों के बजाए स्थानीय देशीय सब्जियों को वापस लाने एवं मौसमी तथा स्थानीय स्तर पर उगाई जाने वाली हरी सब्जियों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। प्रसंस्कृत खाद्यों के लिए, हम पुन: जेव विविधता आधारित उत्पाद खरीदें एवं देशीय जनजातियों को सहयोग दें। हमारे कपड़ों के लिए भी, हमें बीटी कपास का एकाधिकार समाप्त करने की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि अन्य जागरूक नागरिकों की तरह, भारतीय सस्ते वैकल्पिक परिधान चुने और हथकरघा एवं टिकाऊ परिधानों का समर्थन करें।

अन्य चुनौतियों से निबटने के मामले में, हमें जैव मिमिकरी जैसी प्रक्रियाएं विकसित करनी होंगी एवं ऐसी तकनीकें लानी होंगी जो धरती के अनुरूप काम करे, उसके विपरीत नहीं। चक्रीय एवं गैर प्रदूषणकारी मितव्ययी नीतियां समय की मांग है। अंत में, वो हर चीज जो हम खाते, छूते या महसूस करते हैं वे सभी रूपांतरित प्रकृति हैं। अत: हमें प्रकृति से भ्रामक अलगाव को नकार देने चाहिए। समस्या और समाधान दोनों ही प्रकृति का हिस्सा हैं। जिसे हम समस्या समझते हैं वो इसलिए क्योंकि वे मानवीय उत्तरजीविता को जोखिम में डालती है लेकिन प्रकृति को ज्यादा परेशान नहीं करती।

असली समाधान जागरूकता में निहित है। हमें अपने वसुधैव कुटुंबकम के आदर्श को अपनाने की तथा हमारे जीवन में जैव विविधता एवं पवित्रता को वापस लाने की आवश्यकता है। हमें मुनाफे की चाहत में प्रकृति से लड़ने की प्रवृत्ति छोड़ने की आवश्यकता है और उस प्रचुरता को अपनाने की आवश्यकता है जो वो हमें मुहैया कराती है। हमें अपने व्यवहार तथा भाषा को बदल देना चाहिए जो प्रकृति को मृत एवं निर्जीव मानती है। हमें प्रकृति को देवी मानकर उसका सम्मान करना चाहिए।

संकट में मजदूरों का असाधारण पलायन

अपने घरों की ओर मजदूरों के असाधारण पलायन ने सरकार को आश्चर्यचकित कर दिया है। ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि सभ्य समाज के रूप में हम प्रवासी मजदूरों के बारे में सुसंगत नीति बनाएं।

प्रियदर्शी दत्ता
लेखक स्वतंत्र शोधकर्ता हैं

किसी चीज के बारे में अज्ञान असीम हो सकता है। अपने घरों की ओर ब्लू कालर प्रवासी श्रमिकों का भारी पलायन इस तबके के बारे में हमारा अज्ञान स्पष्ट करता है। आखिर न्यूनतम समय की नोटिस पर राष्ट्रव्यापी लाकडाउन की घोषणा करने वाली केन्द्र सरकार इस संभावना का पूर्वानुमान क्यों नहीं लगा सकी जिसने 25 मार्च को हमारे घरों के बाहर लक्ष्मण रेखा खींच दी थी? किसी प्राकृतिक विभीषिका की तरह प्रवासी मजदूरों का सुनियोजित निष्कासन सहायक हो सकता था। इससे उन मौतों से बचा जा सकता था जिनका सामना प्रवासी मजदूरों को लगभग रोज राजमार्गों व रेल लाइनों पर करना पड़ा है। लेकिन हम केवल आपदा आने पर ही सतर्क होते हैं। शुरुआत में कोविड-19 मामलों में वृद्धि को कुछ मुख्यमंत्रियों या एक राजनीतिक पार्टी का षडयंत्र बताने के बाद आखिरकार केन्द्र विभीषिका की भयावहता अनदेखा नहीं कर सका। खुशी की बात है कि रेल मंत्रालय का कामकाज फिर पटरी पर आ गया। प्रवासी श्रमिकों को अपने घरों को वापस ले जाने के लिए विशेष श्रमिक ट्रेनें शुरू की गईं। इसके साथ ही केन्द्र सरकार ने कोविड-10 वैश्विक महामारी से निपटने तथा राहत सामग्री देने के मामले में प्रशंसनीय काम किया। लेकिन शायद प्रवासी श्रमिकों के बारे में उसने समुचित सावधानी नहीं बरती।

एक हालिया लेख में मार्क टुली ने इसे वर्ग विभाजन का संकट बताया है। चूंकि हमारे नेताओं में कोई भी प्रवासी श्रमिकों के वर्ग का नहीं है, इसलिए रायसीना पहाड़ी के नीति-निर्माता इनकी बदहाली नहीं समझ सके। इस बारे में एक अन्य आयाम का उल्लेख किया जा सकता है जिसे 'राजनीतिक दायित्व से मुंह मोड़ना' कहा जा सकता है। कृषि क्षेत्र की समस्याओं व किसानों की आत्महत्याओं पर संसद में कई बार चर्चा हुई है। कुछ सदस्यों ने कृषि मुद्दे पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाने तथा अलग कृषि बजट पेश करने की मांग भी की थी। यह अलग बात है कि इन सुझावों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इस लेखक का विश्वास है कि शहरी भारत के इन प्रवासी श्रमिकों की समस्या अधिक गंभीर है जिनमें से अधिकांश असंगठित क्षेत्र का हिस्सा हैं। कृषि संकट के कारण होने वाली आत्महत्यायें देश में कुल आत्महत्याओं का सात से बारह प्रतिशत हैं। गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के वार्षिक प्रकाशन में साल दर साल इनको भारत में होने वाली दुर्घटना मौतों व आत्महत्याओं में डाला जाता रहा है। आंकड़ों को प्रतिशत के रूप में देखने से स्पष्ट होगा कि भारत की आधी जनसंख्या कृषि व वानिकी जैसे प्राथमिक क्षेत्रों पर निर्भर है। ऐसे में भारत की आधी आत्महत्यायें इस क्षेत्र से हो सकती हैं। लेकिन सौभाग्य से ऐसा नहीं है। यदि आत्महत्याओं के मामले में कृषि को ग्रीन जोन माना जाता है तो रेड जोन कौन सा है?

एक उदाहरण पर गौर करें। 2018 में आत्महत्या करने वालों में 22.4 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर, 9.8 प्रतिशत स्वरोजगार प्राप्त, 9.6 प्रतिशत बेरोजगार तथा 16.2 प्रतिशत अन्य शामिल थे। इसकी तुलना में कृषि क्षेत्र में 7.7 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की थी। 2018 में देश में आत्महत्या करने वालों वेतनभोगी व पेशेवर वर्ग का प्रतिशत 8.9 था जो कृषि क्षेत्र की तुलना में अधिक है। इन आंकड़ों में प्रवासी श्रमिकों की स्थिति छिपी हो सकती है, लेकिन थोड़ा ध्यान देते ही उनकी पीड़ा स्पष्ट हो जाती है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाला कम से कम अपने घर या मूल स्थान में रहता है। लेकिन प्रवासी श्रमिक पेशेवर अनिश्चितताओं व मानसिक असुरक्षा का शिकार होते हैं। इससे वे गहराई तक प्रभावित होते हैं।

लेकिन शहरी असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लोगों की पीड़ा

> **प्रवासी श्रमिक के साथ किसान जैसी गरिमा नहीं जुड़ी होती है। भारत की जीडीपी में कृषि का हिस्सा घटने के साथ ही इस क्षेत्र से जुड़े ज्यादा से ज्यादा लोग दिहाड़ी श्रमिक बन गए हैं। अब कोविड विभीषिका के कारण विनिर्माण व सेवा क्षेत्र पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। अनुमान है कि बेरोजगार प्रवासी श्रमिक जनसंख्या फिलहाल कृषि पर निर्भर हो जाएगी।**

पर कभी राजनेता वर्ग का ध्यान क्यों नहीं जाता है जिनमें से अनेक प्रवासी श्रमिक हैं? संभवत: इसका कारण यह है कि उनके वोटों पर किसी का विश्वास नहीं होता है। सेवानिवृत्त आईएएस व पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओ.पी.रावत ने इस वर्ष नई दिल्ली के जिज्ञासा फोरम में एक भाषण दिया था। उनका कहना था कि लगभग 5 करोड़ प्रवासी श्रमिकों ने कभी वोट नहीं दिए। शायद भारतीय चुनाव आयोग ने बाद में यह खाई पाटी हो। भारत की 137 करोड़ जनसंख्या में 18 वर्ष से अधिक आयु वाले 91 करोड़ मतदाता 2019 में पंजीकृत थे। जहां किसान 'स्थापित' मतदाता होते हैं, वहीं अक्सर प्रवासी श्रमिक ऐसे नहीं होते हैं। भले ही उनमें से कुछ अपने मूल स्थानों पर मतदाता बने रहते हों, पर अधिकांश आमतौर से अपने निवास का पता बदलते रहते हैं। इसके कारण अक्सर गृह राज्यों व उनके काम करने वाले राज्यों की राजनीतिक पार्टियां प्रवासी श्रमिकों पर ध्यान नहीं देती हैं। विधायिका में उनकी बदहाली की चर्चा और भी नहीं होती है। लाकडाउन के बाद ही हमें एक चालीस साल पुराने प्रगतिशील विधायन की याद आई है जिसे तत्कालीन जनता पार्टी सरकार ने लागू किया था। लेकिन इस इंटर-स्टेट माइग्रेंट वर्कमैन रेगुलेशन आफ इम्प्लायमेंट एंड कंडीशन्स आफ सर्विसेज़ एक्ट, 1979 पर अमल होने के बजाय इसका उल्लंघन ही अधिक हुआ है।

बड़ी संख्या में श्रमिक अपने कार्यस्थलों से पलायन कर रहे हैं। रोजगार छिन जाने के कारण उनके समक्ष भीषण संकट की स्थिति पैदा हो गई है। अपने-अपने गृहस्थलों की ओर वापस लोटने के बाद उन्हें नए सिरे से आमदनी के जरिए तलाशने होंगे। शहरी क्षेत्रों में उद्योगों में काम करने वाले कर्मचरियों का अभाव पैदा हो गया है। इसके साथ-साथ अब प्रदेश सरकारों को वापस लौटेक मजदूरों लिए रोजगारां की व्यवसथा करने पर ध्यान देना होगा। गांवों में रोजगार न मिलने पर उनके पास अन्य कोई विकल्प बाकी भी नहीं रह जाएगा। ऐसे में ग्रामीण रोजगार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

प्रवासी श्रमिक के साथ किसान जैसी गरिमा नहीं जुड़ी होती है। भारत की जीडीपी में कृषि का हिस्सा घटने के साथ ही इस क्षेत्र से जुड़े ज्यादा से ज्यादा लोग दिहाड़ी श्रमिक बन गए हैं। अब कोविड विभीषिका के कारण विनिर्माण व सेवा क्षेत्र पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। अनुमान है कि बेरोजगार प्रवासी श्रमिक जनसंख्या फिलहाल कृषि पर निर्भर हो जाएगी। लगभग ऐसी ही स्थिति ब्रिटिश शासनकाल में उद्योगों के विनाश से पैदा हुई थी जिसके कारण लोगों की कृषि पर निर्भरता बढ़ी और वहां भीड़ लग गई। लेकिन इस भीड़ का कभी कोई लाभ नहीं उठाया गया। औद्योगीकरण की लगभग एक शताब्दी के बाद अब रोजगार देने के दृष्टिकोण से भारतीय कृषि पर निर्भरता घटी है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि जीडीपी में कृषि का हिस्सा बहुत कम हुआ है।

विडंबना है कि राज्यों के पास उनके प्रवासी श्रमिकों के बारे में उपयुक्त आंकड़े नहीं हैं। चूंकि कहीं भी जाने और देश के किसी भाग में बस जाने का नागरिकों को मूलाधिकार प्राप्त है, इसिलए राज्य 1979 के कानून के बावजूद हस्तक्षेप करने का इच्छुक नहीं है। हाल ही में लोकसभा में पूछे एक सवाल के जवाब में बताया गया था कि 2016 के आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 10 करोड़ प्रवासी श्रमिक हैं। वर्ष 2018-19 में भारत के कुल 5,065 करोड़ रुपये के मनीआर्डरों में से कर्नाटक से 3,259 करोड़ के मनीआर्डर भेजे गए थे। इसी प्रकार केरल से 900 करोड़, तमिलनाडु से 198 करोड़ व महाराष्ट्र से 185 करोड़ के मनीआर्डर भेजे गए थे। इसका अर्थ वहां प्रवासी श्रमिकों की भारी उपस्थिति है। टेलीवीजन पर एक हालिया डिजिटल वालेट-फोन पे विज्ञापन में भी एक प्रवासी श्रमिक को दिखाया गया है। यह संकेत है कि डिजिटल वालेट अर्थव्यवस्था अब प्रवासी श्रमिकों की 'मनीआर्डर अर्थव्यवस्था' का स्थान ले रही है।

अर्थव्यवस्थायें अक्सर कठोर चुनौतियों का सामना होने पर व्यापक दृढ़ता प्रदर्शित करती हैं। वे अक्सर विशेषज्ञों के अनुमानों की तुलना में जल्दी सुधर जाती हैं। कोविड वैश्विक महामारी से निपटने के बाद अर्थव्यवस्था में प्रवासी श्रमिकों की भारी मांग होगी। ऐसे में यह देखना होगा कि वे काम की पुरानी जगहों पर वापस लौटते हैं अथवा स्थानीय विकल्पों की तलाश करते हैं।

बहती गंगा में...

पिछले दिनों बसों को लेकर दो राष्ट्रीय दलों में जो लेटर वार छिड़ी उससे काफी समय तक उन नेताओं को बहती गंगा में हाथ धोने का मौका मिल गया जो सरकार पर हमलावर नहीं हो पा रहे थे। साथ ही सत्तारूढ़ दल के ऐसे मंत्रियों को भी मौका मिला जो बयानबाजी के लिए काफी तड़प रहे थे। जब ऐसा मौका हो और पक्ष-विपक्ष में शब्दबाण चल रहे हो तो भला कौन मौका छोड़ेगा। यूपी और राजस्थान की सरकारों के बीच जब लेटर वार शुरू हुआ तो सरकार के एक मंत्री ने बतौर प्रवक्ता के नाते सरकार की तरफ से अपना पक्ष रखा। फिर क्या, उसके कुछ ही घंटे बाद एक डिप्टी सीएम भी पीछे नहीं रहे और उन्होंने बकायदा मीडिया से इस मामले में बात की। यहीं नहीं एक कद्दावर मंत्री जो कि प्रतापगढ़ से आते हैं उन्होंने भी इसी मामले में अपना पक्ष रखा। देखते ही देखते कई मंत्रियों ने अपने करीबी कलमकार को फोन घनघनाया कि भाई मेरा भी दो लाइन कहीं एडजेस्ट कर लीजिएगा। भाई मामला बहती गंगा का जो ठहरा। हर कोई हाथ धोने को आतुर जो था।

कैसे बनूं नेताजी

बॉस काफी परेशान हैं। अपनी परेशानी का कारण किसी को बता भी नहीं पा रहे हैं। भीतर खाने बड़ी पड़ताल के बाद पता चला कि उनकी सबसे बड़ी परेशानी है कि वह नेता कब बनेंगे। पिता से सब कुछ तो ले लिया लेकिन नेताजी की पदवी नहीं ले पा रहे हैं। यह पदवी अभी भी पिताजी के पास ही है। जिसको देखो वही पिता जी को ही नेताजी कहता है जबकि पार्टी प्रमुख खुद वह हैं। बीस साल की राजनीति होने को है। अभी भी कोई नेता कहने को तैयार नहीं है। जब भी कार्यालय में लाल टोपी पहन के बैठते हैं तो कोई भैया जी तो कोई बॉस कह कर बुलाता है। पहले तो चलो कोई बात नहीं थी। तब पिताजी की बादशाहत थी तो लोग भैया जी कहकर बुलाते थे। जब पिता को हटाकर खुद बादशाह बने तो लोगों ने बॉस कहना शुरू कर दिया। अब तो सत्ता भी नहीं है और खाली बैठे हैं। आलम यह है जब से कोरोना आया है तब से कार्यालय में कोई इनको पूछने भी नहीं आता। कार्यालय में अकेले घंटो-घंटों बैठ के इसी उधेड़बुन में लगे रहते हैं कि अब कैसे नेता जी बना जाए।

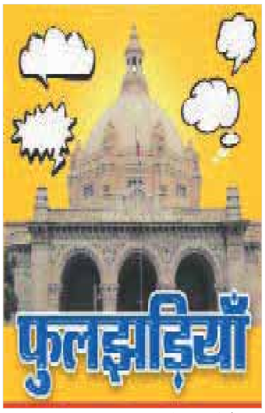

तलाश हुयी पूरी

अपने संस्थान में खाली पड़ी सेटिंग की कुर्सी को लेकर तलाश पूरी हो गई है। मुखिया ने इस बार इस कुर्सी पर ढूंढ कर बैठाया है। ऐसे में उन लोगो के मंसूबों पर पानी फिर गया है जो कल तक इस कुर्सी के लिए परिक्रमा करते थे। कुर्सी की दौड़ पूरी होने के बाद अब इन लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। अब इन लोगों का कहना है कि इतनी संवेदनशील कुर्सी पर बगैर किसी अनुभव वाले को बैठाना उचित नहीं है। खासकर तब जब महामारी के दौर में संस्थान के सामने परीक्षाएं संपन्न कराना सबसे बड़ी चुनौती है। लोग अपने अपने हिसाब से इसकी व्याख्या करने में जुटे हैं। लेकिन तारीफ मुखिया की भी करनी पड़ेगी कि उन्होंने ऐसे आदमी को जिम्मेदारी दी है जिसका कल तक दौड़ में दूर-दूर तक कोई भी वास्ता नहीं था। बल्कि यह कहें कि पूर्व में कोई प्रशासनिक अनुभव भी नहीं है। ऐसे में करोड़ों रुपए के हेरफेर करने वाले इस विभाग की कुर्सी देने के पीछे क्या मकसद है यह तो सिर्फ मुखिया ही बता सकते सकते हैं। फ्लिहाल नई नियुक्ति के बाद सेटिंग वाली कुर्सी चर्चा में जरूर है।

लालच बुरी बला

लालच बुरी बला है। इस कहावत के मायने अब खाकी से संबंधित बिना तार वाले संचार महकमे के एक डीआईजी साहब को बखूबी समझ में आ रहा है। दरअसल डीआईजी साहब को अपनी पुरानी लग्जरी गाड़ी बेचने की सूझी। उन्होंने ग्राहक लगवाने शुरू कर दिए। हालांकि घरवालों ने उन्हें सलाह दी कि इसे ओलेक्स आदि पर डाल कर बेच दीजिए मगर साहब तो उसकी ज्यादा से ज्यादा कीमत हासिल करने के लिए लालायित थे। एक रिश्तेदार के माध्यम से सौदा भी हो गया। खाकी महकमे के ही एक रिटायर्ड जवान ने ऊंचे दामों पर उनकी गाड़ी खरीद ली। पेशगी के तौर पर कुछ रुपया थमाया और शेष रकम बाद में देने की बात कही। डीआईजी साहब ने गाड़ी उसके हवाले कर दी। तय समय सीमा निकल जाने के बाद भी वह पैसा देने नहीं आया। फोन पर भी बात करने मेंउनसे आनाकानी करने लगा। मजबूरन उन्हें एफआईआर दर्ज करानी पड़ी और फिर पुलिस के जरिए उन्हें अपनी गाड़ी हासिल हुयी। मामला यहीं पर शांत नहीं हुआ। अब रिटायर्ड जवान ने डीआईजी साहब और उनके परिवार वालों के खिलाफ मुकदमा लिखाने के लिए तहरीर दे दी है। अब साहब सफाई देते घूम रहे हैं और इस बात का पूरा प्रयास कर रहे हैं कि उसका मुकदमा न लिखा जाए।

नक्शे कदम पर

योगी सरकार के एक बडे अफसर ने कुर्बानी की नयी मिसाल पेश की है। इस अधिकारी के परिवार में बुजुर्ग सदस्य का पिछले दिनों निधन हो गया। रिश्ता बहुत नाजुक था सो विपत्ति की घड़ी में उनके अंतिम समय में पहुंचना भी बहुत जरूरी था लेकिन इस अधिकारी ने अपने फर्ज को सबसे ऊपर रखा। कोरोना संकट में सरकार के कामकाज निपटने में रात-दिन जुटे इस अधिकारी ने पारिवारिक संकट में शामिल न होकर ठीक उसी तरह की नजीर पेश की जिस तरह सीएम योगी ने अपने पिता के अंतिम संस्कार में शमिल न होकर पेश की थी। सीएम ने राज्य की जनता की प्रति अपने दायित्वों को अहमियत देकर नयी मिसाल कायम की थी ।सत्ता की बागडोर संभालने के बाद से यह अधिकारी लगातार योगी सरकार में अहम भूमिका में हैं। यह अधिकारी जितना समय अपने घर-परिवार को देते हैं उससे कहीं अधिक समय सीएम योगी और उनकी सरकार के कामकाज को निपटाने में लगाते हैं। अपनी बेटी के विवाह में भी यह अधिकारी सीएम योगी और उनकी सरकार के कार्यों की जिम्मदारियों को निभाने से नहीं चूके और शादी के एक दिन पहले तक सीएम के साथ सरकारी कामकाज निपटाया। इस अधिकारी के काम करने की क्षमता और दावित्यों के प्रति निष्ठा के चलते सीएम योगी उन्हें बहुत पसंद करते हैं। वैसे तो सीएम जैसा बडा पद और आईएएस अधिकारी के बीच के रिश्ते क्या होते हैं यह तो हर कोई जनता है लेकिन सीएम योगी इन्हें अधिकारी से ज्यादा इन्हें अपना पारिवारिक शुभचिन्तक मानते हैं। अक्सर दोनों के रिश्तों की चर्चा सरकार के मंत्रियों और नौकरशाही के बीच हुआ करती है।

कठिन अग्निपरीक्षा के बीच योगी का नया रिकार्ड

● पूरे साठ दिनों तक लगातार राजधानी लखनऊ में रुक कर लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाने में रात-दिन जुटे रहे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की विश्व व्यापी जंग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम नरेन्द्र मोदी जैसा राजधर्म निभाने का अनूठा रिकार्ड दर्ज हुआ है। बेहद कठिन अग्निपरीक्षा के बीच बना यह रिकार्ड है पूरे साठ दिनों तक लगातार राजधानी लखनऊ में रुक कर सूबे की 23 करोड़ की आबादी को कोरोना संक्रमण से बचाने में रात-दिन जुटे रहने का है। पिता के निधन की दुखद घटना का वज्रपात भी सीएम योगी को जनसेवा और दायित्व निभाने के जुनून को हिला नहीं सका। विदित हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कोराना संकट के चलते लगातार 83 दिनों दिल्ली में रहे और कोरोना की जंग में कैफ्टन के रूप में अहम भूमिका निभाने के साथ-साथ दूसरे देशों को कोरोना की जंग में मदद करने में जुटे रहे। बीते 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार लखनऊ में रहे। शुक्रवार को कल पहली बार उन्होने लखनऊ छोडा और गोरखपुर गये। पूरे दो महीने तक सीएम योगी अपनी सरकार के अफ्सरों के साथ पांच कालीदास मार्ग स्थित सरकारी आवास और लोकभवन स्थित दफ्तर में कोरोना से निपटने की जंग की रणीति बनाने में रात.दिन जुटे रहे। इस दौरान उन्होने अनगिनत बैठके की और पीएम नरेन्द्र मोदी के साथ दो बार वीडियो कांफ्रेसिंग की। इसके अलावा मंत्रिपरिषद तथा जिलों के साथ अनेक बैठकें कीं। सीएम योगी के पिता के निधन की सूचना जब आयी तो वह उस समय की बैठक कर रहे थे। कुछ क्षण के लिये आंखे नम होने के बाद वह अपने दावित्वों का निर्वहन करते रहे। दो महीने बाद लखनऊ छोडने के बाद भी वह गोरखपुर मे भी अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहे। उन्होने सीएम योगी अचानक गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सोशल डिस्टेसिंग के मानकों का पूरी तरह अनुपालन किया। सीएम योगी के आने पर अक्सर जो बाहर के जो लोग उनके इर्द-गिर्द होते थे। वह भी नहीं आए। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार की सुबह शक्ति मंदिर में श्रद्धा एवं विधि विधान के साथ रुद्राभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने देवाधिदेव भगवान शिव से कोरोना वायरस के संक्रमण से जूझ रहे संपूर्ण विश्व के कल्याण, उद्धार, समृद्धि एवं शांति के लिए प्रार्थना की। तड़के स्नानध्यान के बाद वह मठ से निकले। गुरु गोरखनाथ एवं अखण्ड ज्योति का पूजन कर दर्शन किया। उसके बाद ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की समाधि पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान करीब 30 मिनट का समय उन्होंने गौशाला में बिताया। गायों और उनके बच्चों को दुलारा। उनको गुड़ और चारा खिलाया। कर्मचरियों को गौशाला की बेहतर साफ-सफाई का निर्देश दिया।

गोरक्षपीठाधीश्वर का दायित्व संभालने के बाद पहली बार ऐसा हुआ कि वह लगातार दो महीने अपनी पीठ (गोरक्षनाथ), मठ और अपनों से दूर रहे। इसके पहले अपने पूज्य गुरु ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ के इलाज और बतौर सांसद एक.दो विदेश प्रवास के दौरान ही ऐसा हुआ लेकिन यह अंतराल तीन से चार हफ्तों का ही रहा होगा। संसद के सत्रों में सीएम योगी रूटीन में हर रविवार को अधिकांश ट्रेन के जरिए दिल्ली जाते थे और सप्ताह में गोरखपुर लौट आते थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी नियमित अंतराल पर उनका गोरखपुर आना-जाना होता रहा है।

लखनऊ के नरही में कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद मोहल्ले को सील करने के बाद क्षेत्र में सेनेटाइजेशन किया गया

लोक निर्माण विभाग में 20 हजार से अधिक श्रमिक काम कर रहे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि श्रमिक संयम रखें, उन्हें हर हाल में रोजगार व काम उपलब्ध कराया जाएगा और उनकी जीविका के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि केवल श्रमिक ही नहीं एजितने भी अलग-अलग कामों के जानने वाले विशेषज्ञ लोग हैं उन्हें भी उनकी विशेषज्ञता के अनुसार जाब दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और उत्तर प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश कराने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यो में रफ्तार आने से बड़ी संख्या में श्रमिकों को रोजगार मिले हैं और मनरेगा के अंतर्गत भी बहुत बड़ी तादात में काम किए जा रहे हैं तथा अधिक से अधिक मानव दिवस के सृजन का कार्य प्रगति पर है। केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि केवल लोक निर्माण विभाग में ही 20 हजार से अधिक श्रमिक विभिन्न निर्माण कार्यो में लगे हुए है और श्रमिको की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा लोक निर्माण विभागए सेतु निगम व राजकीय निर्माण निगम को मिलाकर कुल 2073 कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं, जिन पर 29502 श्रमिक कार्य कर रहे हैं और कार्यों में निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग में 1650 कार्यों पर 20768 श्रमिक कार्य कर रहे हैं। सेतु निगम की 114 परियोजनाओ पर 2254 श्रमिक कार्य कर रहे हैं और राजकीय निर्माण निगम की 309 परियोजनाओं पर 6480 श्रमिक कार्य कर रहे हैं।

भाजपा सरकार का रवैया श्रमिकों के प्रति अमानवीयः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि संकट काल में भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली की कीमत लोगों को अपने जान.माल के नुकसान से चुकानी पड़ रही है। सत्ता में बैठे भाजपाई अपनी संकीर्ण सोच के साथ बेबस मजदूरों के मामले में भी चुनावी स्वार्थ साधने में लगे है। जनता की निगाहों में भाजपाई राहत और सेवा का सच सामने आने से बौखलाए मुख्यमंत्री जी विपक्ष की आलोचना का झूठा सहारा ले रहे हैं। लेकिन प्रदेश के नागरिक देख रहे है कि समाजवादी पार्टी ही निरन्तरए बिना किसी भेदभाव के राहत कार्यों में लगी है। वह पीड़ितों की आर्थिक मदद भी कर रही है जबकि भाजपा सरकार का रवैया पूर्णतया श्रमिकों के प्रति असंवेदनशील और अमानवीय है।

अखिलेश ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र जनपद वाराणसी में मजदूर मजबूरी में भटक रहे हैं। उनकी दयनीय हालत पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि जो श्रमिक आ रहे हैं उनकी जिन्दगी भी हर क्षण खतरे में रहती है। भाजपा और संघी संगठन प्रारम्भिक बड़े.बड़े दावों और प्रचार के बाद अब गरीबों की भूख प्यास भूलने लगे हैं। अखिलेश कहा कि प्रदेश में कोरोना संकट से निबटने में भाजपा सरकार की असफलता इसी से जाहिर है कि संक्रमण के मामलें थम नहीं रहे है। सरकार के अव्यवहारिक निर्णयों से इसमें और वृद्धि की आशंका है। मुख्यमंत्री जी जब न कानून व्यवस्था सम्हाल पा रहे है न अपने अधिकारियों पर अंकुश लगा पा रहे है और नहीं जनता से किए गए वादे निभा पा रहे हैं तो अपनी नाकामियों को स्वीकार करते हुए इस्तीफा क्यों नहीं दे देते हैं।

सहायक अध्यापकों की नियुक्ति में आरक्षण नियमावली का पालन किया जाएः सपा

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापकों की नियुक्ति मामले में आरक्षण नियमावली का पालन किए जाने की मांग समाजवादी पार्टी ने की है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 69000 सहायक अध्यापकों की नियुक्ति हेतु प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार सामान्य वर्ग के लिए 65 प्रतिशत तथा पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 60 प्रतिशत प्राप्तांक के आधार पर शिक्षा विभाग द्वारा लगभग एक लाख पैतालिस हजार कुल अभ्यर्थी उत्तीर्ण घोषित हुए है जिनकी कौंसिलिंग शैक्षिक योग्यता के आधार पर करते हुए 69000 पदों पर अंतिम रूप से मेरिट के आधार पर आरक्षण नियमों का पालन करते हुए चयन होना है। आरक्षण नीति के अनुसार उच्च मेरिट वाले अभ्यर्थियों की गणना सामान्य श्रेणी में की जाती है भले वह पिछड़े वर्ग अथवा अनुसूचित वर्ग के होए अर्थात उच्च मेरिट प्राप्त पिछड़े वर्ग व अनुसूचित वर्ग के अभ्यर्थी को सामान्य श्रेणी में स्थान प्राप्त होता है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की मांग है कि आरक्षण नियमावली का पालन निश्चित रूप से चयन प्रक्रिया में किया जाये।

आरडीएसओ ने बनाया हाई पावर रेल मिल्क टैंक

लखनऊ। आरडीएसओ द्वारा उच्च वहन क्षमता रेल मिल्क टैंक वैन विकसित किया गया है। यह मेसर्स राइट्स के साथ मिलकर किया है। जिसकी क्षमता 44,660 लीटर है। जल्द ही इसे 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। आरडीएसओ के महानिदेशक वीरेंद्र कुमार ने बताया कि इस मेल-एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों के साथ जोड़ा जा सकता है। यह उत्पादकों आपूर्तिकर्ताओं से उपभोक्ताओं को दूध के तेज आर्थिक परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा। इस दूध के टैंक में विशेष स्टेनलेस स्टील डबल बैरल शेल का प्रयोग किया गया है। यह दूध के सुरक्षित और आर्थिक परिवहन में मदद करेगा। दुग्ध सहकारी क्षेत्र और उपभोक्ताओं को इस दूध की टंकी से बहुत लाभ होगा। गुजरात से दूध आसानी से मेट्रो शहरों और अन्य क्षेत्रों में ले जाया जाएगा। इस टैंक में दूध का तापमान 72 घंटों में 1.7 डिग्री सेल्सियस से अधिक नही बढ़ता है अधिक पेलोड के कारणए यातायात खर्च में कमी आएगी स यह पर्यावरण के भी अनुकूल है। कम इंधन की खपत करता है। रेल मिल्क टैंक वैन 110 किमी प्रति घंटे की गति से चलने के लिए डिजाईन की गई है जो सड़क की तुलना में ज्यादा है । डिजाईन पूरी तरह से स्वदेशी प्रयास से बनाया गया है।

ट्रेन यात्रियों को रिफंड के लिए करना पड़ेगा और इंतजार

लखनऊ। चारबाग आरक्षण केंद्र भले खुल गया हो। लेकिन यात्रियों को अभी रिफंड के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। शनिवार को लोग टिकट रिजर्वेशन के लिए पहुंचे। हालांकि उनकी संख्या बहुत अधिक नहीं रही। दरअसल 1 जून से रेलवे देशभर में 200 ट्रेनों का संचालन शुरू करने जा रहा है। इसमें लखनऊ से दिल्ली के लिए गोमती एक्सप्रेसए लखनऊ मेलए लखनऊ से मुंबई के लिए कुशीनगरए पुष्पक एक्सप्रेसए अवध एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा। इन ट्रेनों की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर भी हो रही है। साथ ही रेलवे ने आरक्षण केंद्रों को भी खोल दिया है। जहां यात्री टिकट कंफर्म करवा रहे हैं। शनिवार को चारबाग का आरक्षण केंद्र पर 50 से अधिक टिकट बनाए गए। वहीं दूसरी तरफ टिकट रिफंड के लिए चारबाग आरक्षण केंद्र पहुंचे थे। उन्हें इसके बाद आने के लिए कहा गया है। बता दें रेलवे के पास फिलहाल की कमी है। जिसकी वजह से यात्रियों का रिफंड नहीं हो पा रहा है। ऐसे में यात्रियों को अगले 3 से 4 दिन के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा के लिए कांग्रेस असली कसूरवारः मायावती

● बसपा अध्यक्ष ने राहुल गांधी के जारी वीडियो को करार दिया नाटक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा के लिए असली कसूरवार कांग्रेस पार्टी ही है। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी के वीडियो को नाटक करार दिया। राहुल गांधी ने हाल ही में प्रवासी मजदूरों से सुखदेव विहार में बातचीत की थीए जिसका वीडियो उन्होंने शनिवार को शेयर किया था।

मायावती ने कहा कि आज पूरे देश में कोरोना महामारी के लॉकडाउन के कारण बेरोजगार व बेआसरा हो गए उपेक्षा के शिकार करोड़ों प्रवासी श्रमिक परिवारों की जो अति दुखद व शर्मनाक दुर्दशा त्रासदी हर जगह देखने को मिल रही है उसकी असली कसूरवार कांग्रेस पार्टी ही मानी जाएगी। क्योंकि आजादी के बाद केन्द्र व राज्यों में इनके लम्बे शासनकाल के दौरान अगर लोगों की रोजी.रोटी की सही व्यवस्था गांव.शहरों में ही की गई होती तो इन्हें दूसरे राज्यों में क्यों पलायन करने को मजबूर होना पड़ता। उन्होंने कहा इतना ही नहीं बल्कि वर्तमान समय में भी कांग्रेसी नेता द्वारा लॉकडाउन त्रासदी के शिकार कुछ श्रमिकों के दुख-दर्द बांटने सम्बंधी जो वीडियो दिखाये जा रहे हैं वह इनकी हमदर्दी वाला कम व नाटक ही ज्यादा लगता है । वैसे कांग्रेस पार्टी इस समय अगर यह बताती कि उसने उन पीड़ितों से मिलते समय कितने लोगों की वास्तविक मदद की तो यह बेहतर होता। साथ ही ए ऐसे विकट समय में बीजेपी की केन्द्र व राज्य सरकारों से भी यह कहना है कि वे कांग्रेस पार्टी के पदचिन्हों पर न चलकर ए इन बेहाल घर वापसी कर रहे मजदूरों को उनके गांवों.शहरों में ही रोजी.रोटी की सही व्यवस्था करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की नीति पर यदि ईमानदारी व निष्ठा से अमल करती हैंए तो फिर आगे ऐसी दुर्दशा इन्हें शायद कभी नहीं झेलनी पड़ेगी। जो सच्चे देशहित की सच्ची बात होगी। इसके अलावा उन्होंने बीएसपी के लोगों से भी पुनः अपील की है कि जिन प्रवासी मजदूरों को उनके घर लौटने पर उन्हें गांवों से दूर अलग-थलग रखा गया है तथा उन्हें उचित सरकारी मदद नहीं मिल पा रही हैए तो ऐसे लोगों को भी अपना मानकर उनकी भरसक मानवीय मदद करने का प्रयास करें।

डरना हमारी फितरत नहींः प्रियंका गांधी वाड्रा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसों के मुद्दे पर कांग्रेस व राज्य सरकार में चल रही तकरार के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि मुकदमे लगाने वाले शायद ये भूल गए हैं कि ये महात्मा गांधी की पार्टी है। सेवा हमारे मूल में है और डरना हमारी फितरत नहीं। उन्होंने कहा कि हम सेवा कार्यों को और तेज करेंगे। सेवा कार्य नहीं रुकेगा। कांग्रेस महासचिव ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि पिछले 60 दिनों से यूपी कांग्रेस के कार्यकर्ता दिन.रात लगकर प्रवासी श्रमिकों और जरुरतमंदों की सेवा में लगे हैं। कांग्रेस के सिपाही द्वारा राशन, खाना और दवाई पहुंचाने का कामए श्रमिकों को भोजन-पानी देने और उन्हें घर वापस लाने की सुविधा करने का काम सेवाभाव से कर रहे हैं। उप्र कांग्रेस की सक्रियता द्वारा अब तक 67 लाख लोगों की मदद हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अजीब बात है कि यूपी सरकार ने इस सेवा कार्य से विचलित होकर हमारे प्रदेश अध्यक्ष को जेल में डाल दिया। अलग.अलग जिलों में हमारे कार्यकर्ताओं पर मुकदमे लगाए गए हैं। परसों उप्र कांग्रेस के 50,000 कार्यकर्ता और नेताओं ने फेसबुक लाइव पर अपनी एकजुटता दिखाईए कल सभी जिलों में सरकार को ज्ञापन दिया।

गरीब विरोधी योगी सरकार हमारे सेवाभाव से बौखला गयी हैः कांग्रेस

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा है कि इस आपदा में दिन-रात हमारे कार्यकर्त्ता गरीबए मजदूर, प्रवासी भाइयों-बहनों की सेवा कर रहे हैं। गरीब विरोधी योगी सरकार हमारी सेवाभाव से बौखला गयी है और हमारे नेताओं पर फर्जी मुकदमें दर्ज कर रही है। हम इन मुकदमों से डरने वाले नहीं हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष पश्चिम ज़ोन पंकज मलिक ने कहा कि पूरे प्रदेश में दो दिन के भीतर योगी सरकार ने दर्जनों मुक़दमें कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लाद दिए हैं लेकिन हम कांग्रेस जन जनता की सेवा से पीछे नहीं हटेंगे। जनता की सेवा करना ही इस आपदा में सच्ची राजनीति है। उन्होंने कहा कि प्रवासी मजदूर बहन-भाइयों के लिए हम बसें चलाना चाहते थे लेकिन योगी सरकार ने अपनी कुटिल राजनीति के चलते उसे रोक दियाद्य हमारे अध्यक्ष को मजदूरों की सेवा के ष्अपराधष् में जेल भेज दिया गया। मेरे ऊपर मुक़दमे दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि इलाहाबाद में पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह समेत 13 अन्यए प्रदेश महासचिव बीरेंद्र गुड्डूए सीतापुर जिलाध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थीए पूर्व मंत्री रामलाल राहीए मंजरी राही समेत 12 अन्य जालौन जिलाध्यक्ष अनुज मिश्रा, गौतमबुध्द महानगर अध्यक्ष शहाबुद्दीन, मिर्ज़ापुर जिलाध्यक्ष शिवकुमार पटेल, कैलाश नाथ उपाध्याय, गुलाबचंद पाण्डेय, पंकज पटेलए मोनू पटेल, संतोष, आशीष पटेल, लवकुश भारती, शिवम पटेल समेत 25 अन्य अज्ञात कांग्रेस जनों पर फर्जी मुकदमा दर्ज हुआ हैं लेकिन इन फर्ज़ी मुकदमों से हमारा सेवा कार्य नहीं रुकेगा। हम मरते दम तक अपने गरीब मजदूर भाई-बहनों की सेवा करेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्वी ज़ोन बीरेंद्र चौधरी ने कहा कि इस महामारी में हमने 67 लाख लोगों तक मदद पहुंचाई है। 40 जगहों पर हाइवे पर खानाए नाश्ताए गुड़ बांटा जा रहा है। 22 जिलों में साझी रसोईयां चल रही हैं। इस आपदा में हम अपनी पूरी शक्ति लगाकर जनसेवा कर रहे हैं। सरकार के कायराना दमन से हम नहीं डरेंगे।

महाराष्ट्र के राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच पिता-पुत्र जैसे संबंधः शिवसेना

भाषा। मुम्बई

शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने शनिवार को यहां राजभवन में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से भेंट की। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे कोविड-19 संकट से निपटने के लिए राज्य सरकार की तैयारियों का आकलन करने के लिए राज्यपाल द्वारा बुधवार को बुलाई गई बैठक में नहीं पहुंचे थे। राउत ने इस भेंट के बाद संवाददाताओं से कहा कि राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के बीच पिता और पुत्र जैसा संबंध है।

राजभवन की ओर से जारी एक बयान में शिवसेना सांसद और राज्यपाल के बीच की मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया। शिवसेना नेतृत्व संभवतः विपक्षी भाजपा के राज्यपाल से मुलाकात करने और यह शिकायत करने से नाराज था कि राज्य सरकार इस वायरस को फैलने से रोकने में कथित रूप से विफल रही है। राउत ने कहा, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच कोई टकराव नहीं था। उनके संबंध पिता और पुत्र की तरह हैं तथा वे इसी तरह बने रहेंगे।

बाद में राजभवन ने एक फोटो ट्वीट किया जिसमें राउत राज्यपाल के सम्मुख हाथ जोड़े खड़े नजर आ रहे हैं। उसके बाद राउत ने ट्वीट किया, ठीक है, बी के कोश्यारी मुझसे बड़े हैं, इसलिए यह नमस्कार। वैसे, हमारी अच्छी बातचीत हुई, मैंने उनसे चिंता नहीं करने को कहा, क्योंकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में हमारी एमवीए सरकार अच्छी तरह चल रही है। शिवसेना और राजभवन के बीच का संबंध राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया था क्योंकि कोश्यारी राज्य मंत्रिमंडल की दो सिफारिशों को दबा कर बैठ गए थे। उनमें से एक में कोश्यारी से शिवसेना प्रमुख ठाकरे को राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद के लिए नामित करने का आग्रह किया गया था।

शिवसेना के मुखपत्र सामना के कार्यकारी संपादक राउत ने तब राजभवन की आलोचना की थी और कहा था कि उसे राजनीतिक साजिशों का केंद्र नहीं बनना चाहिए। ठाकरे के लिए 27 मई से पहले विधानमंडल के दोनों सदनों में से किसी का सदस्य बनना संवैधानिक रूप से अनिवार्य था, ऐसे में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया और राज्य में संभावित राजनीतिक अस्थिरता को लेकर अपनी चिंता उनके सामने रखी थी। चुनाव आोग ने विधान परिषद की रिक्त सीटों के लिए चुनाव का आदेश दिया। केवल नौ उम्मीदवारों के नामांकन दायर करने के साथ ही ठाकरे निर्विरोध राज्य विधानमंडल के पहली बार सदस्य बने।

प्रवासी श्रमिकों की काउंसलिंग करा रही है राजस्थान सरकार

जयपुर। राजस्थान सरकार विदेश और अन्य राज्यों से लौटने वाले प्रत्एक व्यक्ति की ना सिर्फ चिकित्सा जांच करवा रही है बल्कि पृथक-वास केन्द्रों में मनोचिकित्सकों से उनकी काउंसलिंग भी करा रही है ताकि वे कोई मानसिक परेशानी महसूस ना करें। राज्य के चिकित्सा मंत्री डॉक्टर रघु शर्मा ने शनिवार को बताया कि बाहर से राजस्थान लौटने वाले प्रत्एक व्यक्ति को अनिवार्य रूप से पृथक-वास में रखा जा रहा है ऐसे में उनके मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सभी की काउंसलिंग कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि अन्य राज्यों और विदेश से करीब 10 लाख प्रवासी राजस्थान लौटे हैं और उनमें से करीब सवा सात लाख लोगों को अपने घर में, 34 हजार लोगों को 10 हजार संस्थागत पृथक-वास केन्द्रों में पृथक-वास में रखा गया है। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्रों में खाने-पीने से लेकर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

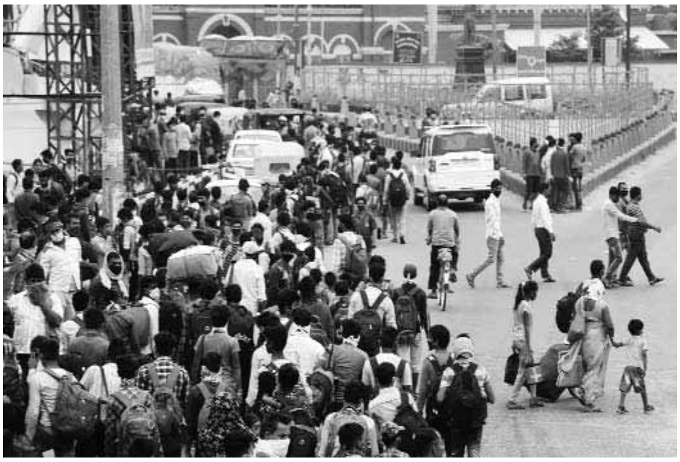

पटना में दानापुर रेलवे स्टेशन पर श्रमिक स्पेशल ट्रेन से आए हुए प्रवासी अपने गंतव्य स्थान को जाते हुए।

तमिलनाडु को 35 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसानः मुख्यमंत्री

भाषा। सलेम (तमिलनाडु)

कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन तथा अन्य उपायों के कारण तमिलनाडु को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से होने वाले राजस्व में 35 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। राज्य के मुख्यमंत्री के. पलानीसामी ने शनिवार को यह कहा। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसके कारण विकास की योजनाएं प्रभावित नहीं होंगी।

उन्होंने वित्त विभाग का हवाला देते हुए कहा कि लॉकडाउन के कारण मार्च के आखिरी सप्ताह, अप्रैल और मई में राज्य को अनुमानित रूप से 35,000 करोड़ रुपए के जीएसटी राजस्व का नुकसान हुआ है। उन्होंने अधिक जानकारी दिए बिना संवाददाताओं से कहा, स्थिति को संभालने के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं, लेकिन वे विकास की योजनाओं को प्रभावित नहीं करेंगे क्योंकि ए योजनाएं रोजगार सृजन सुनिश्चित करती हैं।

तमिलनाडु सरकार ने राज्य में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए राष्ट्रीय लॉकडाउन से एक दिन पहले ही यानी 24 मार्च को लॉकडाउन लागू किया था। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के चौथे चरण के बाद केंद्र सरकार आगे के लिए क्या तय करती है, राज्य उस पर गौर करेगा। लॉकडाउन का चौथा चरण 31 मई को समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों से भी परामर्श करेगी।

उन्होंने खेती और औद्योगिक क्षेत्रों सहित अन्य क्षेत्रों को पाबंदियों से दी गई कई छूट का जिक्र किया। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि महामारी का सामुदायिक संक्रमण नहीं हो रहा है और सरकार ने संक्रमण को रोकने के लिए सही कदम उठाए।

मप्र कांग्रेस ने भोपाल में फंसे केरल के छात्रों को बसों से वापस भेजा

भोपाल। प्रवासी श्रमिकों के लिए बसें भेजे जाने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार और कांग्रेस में जारी खींचतान के बीच मध्यप्रदेश कांग्रेस ने लॉकडाउन के कारण भोपाल में फंसे केरल के वायनाड के छात्रों को बसों से रवाना किया है। वायनाड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी का निर्वाचन क्षेत्र है। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि केरल के यहां फंसे छात्रों ने राहुल गांधी से संपर्क किया था जिसके बाद छात्रों को बसों के जरिए वापस भेजने की व्यवस्था की गई। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने पीटीआई-भाषा को शनिवार को बताया कि वायनाड सहित केरल के छात्रों को एक बस से शनिवार सुबह भोपाल से रवाना किया गया है। अब तक दो बसों को भोपाल से रवाना किया गया है। एक बस शुक्रवार को यहां से छात्रों को लेकर गई है। जैसे-जैसे हमें छात्रों की सूचना मिल रही है। उसके मुताबिक हम बसों का इंतजाम कर रहे हैं।

मणिपुर लौट रहे जो लोग पृथकवास में नही रहेंगे, उन्हें जेल भेज दिया जाएगा : मुख्यमंत्री

भाषा। इम्फाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा है कि देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों से राज्य लौट रहे लोगों को अनिवार्य रूप से पृथक-वास में रहना होगा और ऐसा नहीं करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया जाएगा। मणिपुर को कोरोना वायरस मुक्त घोषित किए जाने के करीब एक महीने बाद ही यहां कोरोना वायरस संक्रमण के उन मरीजों की संख्या 25 हो गई है जिनका इलाज चल रहा है।

सिंह ने कहा कि प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाले लोगों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के तहत सजा दी जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, यह बहुत गंभीर मामला है। लौट रहे जो लोग प्रोटोकॉल का पालन नहीं करेंगे, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेशों और देश के अन्य राज्यों से लौट रहे जो लोग जांच रिपोर्ट आने के बाद संक्रमित नहीं पाए जाएंगे, उन्हें उनके घर में पृथक-वास में रहने की अनुमति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी प्राथमिकता इस बीमारी को सामुदायिक स्तर पर फैलने से रोकना है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के लिए घर में पृथक-वास में रहना संभव नहीं है, उन्हें पृथक-वास केंद्रों में रखा जाएगा। सिंह ने लोगों से अपील की कि वे राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या में हाल में हुई बढ़ोतरी से घबराए नहीं।

राज्य में कोरोना वायरस से संक्रमित 25 लोगों का इस समय इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हालात काबू में करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकारी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, इम्फाल (आरआईएमएस) और जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जेएनआईएमस) अस्पतालों की प्रयोगशालाओं में हर रोज 200 से 300 नमूनों की जांच की जा रही है और रोजाना 700 से 800 नमूने एकत्र किए जा रहे हैं।

मणिपुर में शुरुआत में संक्रमित पाए गए दो लोग उपचार के बाद स्वस्थ हो गए थे। इसके बाद सिंह ने 19 अप्रैल को राज्य को कोरोना वायरस से मुक्त घोषित किया था। देशभर में 25 मार्च से लागू लॉकडाउन के कारण देश के अन्य हिस्सों में फंसे मणिपुर के लोगों ने राज्य सरकार से अपील की थी कि उन्हें घर लौटने की अनुमति दी जाए। सरकार ने इसकी अनुमति देते हुए ई-पास की व्यवस्था की और फंसे लोगों को लाने के लिए बस और ट्रेन का प्रबंध किया। इसके बाद राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ कर 27 हो गई। इनमें से दो लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले मे सुरक्षा बलो ने मुठभेड़ मे एक इनामी नक्सलवादी समेत दो नक्सलियो को मार गिराया है। राज्य के बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने शनिवार को भाषा को बताया कि सुकमा जिले के गादीरास थाना क्षेत्र के अंतर्गत मनकापाल गांव के करीब जंगल मे सुरक्षा बलो ने मुठभेड़ मे दो नक्सलियो को मार गिराया है। सुंदरराज ने बताया कि गादीरास थाना क्षेत्र मे नक्सली गतिविधि की सूचना के बाद डीआरजी के दल को गश्त मे रवाना किया गया था। उन्होने बताया कि दल जब मनकापाल गांव के करीब जंगल मे पहुंचा तब नक्सलियो ने उनपर गोलीबारी शुरू कर दी, इसके बाद सुरक्षा बलो ने भी जवाबी कार्वाई की। उन्होने बताया कि कुछ देर तक दोनो ओर से गोलीबारी के बाद जब नक्सली वहां से फरार हो गए। उन्होने कहा कि बाद मे जब सुरक्षा बलो ने घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां से दो नक्सलियो के शव बरामद हुए। मुठभेड़ मे मारे गए नक्सलवादियो की पहचान नक्सलियो के मलांगिर एरिया कमेटी के लोकल गुरिल्ला स्क्वाड :स्थानीय छापामार दस्ताः के कमांडर गुंडाधुर और डिविजनल कमेटी मेंबर विनोद के अंगरक्षक आयतु के रूप मे की गई है। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि गुंडाधुर पर पांच लाख रूपए का इनाम घोषित है। मुठभेड़ के संबंध मे विस्तृत सूचना की प्रतीक्षा है।

कोरोना डर के चलते छोड़े गए पालतू जानवरों को बचाया

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे शहर मे पालतू जानवरो को खासकर विदेशी नस्ल के कुत्तो को बचाने के लिए कुछ लोग आगे आए है जिन्हे उनके मालिको ने उनसे कोरेना वायरस संक्रमण फैलने की आशंका के चलते सड़को पर छोड़ दिया था। एनिमल एडॉप्शन एंड रेस्क्यू टीम (एआरटी) के 50 स्वयंसेवी कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान पुणे की सड़को पर गश्त कर छोड़े गए पालतू जानवरो को बचाने और उन्हे खाना खिलाने का काम कर रहे है। एनजीओ के एक स्वयंसेवी अजय पुजार ने कहा, लॉकडाउन के बाद से, हमने कुत्ते के मालिको को अपने जानवरो को छोड़ देने के मामलो मे बढ़ोतरी देखी है खासकर विदेशी नस्ल जैसे डॉबरमेन,लेब्राडोर और जर्मन शेफर्ड कुत्ते। संगठन ने अब तक 40 ऐसे कुत्तो को शहर के विभिन्न हिस्सो से निकाला है और उन्हे पुणे के बाहर आश्रय गृहो मे भेजा है।

श्रमिक संघ के नेता दादा सामंत ने फांसी लगा खुदकुशी की

मुम्बई। वरिष्ठ श्रमिक नेता दादा सामंत ने यहां उपनगरीय इलाके बोरिवली मे फांसी लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। वह 92 साल के थे। वह संभवतः कोविड-19 की स्थिति और निजी स्वास्थ्य को लेकर व्यथित थे। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार ने बताया कि महाराष्ट्र जनरल कामगार यूनियन के नेता को शुक्रवार सुबह को अपनी बड़ी बेटी के घर फांसी से लटका पाया गया। वह प्रमुख श्रमिक नेता दत्ता सामंत के भाई थे जिनकी 1997 मे गैंगस्टर ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। आत्महत्या की वजह के बारे मे पूछे जाने पर दहीसार थाने के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हे मौके से दादा सामंत का एक सुसाइड नोट मिला है जिसमे उन्होने लिखा है कि वह कोविड-19 की स्थिति और निजी स्वास्थ्य मुद्दो से आजिज आ गए थे। अधिकारी ने बताया कि दादा सामंत कोरोना वायरस संक्रमित नही थे। उन्होने किसी गड़बड़ीसाजिश से भी इनकार किया।

लॉकडाउन में साइबर अपराध बढ़े : महराष्ट्र के गृह मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन के दौरान साइबर अपराध बढ़े है और ऐसी गतिविधियो मे शामिल लोगो के खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के साइबर विभाग ने इस संबंध मे अभी तक 410 मामले दर्ज किए है और 213 लोगो को गिरफ्तार किया है। सोशल मीडिया मंच जैसे कि व्हाइट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और टिक्टॉक का इस्तेमाल कर उकसावे वाली सामग्री, अफ्वाहे फैलाने और महिलाओ के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने तथा साम्प्रदायिक विभाजन पैदा करने जैसे अपराधो मे भारी वृद्धि हुई है। देशमुख ने एक वीडियो संदेश मे कहा, ऐसी गलत चीजे हो रही है। कृपया इससे बचे। इस बीच टिक्टॉक के जरिए तेजाब हमले और बलात्कार को बढ़ावा देने वाले वीडियो भी सामने आए है। याद रखिए महाराष्ट्र अपराध विभाग आप पर नजर रख रहा है। ऐसे पोस्ट करने और वीडियो बनाने वालो के खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। गौरतलब है कि देशभर मे 24 मार्च को लगाए लॉकडाउन को कई चरणो मे 31 मई तक बढ़ा दिया गया है।

कैडिला फार्मा के तीन कर्मचारियों की कोरोना से मौत

अहमदाबाद। अहमदाबाद के पास ढोलका मे दवा कंपनी कैडिला फार्मास्यूटिकल्स के कारखाने के तीन कर्मचारियो की कोरना वायरस संक्रमण के कारण मौत हो गई है। मृतक कंपनी के उत्पादन एवं पैकेजिंग विभाग के कर्मचारी थे। इस महीने की शुरुआत मे फार्मा कंपनी की ढोलका स्थित उत्पादन इकाई के कम से कम 26 कर्मचारी घातक वायरस से संक्रमित पाए गए थे। कंपनी कोविड-19 के चलते अपने तीन कर्मचारियों की जान जाने से दुखी है। एक मृत कर्मचारी को हाल ही मे 20 अन्य लोगो के साथ घर मे पृथक रखा गया था जबकि दो अन्य का सोला सिविल अस्पताल मे इलाज चल रहा था। कंपनी ने अपना स्वयं का पृथक-वास केंद्र स्थापित किया था और अन्य पृथक-वास केंद्रो मे रह रहे कर्मचारियो को इस केंद्र मे आकर रहने का विकल्प दिया था।

बीकानेर में रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर खुलने पर उचित दूरी बनाकर सर्किल में खड़े टिकट लेने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए लोग।

ममता ने अम्फान के मद्देनजर रेलवे से 26 मई तक श्रमिक विशेष ट्रेन राज्य में नही भेजने को कहा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रेल मंत्रालय से चक्रवात अम्फान के मद्देनजर 26 मई तक राज्य में श्रमिक विशेष ट्रेनों को नहीं भेजने को कहा है। राज्य के मुख्य सचिव राजीव सिन्हा की तरफ से रेलवे बोर्ड के प्रमुख वी के यादव को 22 मई को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि राज्य 20 और 21 मई को महा चक्रवात अम्फान से बुरी तरह प्रभावित हुआ है जिससे अवसंरचना को अत्यंत नुकसान हुआ है।

बंगाल सरकार के इस पत्र में कहा गया, चूंकि जिला प्रशासन राहत एवं पुनर्वास के कार्यों में व्यस्त है इसलिए अगले कुछ दिनों तक विशेष ट्रेनों के यहां पहुंचने पर उन पर ध्यान दे पाना संभव नहीं होगा। इसलिए यह अनुरोध किया जाता है कि 26 मई तक कोई भी ट्रेन पश्चिम बंगाल नहीं भेजी जाए। चक्रवात अम्फान के कारण पश्चिम बंगाल में कम से कम 86 लोगों की मौत हो गई है। चक्रवात के कारण जनजीवन प्रभावित होने के बाद अधिकारी स्थिति को सामान्य करने के प्रयासों में जुटे हुए हैं।

कोरोना वायरस के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के बीच प्रवासी मजदूरों को घर भेजने के लिए श्रमिक विशेष ट्रेन सेवा शुरू करने के बाद सबसे कम रेलगाड़ियां पश्चिम बंगाल में ही भेजी गई हैं। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने एक पत्र में आरोप लगाया था कि बंगाल अपने प्रवासियों को लौटने की अनुमति नहीं दे रहा है। बाद में यह तय किया गया कि इन ट्रेनों के परिचालन के लिए गंतव्य राज्य की सहमति लेना जरूरी नहीं है। इसके बाद, रेल मंत्री पीयूष गोयल ने भी पश्चिम बंगाल सरकार से इन श्रमिक विशेष ट्रेनों को राज्य में आने की अनुमति देने की अपील की थी।

गुजरात में वेंटिलेंटर मामले की न्यायिक जांच होः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि गुजरात के अहमदाबाद सिविल अस्पताल में धमन-। वेंटिलेटर के इस्तेमाल और उसके कथित तौर पर फर्जी पाए जाने के मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए क्योंकि यह लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ विषय है। पार्टी प्रवक्ता ने यह सवाल भी किया कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी इस मशीन को बनाने वाली कंपनी पर कार्वाई करने के बजाय उसकी तारीफ क्यों कर रहे हैं? खेड़ा ने वीडियो लिंक के माध्यम से कहा, 4 अप्रैल 2020 को गुजरात के मुख्यमंत्री इस संकट काल में पहली बार गांधीनगर से अहमदाबाद पहुंचे और सिविल अस्पताल में धमन-। का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इसे वेंटिलेटर बताया और इसकी निर्माता कंपनी ज्योति सीएनसी और इसके मालिक की खूब तारीफ की। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में सीएसआर के तहत ज्योति सीएनसी ने ।,000 धमन-। नामक मशीनें दी। 15 मई 2020 को उसी अस्पताल के अधीक्षक ने सरकार को सूचित किया कि एनेस्थीसिया विभाग के अनुसार उक्त वेंटिलेटर मरीजों पर कामयाब नहीं है एवं तुरंत प्रभाव से अस्पताल को वेंटिलेटर दिए जाएं।

धमन-। नामक मशीन वेंटिलेटर है ही नहीं, बल्कि एंबू बैग (आर्टिफिशियल मैनुअल ब्रीदिंग यूनिट बैग) है। उन्होंने दावा किया कि गुजरात सरकार की ओर से प्रचार किए जाने के कारण कई राज्यों एवं अस्पतालों ने इसे वेंटिलेंटर समझकर खरीदने का ऑर्डर भी दे दिया था। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी नारायणसामी ने इस कथित वेंटिलेटर की सच्चाई सामने आने के बाद इसकी खरीद का ऑर्डर रद्द करने का फैसला किया है। खेड़ा ने कहा, अगर हम 25 मार्च 2020 और 18 मई 2020 के दौरान के आंकड़े देखें तो पता चलता है कि सिविल अस्पताल में 338 मरीज उपचार के बाद ठीक हुए, वहीं 343 की मृत्य हो चुकी है।

एससी समुदाय के खिलाफ टिप्पणी करने के आरोप में द्रमुक सांसद गिरफ्तार, मिली अंतरिम जमानत

चेन्नई। नेता एवं राज्यसभा सदस्य आर एस भारती को कुछ माह पहले अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में एक अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। द्रमुक संगठन सचिव भारती (73) को सुबह उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। बाद में शहर की एक अदालत ने उन्हें एक जून तक अंतरिम जमानत दे दी। अदालत को बताया गया कि मद्रास उच्च न्यायालय ने आत्मसमर्पण करने संबंधी उनकी अर्जी विचारार्थ स्वीकार कर ली है और उस पर बुधवार को सुनवाई होनी है।

इस बीच, एक अन्य द्रमुक नेता एवं लोकसभा सदस्य दयानिधि मारन ने मद्रास उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। दरअसल, एससी समुदाय के लोगों के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर उनके खिलाफ पुलिस के पास शिकायतें दर्ज कराई गई थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री मारन ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्य सचिव से मिलने के बाद संवाददाता सम्मेलन में समुदाय के खिलाफ कथित रूप से अनुचित टिप्पणी की थी। भारती ने आरोप लगाया कि उन्हें अन्नाद्रमुक नीत सरकार में भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर करने की कोशिश करने के लिए उन्हें (भारती को) निशाना बनाया जा रहा है।

भारती को एससी समुदाय के खिलाफ कथित टिप्पणियों के लिए गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ शिकायत के आधार पर एससीएसटी (अत्याचारों की रोकथाम) अधिनियम के तहत हाल में एक मामला दर्ज किया गया है। भारती ने कहा कि फरवरी में द्रमुक की एक बैठक में उन्होंने जो बयान दिया था, उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी समाचार पत्र में कोई खबर नहीं छपी, लेकिन सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने मेरे खिलाफ मुहिम छेड़ दी। पार्टी के वरिष्ठ नेता भारती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने उस समय मीडिया में इस मामले पर प्रतिक्रिया दी थी और यह बात हुए 100 से अधिक दिन बीत चुके हैं। उन्होंने कहा, वे मुझे आज गिरफ्तार करने आए। उन्होंने दावा किया कि सरकार में भ्रष्टाचार के कुछ मामलों का खुलासा करने के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन उनकी पार्टी डरेगी नहीं। इस बीच, द्रमुक के--पी विल्सन और एन आर एलांगो (दोनों राज्य सभा सदस्य हैं) समेत कई वकीलों ने प्रधान सत्र न्यायाधीश सेल्वाकुमार के समक्ष कहा कि भारती की गिरफ्तारी पूरी तरह अनुचित है और यह लॉकडाउन के समय की गई। सत्र न्यायाधीश सेल्वाकुमार ने भारती को एक जून तक की अंतरिम जमानत दे दी।

विजयवाड़ा में एपीएसआरटीसी का कर्मचारी बस में सवार यात्रियों को थर्मल स्क्रीनिंग करते हुए।

भारत में एक साल में कोविड-19 का टीका विकसित होने की उम्मीद कम

भाषा। नई दिल्ली

विशेषज्ञों का अनुमान

कोरोना वायरस का टीका तैयार करने के लिए कई भारतीय कंपनियां प्रयास कर रही हैं लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि देश में शोध अब भी शुरुआती चरण में है और अगले एक साल में किसी ठोस सफलता की संभावना कम ही है। कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए टीका विकसित करने की दिशा में भारत सरकार और निजी कंपनियों ने अपने प्रयास तेज किए हैं।

इस बीमारी के कारण अब तक देश में 3700 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1,25,000 से ज्यादा लोग इससे संक्रमित हैं। प्रधानमंत्री नागरिक सहायता एवं आपात स्थिति राहत कोष (पीएम-केयर्स फंड) न्यास ने कोरोना वायरस का टीका विकसित करने के प्रयासों में मदद के लिए 100 करोड़ रुपए की रकम आवंटित की है। वायरस से लड़ने के लिए एक टीके के संदर्भ में प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान में कहा गया था कि इसकी बेहद जरूरत है और भारतीय विद्वानों, स्टार्ट-अप और उद्योगों को इस टीके के विकास के लिए साथ आना चाहिए।

टीके के विकास के लिए रास्ता तलाशने के उद्देश्य से जैवप्रौद्योगिकी विभाग को केंद्रीय समन्वय एजेंसी बनाया गया है। ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद के कार्यकारी निदेशक गगनदीप कंग ने कोविड-19 के टीके पर काम कर रही भारतीय कंपनियों का जिक्र करते हुए पिछले महीने कहा था कि जाइडस कैडिला दो टीकों पर काम कर रही है जबकि सीरम इंस्टीट्यूट, बायोलॉजिकल ई, भारत बायोटेक, इंडियन इम्युनोलॉजिकल्स और मिनवैक्स एक-एक टीका विकसित कर रहे हैं।

प्रमुख विषाणु विज्ञानी शाहिद जमील ने कहा कि भारत की टीका निर्माण की क्षमता उल्लेखनीय है और कम से कम तीन भारतीय कंपनियां- सीरम इंस्टीट्यूट, भारत बायोटेक और बायोलॉजिकल ई, अग्रणी हैं जो अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ कोविड-19 का टीका तैयार करने की दिशा में काम कर रही हैं। उन्होंने बताया, भारत में कोविड-19 के टीके को लेकर शोध विकास के बेहद शुरुआती चरण में है और किसी भी उम्मीदवार के जानवरों पर परीक्षण के चरण तक इस साल के अंत तक ही पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय दवा कंपनियों में हालांकि काफी क्षमता और विशेषज्ञता है, और उनके कोविड-19 की नई दवा को बाजार तक लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित जमील ने कहा कि यह अनुभव संस्थानों, उद्योगों और नियामकों के साथ काम करने और भविष्य की तैयारी करने के लिए महत्वपूर्ण है। सीएसआईआर-सेलुलर एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) के निदेशक राकेश मिश्रा ने कहा, अभी हम जो जानते हैं उससे, हम फिलहाल टीके के विकास के लिए उन्नत चरण में नहीं हैं।

कोलकाता में शनिवार को आए चक्रवात अम्फान में एक कार के ऊपर गिरा पेड

कोरोना के लिए कुछ दवाओं का परीक्षण जारी

भाषा। नई दिल्ली

● रेम्डेसिविर सबसे आगे : वैज्ञानिक

कोविड-19 के लिए नए टीके का निर्माण अभी नजर नहीं आ रहा ऐसे में वैज्ञानिक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि अन्य बीमारियों में दी जाने वाली पुरानी दवाओं से क्या इस बीमारी की काट तैयार की जा सकती है। इस कड़ी में एंटीवायरल रेम्डेसिविर संभावित दावेदारों की सूची में सबसे आगे हैं।कोविड-19 का प्रसार लगातार जारी है और दुनिया भर में इसके 52 लाख से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं जबकि शनिवार तक तीन लाख 38 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे में इस बीमारी को लेकर कुछ श्रेणियों की दवाओं का नैदानिक परीक्षण चल रहा है। इनमें से रेम्डेसिविर ने कोविड-19 के ठीक होने की दर तेज कर कुछ उम्मीदें जगाई हैं। इस दवा का परीक्षण शुरू में पांच साल पहले खतरनाक इबोला वायरस के इलाज में किया गया था। अमेरिका के एक स्वतंत्र आर्थिक थिंक टैंक मिल्कन इंस्टीट्यूट के एक ट्रैकर के मुताबिक कोविड-19 के इलाज के लिए 130 से ज्यादा दवाओं को लेकर परीक्षण चल रहा है, कुछ में वायरस को रोकने की क्षमता हो सकती है, जबकि अन्य से अतिसक्रिय प्रतिरोधी प्रतिक्रिया को शांत करने में मदद मिल सकती है। अतिसक्रिय प्रतिरोधी प्रतिक्रिया से अंगों को नुकसान पहुंच सकता है।

सीएसआईआर के भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू के निदेशक राम विश्वकर्मा ने को बताया, फिलहाल, एक प्रभावी तरीका है (8230) वह है अन्य बीमारियों के लिए पहले से स्वीकृत दवाओं का इस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल कि क्या उनका प्रयोग कोविड-19 के लिए हो सकता है। एक उदाहरण रेम्डेसिविर का है। विश्वकर्मा ने कहा कि रेम्डेसिविर लोगों को तेजी से ठीक होने में मदद कर रही है और गंभीर रूप से बीमार मरीजों में मृत्युदर कम कर रही है। यह जीवन रक्षक हो सकती है। विश्वकर्मा ने कहा, हमारे पास नई दवाएं विकसित करने के लिए समय नहीं है। नई औषधि विकसित करने में 5-10 साल लकते हैं इसलिए हम मौजूदा दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं और यह देखने के लिए नैदानिक परीक्षण कर रहे हैं कि वे प्रभावी हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि एचआईवी और विषाणु संक्रमणों के दौरान उपचार के तौर पर उपलब्ध कुछ अणुओं को नए कोरोना वायरस के खिलाफ इस्तेमाल करके देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर इन्हें प्रभावी पाया जाता है तो औषधि नियामक संस्थाओं से उचित अनुमति हासिल कर कोविड-19 के खिलाफ इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।

विश्वकर्मा के मुताबिक इसके अलावा फेवीपीराविर से भी कुछ उम्मीदें हैं और कोविड-19 के खिलाफ इसके प्रभावी होने को लेकर भी नैदानिक परीक्षण का दौर चल रहा है। सीएसआईआर के महानिदेशक शेखर मांडे ने इस महीने घोषणा की थी कि हैदराबाद स्थित भारतीय रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान ने फेवीपिरावीर बनाने की प्रौद्योगिकी विकसित कर ली है। उत्तर प्रदेश में स्थित शिव नादर विश्वविद्यालय में रसायन विभाग के प्रोफेसर शुभव्रत सेन भी इस बात से सहमत हैं कि जिन दवाओं का परीक्षण चल रहा है उनमें रेम्डेसिविर से सबसे ज्यादा उम्मीद है।

भारत में चार करोड़ प्रवासी श्रमिक हैं, अब तक 75 लाख घर लौटे

भाषा। नई दिल्ली

● केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने बताया

केंद्र ने शनिवार को कहा कि देश भर में करीब चार करोड़ प्रवासी श्रमिक विभिन्न कार्यों में लगे हुए हैं और राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू होने के बाद से अब तक उनमें से 75 लाख लोग ट्रेनों और बसों से अपने घर लौट चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा रेलवे ने देश के विभिन्न हिस्सों से प्रवासी श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक मई से 2,600 से अधिक श्रमिक विशेष ट्रेनें चलाई हैं।

उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, पिछली जनगणना की रिपोर्ट के मुताबिक देश में चार करोड़ प्रवासी श्रमिक हैं। देश में 25 मार्च (जब राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन शुरू हुआ) से प्रवासी श्रमिकों की सुविधा के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि श्रमिक विशेष ट्रेनों से 35 लाख प्रवासी श्रमिक अपने गंतव्य तक पहुंच गए हैं, जबकि 40 लाख प्रवासियों ने अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए बसों से यात्रा की।

संयुक्त सचिव ने कहा कि 27 मार्च को गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को यह परामर्श भेजा था कि प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे को संवेदनशीलता से लिया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि वे लॉकडाउन के दौरान अपने मौजूदा स्थान को छोड़ कर नहीं जाएं। उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रवासी श्रमिकों को भोजन एवं आश्रय उपलब्ध कराने को भी कहा गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी प्रवासी श्रमिकों को लेकर कई बार राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को परामर्श भेजे गए।

अम्फान चक्रवात: सब कुछ खत्म होने के बाद लोग आजीविका के लिए बाहर जाने पर मजबूर

भाषा। काकद्वीप (पश्चिम बंगाल)

सुंदरबन के काकद्वीप के रहने वाले प्रणब बिस्वास खुश थे कि उनका एकमात्र मजदूर बेटा पिछले हफ्ते महाराष्ट्र से लौट आया था और उसने अपना खुद का मछली पकड़ने का व्यवसाय शुरू करने के लिए एक डोंगी खरीदने की योजना बनाई थी, लेकिन बुधवार को आए चक्रवात अम्फान 50 वर्षीय बिस्वास की योजना को उड़ा ले गया।

चक्रवात के कारण बिस्वास के मवेशी और घर सब खत्म हो गए और वह अपनी जीवनभर की सारी बचत एक झटके में खो बैठे। छह लोगों के परिवार का भरण-पोषण करने वाले बिस्वास अब लॉकडाउन खत्म होने के बाद अपने बेटे के साथ आजीविका की तलाश में वापस महाराष्ट्र जाने की योजना बना रहे हैं। इस क्षेत्र में एक राहत शिविर के बाहर बैठे बिस्वास ने कहा, 2009 में आइला चक्रवात के बाद मैं राजमिस्त्री का काम करने के लिए नासिक गया था, लेकिन जब मेरी उम्र ज्यादा हो गई, तो मेरा बेटा मेरी जगह काम करने लगा और पिछले चार साल से वह वहाँ काम कर रहा था। उन्होंने कहा, मैंने 10,000 रुपए बचाए थे और अपने बेटे के साथ मछली पकड़ने का व्यवसाय शुरू करने की योजना बनाई थी। लेकिन अब सब कुछ खत्म हो गया, मेरा घर, मेरी बचत, मेरे मवेशी सब खत्म हो गए। बिस्वास ने कहा, मेरी दो बेटियां विवाह योग्य उम्र की हो गई हैं और मुझे पैसे की जरूरत है।

बिस्वास ने मजदूर भर्ती करने वाली उस एजेंसी से संपर्क कर लॉकडाउन खत्म होने के बाद उन दोनों के लिए नौकरी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है, जिसके लिए उनका बेटा काम करता था। सुंदरबन क्षेत्र के लिए काम करने वाले कई विशेषज्ञों का मानना है कि आजीविका खो जाने और घरों के बर्बाद हो जाने, समुद्र के बढ़ते स्तर के कारण पारिस्थितिक रूप से गंभीर हो चुके इस क्षेत्र से आने वाले महीनों में बड़े पैमाने पर लोगों का पलायन होने की आशंका है। पश्चिम बंगाल के सुंदरबन मामलों के मंत्री मंटूराम पाखिरा ने कहा कि इस क्षेत्र को हजारों करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर स्थल सुंदरबन डेल्टा को चक्रवात अम्फान से भारी नुकसान हुआ है, चक्रवात ने पूरे क्षेत्र को तबाह कर दिया है।

यादवपुर विश्वविद्यालय में समुद्र विज्ञान विभाग के निदेशक सुगाता हाजरा ने पीटीआई-भाषा को बताया, बुनियादी ढांचे के बुरी तरह से प्रभावित होने से वहां के लोगों की आजीविका पर भारी असर पड़ेगा। हाजरा ने कहा, आने वाले महीनों में हम सभी सुंदरबन क्षेत्र से भारी पलायन देखेंगे। चक्रवात आइला के बाद जो कुछ भी बनाया गया था, वह सब चक्रवात अम्फान के कारण नष्ट हो गया। पिछले कई वर्षों से सुंदरबन क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन और पलायन पर बड़े पैमाने पर काम करने वाले हाजरा ने कहा कि डेल्टा में समुद्र-स्तर में वृद्धि, जो वैश्विक समुद्र-स्तर की औसत वृद्धि से बहुत अधिक है।

अस्थि विसर्जन के लिए नि:शुल्क बसें

जयपुर। राजस्थान में लॉकडाउन लागू होने के बाद दिवंगत हुए लोगों की अस्थियों के विसर्जन के लिए चलाई जाने वाली विशेष बसों को लेकर राजस्थान और उत्तराखंड सरकार में सहमति बन गई है। राजस्थान सरकार ने इन विशेष बसों को निशुल्क चलाने की घोषणा की है। अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान सरकार के आग्रह पर उत्तराखंड सरकार ने अस्थि विसर्जन के लिए बसों के आवागमन की सहमति दे दी है।

भारत की दवा नियामक प्रणाली में सुधार की अनुशंसा के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन

भाषा। नई दिल्ली

● स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा के समिति का लक्ष्य इन कदमों की पहचान करना और इन्हें संस्थागत करना है

भारत की दवा नियामक प्रणाली में सुधार की अनुशंसा के लिए सरकार ने विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है ताकि स्वीकृति प्रक्रियाओं को गति दी जा सके।

कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे का सामना करते हुए, दवाओं की स्वीकृति प्रक्रिया को गति देने, अनुसंधान और टीका विकास जैसे कई कदम उठाए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि समिति का लक्ष्य इन कदमों की पहचान करना और इन्हें संस्थागत करना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक आदेश के मुताबिक, समिति वर्तमान दवा नियामक प्रणाली का अध्ययन करेगी और सुधारों की अनुशंसा सौंपेगी ताकि प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढाला जा सके और इसे अधिक प्रभावी बनाया जा सके। ग्यारह मई को जारी आदेश में कहा गया, दवा नियामक प्रणाली में सुधार के मुद्दे पर काफी समय से सरकार का ध्यान है।

इसमें कहा गया, कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान जरूरी प्रक्रियात्मक बदलाव किए गए और उनके परिणाम भी अच्छे रहे लेकिन फिर भी यह महसूस किया गया कि दवा नियामक प्रणाली में विस्तृत बदलावों की आवश्यकता है जो दुनिया भर की बेहतरीन कार्यप्रणाली के साथ ही घरेलू जरूरतों को प्रदर्शित करे और केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को सुगम एवं प्रभावी बनाया जा सके। स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी, राजेश भूषण की अध्यक्षता वाली इस समिति में भारत के शीर्ष दवा एवं टीका उद्यमियों के साथ ही फार्मास्यूटिकल विभाग, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारतीय फार्माकोपिया आयोग, भारतीय फार्मास्यूटिकल गठबंधन, आईसीएमआर के शीर्ष नेतृत्व के साथ ही एम्स के जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल होंगे।

क्विक न्यूज

माओवादियों के हथियार और गोला-बारूद बरामद

गया(बिहार)। बिहार में गया जिले के एक गांव में प्रतिबंधित संगठन भाकपा(माओवादी) के कब्जे वाले हथियारों और गोला-बारुद का जखीरा जब्त किया गया है। एक वरिष्ठ एसएसबी अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एसएसबी की 29वीं बटालियन के कमांडेंट राजेश कुमार सिंह ने बताया कि प्राप्त जानकारी पर कार्वाई करते हुए सशस्त्र सीमा बल(एसएसबी) और बिहार पुलिस की एक टीम ने शुक्रवार रात को तांती गांव में छापा मारा। छापेमारी में बल ने एक ईंट-भठ्ठे से हथियारों और गोला-बारुद का जखीरा बरामद करने के साथ नक्सलियों से जुड़ा साहित्य बरामद किया। उन्होंने बताया कि छापे में दो देसी राइफल, दो .303 राइफल, दो देसी पिस्तौल, 7.62 बोर और आठ मिमी के कारतूस तथा नक्सली साहित्य बरामद किया गया। छापे में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई।

गंगा, यमुना की जल गुणवत्ता में सुधार पर रिपोर्ट पेश करें सीपीसीबी: एनजीटी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस को काबू करने के लिए देशभर में लागू लॉकडाउन के दौरान गंगा और यमुना की जल गुणवत्ता में सुधार संबंधी रिपोर्टों का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को निर्देश दिया है कि वह नदियों एवं अन्य जलाशयों समेत पर्यावरण में औद्योगिक एवं अपशिष्ट जल से होने वाले प्रदूषण में आई कमी का अध्ययन और विश्लेषण करे। एनजीटी ने इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगते हुए निर्देश दिया कि औद्योगिक और अन्य गतिविधियां पुन: आरंभ होने के बाद यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पर्यावरण संबंधी सभी नियमों का पालन किया जाए।

धैर्य ने जवाब दिया तो पैदल ही पहुंच गई होने वाली ससुराल और रचाया ब्याह

कानपुर (यूपी)। परंपरा के अनुसार दूल्हा बैंड बाजा बारात के साथ दुल्हन के घर जाकर विवाह करता है लेकिन कोरोना महामारी के चलते हुए लॉकडाउन के कारण जब 19 वर्षीय दुल्हन को लगा कि उसका ब्याह टल सकता है तो उसने परंपरा को तोड़ने का फैसला किया। घटना की पूरी जानकारी रखने वाले एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वधू इस हफ्ते की शुरूआत में वर से विवाह करने कानपुर से कन्नौज तक 80 किलोमीटर पैदल चली गई। कानपुर देहात जिले में डेरा मंगलपुर ब्लाक के लक्ष्मण तिलक गांव की गोल्डी का विवाह कन्नौज जिले में तालग्राम के बैसापुर गांव के वीरेन्द्र कुमार राठौर उर्फ वीरू से तय हुआ था। उनका विवाह चार मई को होना था, जिसे स्थगित कर दिया गया। लॉकडाउन की अवधि बढने पर गोल्डी का धैर्य जवाब दे गया और इसी सप्ताह की शुरूआत में वह एक सुबह पैदल ही 80 किलोमीटर के सफर पर अपने होने वाले पति के घर की ओर चल दी। गोल्डी वहां शाम तक पहुंच गई। वधू के अचानक यूं आ जाने अचंभित हुए वर के माता पिता ने गोल्डी के पिता गोरेलाल को इस बात की सूचना दी जो अपनी लापता पुत्री की तलाश में इधर-उधर भटक रहे थे।

एक जून को विरोध प्रदर्शन करेंगे बिजली क्षेत्र के कामगार, अभियंता

नई दिल्ली। बिजली क्षेत्र के कर्मचारी और अभियंता इस क्षेत्र के प्रस्तावित निजीकरण के विरोध में एक जून को विरोध दिवस मनाएंगे। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने बिजली मंत्री आर के सिंह को इस संबंध में शुक्रवार को पत्र लिखा। संगठन ने पत्र में कहा,"बिजली कर्मचारी और अभियंता एक जून, 2020 को विरोध दिवस मनाएंगे। संगठन इस बात पर चिंता व्यक्त करता है कि सरकार ने बिजली (संशोधन) विधेयक 2020 का प्रस्ताव दिया है, जिसमें इस क्षेत्र के निजीकरण की योजना है।

पेज एक का शेष

उड़ान से...

किए हों और स्टेटस हरा (निगेटिव) दिख रहा हो। उन्होंने सवाल करते हुए कहा 'यदि आपने टेस्ट कराया हो और आपकी टेस्ट रिपोर्ट नेगेटिव हो तो मेरा मानना है कि फिर क्वारंटाइन करने की जरूरत नहीं है। आरोग्य सेतु ऐप एक पासपोर्ट की तरह है, यदि आपका स्टेटस हरा है तो कोई किसी को क्यों क्वारंटाइन कराना चाहेगा।' राज्य सरकारों द्वारा हवाई यात्रियों के लिए क्वारंटाइन अनिवार्य किए जाने से घरेलू उड़ानों के साथ साथ पूरे भारत में आर्थिक गतिविधियों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के बीच आर्थिक गतिविधियों को रफ्तार प्रदान करने के लिए घरेलू उड़ानों को शुरू करने का फैसला किया है। इसके अलावा श्रमिक स्पेशल ट्रेन के यात्रियों को छोड़ राज्य प्रदेश में आने वाले सभी प्रवासियों क्वारंटाइन नहीं कर रहे हैं। कुछ राज्यों में लोगों से एक फार्म भरवाकर घर जाने की अनुमति दी रही है। कर्नाटक सरकार ने उड़ानों से आने वाले सभी यात्रियों के लिए 14 दिनों का क्वारंटाइन अनिवार्य कर दिया है। प्रोटोकॉल के मुताबिक उच्च प्रभावित राज्यों से रोड, रेल, विमान के जरिये राज्य में आने वाले यात्रियों को सात दिन के सांस्थानिक क्वारंटाइन में रखा जाएगा और कोरोना वायरस टेस्ट निगेटिव आने के बाद उन्हें अगले सात दिन और घर में पृथकवास में रहना होगा। 22 मई को कर्नाटक सरकार ने उच्च प्रभावित राज्यों की सूची में महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, तमिलनाडु, राजस्थान, मध्य प्रदेश को शामिल किया है। राज्य सरकार ने कहा कि कम प्रभावित राज्यों से आने वालों को 14 दिन के होम क्वारंटाइन में भेजा जाएगा। एक ट्वीट में जम्मू और कश्मीर प्रशासन ने भी फैसला किया है कि केंद्र शासित प्रदेश में आने वाले सभी लोगों के यहां पहुंचने के बाद क्वारंटाइन में रखा जाएगा। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की सरकारों ने भी फ्लाइट के साथ साथ अन्य साधनों से आने वाले लोगों को क्वारंटाइन करने का फैसला किया है। केरल सरकार ने कहा कि यात्रियों को घर में या सांस्थानिक क्वारंटाइन में 14 दिन रहना होगा। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने कहा कि घरेलू उड़ान से आने वाले लोगों को 14 दिन पृथकवास में रहना होगा। असम ने भी कहा कि उड़ान से आने वाले यात्री 14 दिन पृथकवास में रहेंगे। असम में 259 केस आ चुके हैं तथा अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। मिजोरम जाने वाले यात्रियों को पहले सरकार से अनुमति लेनी होगी और आने के बाद उनका कोरोना टेस्ट होगा तथा 14 दिन के अनिवार्य पृथकवास में रहना होगा। वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्र सरकार से मांग की है कि हवाई यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित और सशुल्क पृथकवास केन्द्र में रहना अनिवार्य किया जाए। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को यहां बताया कि मुख्यमंत्री बघेल ने 25 मई से घरेलू उड़ान प्रारंभ करने के निर्णय के संबंध में नागर विमानन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखा है।

अगस्त से...

सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि भारत अच्छी खासी संख्या में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को शुरू करने की कोशिश करेगा। घरेलू उड़ान सेवाएं 25 मई से बहाल करने की घोषणा करने के तीन दिन बाद पुरी ने यह बात कही। उन्होंने स्वीकार किया कि कोरोना वायरस महामारी के बीच कुछ राज्यों ने सोमवार से घरेलू सेवा शुरू करने की जरूरत को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ हिचकिचाहट की उम्मीद थी और केंद्र भी उनकी चिंताओं को दूर करने का प्रयास कर रहा है। मंत्री ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि हवाई यात्रियों के लिए आरोग्य सेतु ऐप जरूरी नहीं है और इसकी जगह वे एक स्वघोषित फॉर्म दे सकते हैं। पुरी ने सत्र के दौरान कहा, 'मैं इसकी तारीख (अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने की) नहीं बता सकता। लेकिन यदि कोई व्यक्ति कहता है कि क्या यह अगस्त या सितंबर तक हो सकता है, तो मेरा जवाब होगा कि इससे पहले क्यों नहीं और यह यह स्थिति पर निर्भर करता है।' अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को शुरू करने की मंत्री की घोषणा के बारे में पूछे जाने पर विमानन कंपनी विस्तार ने कहा कि वह नागर विमानन मंत्रालय के दिशानिर्देशों का इंतजार करेगी। पुरी ने कहा, 'मुझे पूरी उम्मीद है कि अगस्त या सितंबर से पहले हम पूर्ण रूप से ना सही, लेकिन अच्छी-खासी संख्या में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के परिचालन को फिर से शुरू करने की कोशिश करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हमारा ज्यादा महत्वाकांक्षी लक्ष्य (अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संदर्भ में) होना चाहिए। क्यों नहीं उन्हें जून मध्य या जून के अंत या जुलाई में शुरू करें।' कोरोना वायरस महामारी को फैलने से रोकने के लिये केंद्र ने 25 मार्च से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू किया था और तब से सरकार ने सभी वाणिज्यिक यात्री उड़ान सेवाएं स्थगित कर दी थी। पुरी ने कहा कि सात मई को शुरू हुए वंदे भारत मिशन के तहत इस महीने के अंत तक हम विदेशों में फंसे करीब 50 हजार भारतीय नागरिकों को विशेष विमानों के जरिए वापस ला पाएंगे। उन्होंने कहा कि इस मिशन के जरिये सात मई से 21 मई के बीच एयर इंडिया और उसकी सहायक एयर इंडिया एक्सप्रेस करीब 23 हजार भारतीयों को वापस लेकर आई। मंत्री ने कहा कि किसी यात्री के पास स्मार्टफोन नहीं है तो आरोग्य सेतु ऐप नहीं होने के चलते किसी को यात्रा नहीं करने से रोका नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, 'हमनें कहा है कि यह एक परामर्श है, ऐसा हो तो अच्छा है अगर आपके पास आरोग्य सेतु ऐप नहीं है तो आप स्व-घोषित फॉर्म दे सकते हैं।' पुरी ने कहा अगर किसी यात्री के पास ऐप नहीं है तो वह यात्रा से दो-तीन दिन पहले अपनी जांच करा कर चिकित्सा प्रमाण-पत्र हासिल कर सकता है और फॉर्म में यह लिख सकता है कि वह कोविड-19 संक्रमित नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर आपके पास आरोग्य सेतु ऐप है और अगर आपने अपनी कोविड-19 जांच कराई,जिसमें संक्रमण नहीं मिला और आपके कोई लक्षण नहीं हैं तो मुझे लगता है कि पृथक-वास की कोई आवश्यकता नहीं है।'

10 दिन...

लाख फंसे हुए प्रवासियों को पहुंचाने के लिए पिछले 23 दिनों में 2600 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलायी हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में अब 1000 टिकट काउंटर खुल चुके हैं तथा शीघ्र ही और काउंटर खुलेंगे। अध्यक्ष ने कहा, 'हमने पिछले चार दिनों में रोजाना औसतन 260 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलायी हैं और प्रतिदिन तीन लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया है।' जब उनसे एक जून से चलने वाली स्पेशल ट्रेनों के किराए के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि रेलवे लॉकडाउन से पहले का सामान्य किराया ही वसूल रहा है। उन्होंने दोहराया कि श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के खर्च का 85 फीसद हिस्सा केंद्र वहन करता है जबकि राज्य भाड़े के रूप में बस 15 फीसद का भुगतान कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा चक्रवात अम्फान के चलते 26 मई तक राज्य में सभी प्रवासी स्पेशल ट्रेनें स्थगित करने का अनुरोध करते हुए भेजे गये पत्र के संबंध में यादव ने कहा कि ऐसा प्राकृतिक आपदा के कारण हुआ है और चीजें शीघ्र ही सामान्य हो जाएंगी। उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव ने मुझे पत्र लिखा कि स्थिति को सामान्य बनाने के लिए कार्य चल रहा है, और ऐसे में वे हमें शीघ्र ही बतायेंगे कि कब वे ट्रेनों को स्वीकार कर पायेंगे। जितना जल्दी वे हमें मंजूरी देंगे, हम पश्चिम बंगाल के लिए ट्रेनें चलायेंगे।' कुछ ट्रेनों को लंबे मार्गों से उनके गंतव्य तक भेजने के बारे में पूछे गये सवाल पर बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि चूंकि ज्यादातर प्रवासी स्पेशल ट्रेनों के आखिरी स्टेशन उत्तर प्रदेश और बिहार में हैं, ऐसे में रेलवे ने इन ट्रेनों के लिए बिना भीड़भाड़ वाले मार्ग को अपनाने का फैसला किया है जो थोड़ा लंबा मार्ग हो जाता है। उन्होंने कहा, 'यह तरीका सामान्य दिनों में भी भीड़भाड़ से बचने के लिए अपनाया जाता है। उन्होंने कहा कि रेलवे एक जून से 100 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाएगा।

चीन सीमा...

गए निर्माण गतिविधियों पर चीनी सैनिक आपत्ति कर रहे हैं। संयोग से, गैल्वान घाटी ने अतीत में भी ऐसी स्थितियों का सामना किया है और दोनों सेनाओं ने यहां 1962 के युद्ध लड़ा था। सूत्रों ने कहा कि गालवान घाटी और नाला के सामरिक महत्व को देखते हुए भारतीय सेना ने भी अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। पिछले दो सप्ताह में या तो सिक्किम के नकु ला में कम से कम दो बार गतिरोध और लद्दाख में पैंगॉन्ग त्सो झील के साथ-साथ दोनों पक्षों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़पें हो चुकी हैं।

देश में...

हुई है। मध्य प्रदेश में यह संख्या 272 है, पश्चिम बंगाल में 265 और दिल्ली में संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले मरीजों की संख्या 208 है। राजस्थान में संक्रमण के कारण 153 लोगों की मौत हुई, उत्तर प्रदेश में 152 की, तमिलनाडु में 98 की और आंध्र प्रदेश में 55 लोगों की मौत हुई। कोविड-19 के कारण तेलंगाना में मृतक संख्या 45, कर्नाटक में 41 और पंजाब में 39 पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर में 20 लोगों की, हरियाणा में 16 की, बिहार में 11 की, ओडिशा में सात की, केरल तथा असम में चार-चार लोगों की मौत हुई।

मोदी ने राजपक्षे, जगन्नाथ से कोविड-19 और इसके आर्थिक प्रभावों पर चर्चा की

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री पी के जगन्नाथ से बातचीत की और कोविड-19 महामारी और इसके आर्थिक प्रभावों से निपटने में हर संभव समर्थन देने की बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट में कहा कि श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से बातचीत हुई। श्रीलंका कोविड-19 से उनके नेतृत्व में प्रभावी ढंग से लड़ाई लड़ रहा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने आज श्रीलंका के राष्ट्रपति महामहिम गोटबाया राजपक्षे से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान कोविड-19 महामारी के मौजूदा प्रकोप के साथ-साथ इस क्षेत्र में इसके संभावित स्वास्थ्य और आर्थिक प्रभावों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति को यह आश्वासन दिया कि भारत महामारी के प्रभावों को कम करने के लिए श्रीलंका को हरसंभव सहायता निरंतर जारी रखेगा। राष्ट्रपति राजपक्षे ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश में आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए अपनी सरकार द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों के बारे में जानकारी दी। इस संदर्भ में दोनों ही राजनेताओं ने श्रीलंका में कार्यान्वित की जा रही भारतीय सहायता प्राप्त विकास परियोजनाओं में तेजी लाने की आवश्यकता पर सहमति जताई। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत के निजी क्षेत्र द्वारा श्रीलंका में निवेश और मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने आज मॉरीशस के प्रधानमंत्री पी के जगन्नाथ से भी बातचीत की। मोदी ने ट्वीट किया, गर्मजोशी भरे बातचीत के लिए धन्यवाद प्रधानमंत्री पी के जगन्नाथ। मॉरीशस में कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए बधाई। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच चर्चा के दौरान चक्रवात अम्फान से भारत में हुए नुकसान के लिए प्रधानमंत्री जगन्नाथ ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने भारतीय नौसेना के जहाज केसरी को ऑपरेशन सागर के हिस्से के रूप में मॉरीशस भेजने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। गौरतलब है कि कोविड -19 महामारी के खिलाफ लडाई में मॉरीशस के स्वास्थ्य अधिकारियों की मदद करने के लिए दवाओं की खेप और 14 सदस्ईय मेडिकल टीम के साथ जहाज मॉरीशस पहुंचा था। बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और मॉरीशस के लोगों बीच विशेष संबंधों को याद किया और कहा कि भारत इस संकट के समय में अपने मित्रों का समर्थन करने के लिए कर्तव्यबद्ध है। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री जगन्नाथ के नेतृत्व में मॉरीशस द्वारा कोविड -19के खिलाफ प्रभावी उपायों की प्रशंसा की, जिसके परिणामस्वरूप पिछले कई हफ्तों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है।

पटना में राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के दौरान दानापुर रेलवे स्टेशन पर एक लोकल ट्रेन में सवार होते प्रवासी

कोविड-19 के मरीजों पर पतंजलि की दवाओं के क्लीनिकल ट्रायल को मंजूरी नहीं

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

सोशल मीडिया पर बवाल मचने के बाद जिला प्रशासन ने शनिवार को इस बात से इंकार किया कि उसने योग गुरु रामदेव के पतंजलि समूह की कुछ आयुर्वेदिक दवाओं को कोविड-19 के मरीजों पर चिकित्सकीय रूप से परखे जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। स्थानीय मीडिया में छपी खबरों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया पर कई लोगों ने जिला प्रशासन पर निशाना साधा है। इन खबरों में दावा किया गया है कि कुछ आयुर्वेदिक दवाओं को कोविड-19 के मरीजों पर परखे जाने को लेकर पतंजलि समूह के प्रस्ताव को प्रशासन ने हरी झंडी दिखा दी है।

सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं का कहना है कि मरीजों पर दवाओं के चिकित्सकीय परीक्षण की मंजूरी सरकार की नियामकीय संस्थाएं देती हैं और प्रशासन को इस तरह के किसी भी प्रस्ताव को अनुमति देने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। इस विवाद के बारे में पूछे जाने पर जिलाधिकारी मनीष सिंह ने पीटीआई-भाषौ से कहा, अव्वल तो एलोपैथी दवाओं की तरह आयुर्वेदिक औषधियों के मरीजों पर क्लीनिकल ट्रायल (चिकित्सकीय परीक्षण) किए ही नहीं जाते। बहरहाल, हमने पतंजलि समूह की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर इस तरह के किसी ट्रायल की फिलहाल कोई औपचारिक मंजूरी नहीं दी है।

सिंह ने हालांकि पतंजलि के नाम का जिक्र किए बगैर बताया कि जिले के पृथक-वास केंद्रों में रखे गए कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें एलोपैथी दवाओं के साथ ही अश्वगंधा और अन्य जड़ी-बूटियों से बनी आयुर्वेदिक दवाएं भी दी जा रही हैं। डॉक्टर इन मरीजों की सेहत पर बराबर निगाह रख रहे हैं। प्रदेश सरकार के एक आला अधिकारी ने बताया कि पतंजलि समूह की एक इकाई ने इंदौर में कोविड-19 के मरीजों की सहमति लेने के बाद उन पर अपनी कुछ आयुर्वेदिक दवाओं का असर परखने की मंजूरी के लिए एक प्रस्ताव हाल ही में भेजा है। इस प्रस्ताव को जिलाधिकारी की ओर बढ़ाया गया था। इंदौर, देश में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल है और महामारी का प्रकोप कायम रहने के कारण यह रेड जोन में बना हुआ है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक जिले में अब तक इस महामारी के 2,933 मरीज मिले हैं। इनमें से 111 मरीजों की मौत हो चुकी है।

उद्धव ठाकरे की अपील पर 21000 से अधिक लोग आगे आए

भाषा। मुम्बई

कोरोना वायरस महामारी से मुकाबला करने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अपील पर अपनी सेवा की पेशकश करने वाले 21,752 कोविड योद्धाओं को ठाकरे ने शनिवार को पत्र लिखा और उनसे कहा कि उनके इस कदम से उन्हें ताकत मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महामारी के खिलाफ वे जो काम करेंगे, वह ईश्वर और देश के प्रति सेवा होगी। ठाकर ने पत्र में लिखा है, आप राज्य के हर नागरिक के साथ एक सिपाही की भांति जुड़ गए हैं। इस लड़ाई से आपके जुड़ जाने पर मुझे ताकत मिलती है। इस संघर्ष में कोविड योद्धाओं के रूप में उतर जाने के ठाकरे के आह्वान पर तैयार 21,752 लोगों में से 12,203 मेडिकल पेशे से जुड़े लोग जैसे डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, अर्धचिकित्साकर्मी, वार्ड ब्वाय, प्रयोगशाला तकनीशियन हैं और उनमें से कई ने राज्य के रेड जोन में काम करने की इच्छा प्रकट की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इन योद्धाओं में शिक्षक, सुरक्षागार्ड, सामाजिक कार्यकर्ता जैसे गैर मेडिकल क्षेत्र के लोगे भी हैं और उनकी संख्या 9,649 है। बयान में कहा गया है, 3716 लोगों ने रेड जोन में काम करने की इच्छा प्रकट की है। मुम्बई में 3766 आवेदन मिले हैं जिनमें से 1785 मेडिकल क्षेत्र से हैं। उन्होंने महानगर में तैयार किए जा रहे विशाल कोविड सुविधा केंद्र में काम करने की इच्छा व्यक्त की है। ठाकरे ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखकर उनके प्रति आभार प्रकट किया है।

ठाकरे, पवार ने समीक्षा बैठक की

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राकांपा (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को राज्य में कोविड-19 के हालात को लेकर समीक्षा बैठक की। इस मुद्दे पर पिछले आठ दिन में दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी बैठक थी। राकांपा ने ट्वीट किया कि पार्टी के महाराष्ट्र इकाई प्रमुख और जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल, शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत और मुख्य सचिव अजय मेहता भी बैठक में मौजूद थे। राउत ने दिन में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की और उसके बाद बैठक हुई, जिसे राजभवन के एक बयान में शिष्टाचार भेंट बताया गया। राकांपा प्रमुख राज्य में चरणबद्ध तरीके से आर्थिक गतिविधियां और राज्य के अंदर ही सड़क परिवहन दोबारा शुरू किए जाने पर जोर दे रहे हैं। साथ ही पवार आयात-निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उद्योगपतियों और विशेषज्ञों से विचार-विमर्श करने भी जोर दे रहे हैं। महाराष्ट्र में शुक्रवार तक कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 44,582 मामले थे और।,517 लोगों की मौत हो चुकी है।

महाराष्ट्र सरकार छोटे कारोबारों के लिए पैकेज की घोषणा करेगी

भाषा। मुम्बई

महाराष्ट्र सरकार छोटे कारोबारों एवं शिल्पियों की मदद के लिए शीघ्र ही एक पैकेज की घोषणा करेगी। ग्रामीण विकास मंत्री हसन मुश्रीफ ने शनिवार को यह बात कही। विपक्षी भाजपा ने मांग की है कि शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन सरकार कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन से प्रभावित हुए लोगों की मदद के लिए केंद्र की तर्ज पर पैकेज का ऐलान करे।

मुश्रीफ ने कहा, मंत्रीगण मांग करते आ रहे हैं कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे एवं उपमुख्यमंत्री बारा बलुतेदार के लिए पैकेज की घोषणा करें। बारा बलुतेदार शिल्पियों समेत ग्राम्य अर्थव्यवस्था के विभिन्न घटकों के लिए मूल रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। मंत्री ने कहा, हमें पक्का यकीन है कि महाराष्ट्र सरकार शीघ्र ही पैकेज घोषित करेगी जो विपक्ष का मुंह बंद कर देगा। राकांपा नेता ने कहा कि इससे छोटे व्यापारियों, रिक्शा ड्राइवरों, फल विक्रेताओं और अन्य को मदद मिलेगी जो अपने कामधंधे नहीं कर पा रहे हैं और जिनके सपने पिछले दो महीने में चकनाचूर हो गए। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री ने इस पर काम करना शुरू कर दिया है। दिन में उससे पहले मुश्रीफ ने केंद्र के 20 लाख करोड़ रूपए के पैकेज को खारिज करते हुए दावा किया था, उसने (केंद्र) एमएसएमई के लिए तीन लाख करोड़ रूपए के ऋण का ऐलान किया। क्या बैंक उन्हें पैसे देंगे। कोई उन्हें पैसे नहीं देगा। खर्च करने और ऋण देने में बड़ा फर्क है। यह कुछ नहीं बल्कि ऋण सुविधा है। लोग लाभान्वित नहीं होने जा रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने शुक्रवार को लॉकडाउन से प्रभावित लोगों के लिए 50000 करोड़ रूपए का पैकेज मांगा था।

नई दिल्ली में राष्ट्रव्यापी बंद के दौरान स्वयं सेवा में हिस्सा लेते एक प्रवासी कार्यकर्ता अजीत लोचन मिश्रा

महाराष्ट्र पुलिस के 1,671 कर्मी अब तक संक्रमण की चपेट में आए, 18 की मौत

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र में कोविड-19 से अब तक एक अधिकारी समेत कम से कम 18 पुलिस कर्मियों की मौत हो चुकी है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य में लॉकडाउन का पालन कराने में जुटी महाराष्ट्र पुलिस गंभीर रूप से इस महामारी की चपेट में है। अधिकारी ने बताया कि अभी तक विभाग के 174 अधिकारियों और 1,497 अन्य कर्मचारियों समेत 1,671 कर्मी संक्रमण का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में संक्रमण और इससे हुई मौत के सर्वाधिक मामले मुंबई पुलिस में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक कोविड-19 से ग्रसित कम से कम 42 पुलिस अधिकारी और 499 कांस्टेबल उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके हैं।

संक्रमण के खतरे के अलावा पुलिस को लॉकडाउन का पालन कराने के लिए जनता के गुस्से का भी शिकार होना पड़ रहा है। अधिकारी ने कहा कि राज्य भर में पुलिस पर हमले की 246 घटनाएं सामने आ चुकी हैं जिनमें 85 पुलिसकर्मी और एक होमगार्ड घायल हुआ। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत एक लाख से अधिक मामले दर्ज किए और इन मामलों में 22,753 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने राज्य में मुंबई को छोड़कर अन्य स्थानों पर पृथक-वास के नियम का उल्लंघन करने वाले 680 लोगों को खोज निकाला।

जम्मू-कश्मीर में कोविड-19 से एक महिला की मौत, कुल मृतकों की संख्या 21 हुई

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को कोरोना वायरस से संक्रमित एक महिला की मौत हो गई। इसके साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में कोविड-19 से मरने वालों की कुल संख्या 21 हो गई है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. फारूक जान ने बताया कि शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसकेआईएमएस) में दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के बोटेंगो इलाके की रहने वाली 55 वर्षीय महिला की मौत कोविड-19 की वजह से हो गई। उन्होंने बताया कि महिला को सांस लेने की समस्या की समस्या के साथ सेप्सिस था। उसकी मौत कई अंगों के काम नहीं करने की वजह से हुई।

डॉ.जान ने बताया कि महिला को गंभीर हालत में एसकेआईएमएस अस्पताल में छह मई को भर्ती कराया गया था और जांच में उसके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी।

पूरे कोलकाता में बिजली, पानी संकट को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन

भाषा। कोलकाता

चक्रवात अम्फान से प्रभावित कोलकाता के कई इलाकों में पानी और बिजली की आपूर्ति न होने से परेशान लोगों ने शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन किए। महानगर के दक्षिणी हिस्से में स्थित बेहाला से लेकर उत्तरी हिस्से के बेलघरिया तक लोगों ने तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया और जगह-जगह सड़कों को खाली बाल्टी और बर्तनों से अवरुद्ध कर दिया।

नारकेलडांगा और तेलंगबागान के अलावा सपुइपाड़ा और जादवपुर में पल्लीश्री इलाकों, गरफा मे भी विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे अत्यधिक कठिनाई में हैं क्योंकि पिछले तीन दिनों से बिजली नहीं आ रही है और न ही पानी की आपूर्ति हो रही है और बिजली आपूर्तिकर्ताओं सीईएससी और डब्ल्यूबीएसईडीसीएल से भी कोई जवाब नहीं मिल रहा है। प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। उन्होंने कहा कि बिजली की कटौती के कारण पानी की लोगों के घरों तक आपूर्ति नहीं हो रही है, जिससे इस गर्मी में विकट स्थिति पैदा हो गई है। हालांकि, कुछ प्रदर्शनकारियों ने मौसम कार्यालय द्वारा चक्रवात की गंभीरता के बारे में बार-बार चेतावनी जारी किए जाने के बावजूद कोलकाता नगर निगम (केएमसी) की ओर से की गई तैयारियों में कमी को जिम्मेदार ठहराया, जबकि कई ने बिजली आपूर्तिकर्ताओं की प्रतिक्रिया पर उंगली उठाई। जादवपुर के एक व्यक्ति ने कहा, सीईएससी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है कि बिजली आपूर्ति कब बहाल होगी। हमारे क्षेत्र में ट्रांसफार्मर पर गिरे एक पेड़ को अभी तक नहीं हटाया गया। केएमसी कर्मचारियों ने कहा कि उनके पास उपकरण नहीं हैं, जबकि सीईएससी ने कहा कि वे पेड़ को हटाए जाने के बाद ही काम शुरू कर सकते हैं। हम अमानवीय परिस्थितियों में रह रहे हैं। कई अन्य लोगों ने कहा कि बिजली और इंटरनेट की समस्या के कारण वे घर से काम जारी नहीं रख सकते। बहरहाल, दोनों बिजली आपूर्तिकर्ताओं के अधिकारियों ने कहा कि पूरे शहर में हजारों पेड़ उखड़ गए हैं, जिसके कारण बिजली आपूर्ति बहाल करने में समय लग रहा है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने दिवंगत सिपाही की पत्नी को दस लाख रुपए का चेक सौंपा

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को सिपाही संजय गुर्जर की पत्नी को दस लाख रुपए का चेक सौंपा, जिनकी यहां ड्यूटी के दौरान मृत्यु हो गई थी। कोरोना योद्धा एक पृथक-वास केंद्र में इस महीने की शुरुआत में पीपीई किट देने के बाद अपने घर लौट रहे थे तभी वह अपनी मोटरसाइकिल से गिर पड़े। एक दिन बाद अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। दिवंगत सिपाही की पत्नी प्रियंका को मुख्यमंत्री राहत कोष से दस लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी गई। मुख्यमंत्री आवास पर चेक सौंपने के बाद रावत ने उन्हें हर तरह से सहयोग करने का आश्वासन दिया और डीआईजी अरूण मोहन जोशी से कहा कि पुलिस विभाग में उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाएं।

Public Notice

I Bharat Bhushan Kapoor S/O Late Tej Bhan and Smt. Pushpa Kapoor W/O Sh. Bharat Bhushan Kapoor both R/O E-19/94-95, Sector-3, Rohini, New Delhi - 110085 confirms that we have evicted our elder son Mr. Manoj Kapoor S/o Bharat Bhushan Kapoor and our Daughter-in-law Pooja W/o Sh. Manoj Kapoor both R/o E-19/94-95 Sector -3, Rohini, New Delhi-110085 from our movable and unmovable property and our life from immediate effect. Any person dealing with them directly or indirectly, we are not responsible for any loss or damage.

Date : 19/05/2020

एचएचओ आत्महत्या प्रकरण की जांच सीआईडी के वरिष्ठ अधिकारी करेंगे

भाषा। जयपुर

राजस्थान के चुरू जिले में एक थाना प्रभारी (एसएचओ) ने शुक्रवार रात अपने सरकारी आवास में कथित रूप पर आत्महत्या कर ली। मामले की जांच सीआईडी (अपराध शाखा) के वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार राजगढ़ के एसएचओ विष्णु दत्त का शव शनिवार को उनके आवास पर फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला था।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पुलिस महानिदेशक भूपेंद्र सिंह ने थानाधिकारी विष्णुदत्त आत्महत्या प्रकरण की जांच सीआईडी (क्राइम ब्रांच) के वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी है। सिंह ने विष्णुदत्त को पुलिस बेड़े के होनहार व सर्वश्रेष्ठ अधिकारियों में से एक बताते हुए कहा है कि उनके इस तरह से असामयिक निधन से पूरा पुलिस परिवार आहत है। सिंह ने बताया कि इस अप्रत्याशित घटना की परिस्थितियों की सीआईडी क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में जांच शुरू कर दी गई है। इन अधिकारियों को यथाशीघ्र जांच पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस महानिदेशक के अनुसार इस कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की आत्महत्या की घटना पुलिस परिवार के लिए दुखद है। इस दुखद घटना के बारे में कुछ लोग भ्रामक बातें फैलाने का प्रयास कर रहे है। इसे अनुचित बताते हुए उन्होंने कहा कि अनावश्यक भ्रम फैलाना उस जांबाज अधिकारी का अपमान है।

वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने इस एसएचओ विष्णुदत्त के आसमयिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। गहलोत ने ट्वीट किया है, राजस्थान पुलिस के निरीक्षक विष्णुदत्त विश्नोई की दुखद मृत्यु पर हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ। उनकी राजस्थान पुलिस में सेवाएं उल्लेखनीय रही हैं। उनकी सेवा व कर्तव्यनिष्ठा को सदैव याद रखा जाएगा। वहीं पायलट ने लिखा है, राजस्थान पुलिस के कर्तव्यनिष्ठ वृत्त निरीक्षक विष्णुदत्त बिश्नोई द्वारा आत्महत्या करना बेहद दु:खद है। मैं उनके निधन पर संवेदना व्यक्त करता हूँ और उनके परिवारजनों को ढांढस बंधाता हूँ। इसके साथ ही पायलट ने लिखा है, मुझे विश्वास है की ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर उचित जाँच कराई जाएगी। वहीं मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनियां ने बिश्नोई द्वारा आत्महत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया है। इसके साथ ही उन्होंने घटना की वस्तुस्थिति जाँचने के लिए उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व सांसद राहुल कस्वां को राजगढ़ भेजा है।

गुजरात में 22.5 लाख प्रवासियों में 7,512 प्रवासी यात्रा भत्ता पाने के लिए योग्य

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात उच्च न्यायालय को राज्य सरकार ने यह बताया है कि राज्य में अंतरराज्ईय प्रवासी कामगार अधिनियम के तहत सिर्फ 7,512 प्रवासियों ने पंजीकरण कराया और वे यात्रा भत्ता के लिए पात्र हैं। सरकार ने एक जनहित याचिका पर अपने लिखित जवाब में न्यायमूर्ति जे बी परदीवाला और न्यायमूर्ति आई जे वोरा की खंडपीठ को शुक्रवार को यह जानकारी दी कि राज्य के श्रम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक करीब 22.5 लाख अंतरराज्ईय कामगार गुजरात में रहते हैं। इसमें कहा गया है , लेकिन 1979 का यह अधिनयिम सिर्फ 7,512 कामगारों पर लागू होता है , जिन्होंने अधिनियम के तहत पंजीकरण कराया था।

इसमें कहा गया है , 22.5 लाख प्रवासी कामगारों में से ज्यादातर लोग खुद ही आए थे और अधिनियम की धारा 14 और 15 के तहत उनके लिए यात्रा एवं विस्थापन भत्ता लागू नहीं होता है। धारा 14 और 15 के तहत ठेकेदारों द्वारा कामगारों को यात्रा एवं विस्थापन भत्ता देने की जरूरत है। अदालत अधिवक्ता आनंद याज्ञनिक की एक जनहित याचिका पर और स्वत : संज्ञान वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सरकार ने कहा कि 22.5 अंतरराज्ईय प्रवासी कामगारों में 11.5 लाख नियोजित हैं और वे सूरत में तथा उसके आसपास के इलाकों में हैं। सरकार ने कहा कि 31 मई तक सिर्फ 1.5 लाख प्रवासी कामगार सूरत में बचे रह गए होंगे , जिनमें से 1.15 लाख काम पर लौट चुके हैं। गुजरात के अन्य जिलों के करीब 3.94 लाख कामगार भी सूरत में नियोजित थे लेकिन उनमें से ज्यादातर लोग 30,975 बसों से अपने गृह नगर लौट गए।

छ.ग. स्टेट वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन
प्रधान कार्यालय ग्राम-झांझ, सेक्टर-24, अटल नगर, रायपुर (छ.ग.)

क्र./छगवेका/निर्माण/2020-21/4570 — रायपुर दि- 21.05.2020

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal : https://eproc.cgstate.gov.in/

छ.ग. स्टेट वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक की ओर से ऑनलाईन निविदाएं छ.ग. शासन के लो.नि.वि. में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र ''अ'' में लो.नि.वि. दर अनुसूची से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रण सूचना के अंतर्गत टेण्डर नं. 64217 शाखा करपावंड (जिला-बस्तर) में 5400 मे.टन, टेण्डर नं. 64220 शाखा सुकमा (जिला-सुकमा) में 3600 मे. टन, टेण्डर नं. 64221 शाखा सारंगढ़ (जिला रायगढ़) में 2800 मे. टन, टेण्डर नं 64226 शाखा तिल्दा (जिला रायपुर) में 50000 मे. टन, टेण्डर नं. 64233 शाखा चांपा (जिला- जांजगीर-चांपा) में 50000 मे टन, टेण्डर नं 64240 शाखा जशपुर (जिला जशपुर) में 9000 मे टन, टेण्डर नं. 64263 शाखा बतौली (जिला सरगुजा) में 20000 मे टन, टेण्डर नं. 64267 शाखा लखनपुर (जिला सरगुजा) में 9000 मे टन, टेण्डर नं. 64272 शाखा बोड़सागर (जिला जांजगीर) में 10000 मे. टन, टेण्डर नं. 64275 शाखा बगीचा (जिला जशपुर) में 9000 मे टन एवं टेण्डर नं. 64319 शाखा सूरजपुर (जिला सूरजपुर) में (सेल्फ सपोर्टेड रूफिंग) 15000 मे टन क्षमता गोदाम निर्माण कार्य की पृथक-पृथक निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा की अंतिम तिथि दिनांक 25.06.2020 तक है। निविदा की विस्तृत जानकारी Help-desk Contractors may contact e-procurement help desk for any clarification of their doubts regarding the on line process. For more details, please get in touch with e-Procurement system integrator, M/S Mjuction Services Limited, Raipur 492 001 on Toll Free 18002582502 or email helpdesk.eproc@cgswan.gov.in any further amendment/corrigendum for the tender will be published only online on the https://eproc.cgstate.gov.in/

Samvad - 25462/5 — कार्यपालन अभियंता (समिति)

हर्था ने खाली ओलंपिक स्टेडियम में यूनियन को 4–0 से मात दी

बर्लिन। मेजबान हर्था ने 74,000 दर्शकों की क्षमता वाले खाली स्टेडियम में यूनियन पर बुंदेसलीगा फुटबॉल मैच में 4-0 की शानदार जीत हासिल की। कोरोना वायरस से बचने के लिए सख्त दिशानिर्देशो के अंतर्गत बुंदेसलीगा पिछले हफ्ते ही शुरू हुई है। हर्था दूसरे दौर के शुरूआती मैच में जीत की बदौलत 10वें स्थान पर पहुंच गया जिसमें उसके लिए दूसरे हाफ में वेदाद इबिसेविच, डोडी लुके बाकियो, माथियस कुन्हा और देड्रियिक बोयाता ने गोल दागे। हर्था के कोच ब्रुनो लाबाडिया ने कहा, अगर हम 75,000 दर्शकों के सामने यह मैच खेले होते तो यह शानदार होता। लेकिन मुझे उम्मीद है कि प्रशंसकों ने कम से अपने घर के टीवी पर तो इस मैच का आनंद उठाया होगा।

हॉकी खिलाड़ी घर जा सकते है लेकिन वापस आने के बाद पृथकवास में रहना होगा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) स्थित खिलाड़ी चाहे तो अपने घर जा सकते है लेकिन वापसी के बाद उन्हें 14 दिन पृथक्वास में रहना होगा। ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके टीम के खिलाड़ियों को कोविड-19 महामारी से सुरक्षित वातावरण मुहैया करने के लिए हॉकी इंडिया ने एसओपी जारी की है। यह दिशानिर्देश सीनियर के साथ जूनियर राष्ट्रीय टीम को भी मानने होंगे।

तमिलनाडु के पूर्व फुटबॉलर और कोच षणमुघम का निधन

चेन्नई। तमिलनाडु के फुटबॉल खिलाड़ी और कोच आर षणमुघम का शनिवार को यहां उम्र सबंधित बीमारी के कारण निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी है। षणमुघम का जन्म 1943 में बर्मा (अब म्यांमा) में हुआ था, उन्होंने 1966-67 में बर्मा की जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

जून में टेनिस टूर्नामेंट में भाग लेंगी ग्रैंडस्लैम विजेता एंद्रिस्कू और केनिन

मियामी। ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली दो टेनिस खिलाड़ी बियांका एंद्रिस्कू और सोफिया केनिन जून में दक्षिण कैरोलिना के चार्ल्सटन में होने वाले निमंत्रण महिला टेनिस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 16 खिलाड़ियों में शामिल होंगी। टेनिस डाट काम पर जारी विज्ञप्ति के अनुसार द टेनिस चैनल इसका प्रसारण करेगा और इसमें 16 डब्ल्यूटीए खिलाड़ी हिस्सा लेंगी जिन्हें टीमों में विभाजित किया जाएगा और ए 16 एकल मैच और आठ युगल मैच खेलेंगी।

बीमारी फैलने का खतरा न हो तब हो क्रिकेट : आईसीसी

● आईसीसी ने खेल को शुरु करने के लिए दिशानिर्देश जारी किया

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने सदस्य देशों को क्रिकेट गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि कई देश अभी कोविड–19 महामारी से जूझ रहे है ,ऐसे में स्थानीय स्तर पर संक्रमण के प्रसारण को ध्यान में रखना होगा। कई सदस्य देशों में महामारी को फैलने से रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए गए है। आईसीसी ने भी शुक्रवार को खेल को शुरु करने के लिए दिशानिर्देश जारी किया है जिसमें सुरक्षा प्रॉटोकॉल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। आईसीसी ने अपने दिशानिर्देश में कहा, क्रिकेट गतिविधियों को तभी शुरू करना चाहिए जब कोई जोखिम न हो। जोखिम की स्थिति में ऐसा करने से स्थानीय संक्रमण दर में वृद्धि हो सकती है। क्रिकेट खेलने वाले देशों में इंग्लैंड इस महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित है जबकि भारत और पाकिस्तान में पिछले कुछ सप्ताह में कोविड–19 के मामले तेजी से बढ़े है। इस खेल का संचालन करने वाली वैश्विक निकाय ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए कि किसी भी प्रशिक्षण सत्र या मैच से पहले क्रिकेट के माहौल से जुड़े जोखिम को कम किया जाए। इसमें खेल का मैदान, प्रशिक्षण स्थल, कमरे, उपकरण, गेंद के प्रबंधन शामिल है। इस महामारी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग जैसे चकाचौंध से भरे टूर्नामेंट और कई द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को स्थगित कर दिया गया है। क्रिकेट भले ही एक गैर-संपर्क खेल है, लेकिन आईसीसी इस अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट को देखते हुए सावधानी बरत रहा है। आईसीसी ने कहा कि उसके सदस्य देशों को उनसे संबंधित सरकारों के दिशा–निर्देश का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा, आईसीसी के सदस्य (और उससे से जुड़ी इकाई) को खेल को शुरू करने से जुड़ फैसला अपने संबंधित सरकारों के दिशा–निर्देश के मुताबिक करना चाहिए। जहां खेल गतिविधियों को सरकारों द्वारा स्पष्ट रूप से मना किया गया है वहां कोई भी क्रिकेट गतिविधि तब तक शुरू नहीं होनी चाहिए जब तक कि ऐसा करने की मंजूरी सरकार से नहीं मिल जाती है। अंतरराष्ट्रीय या घरेलू यात्रा और पृथकवास में भी सरकार के नियमों का पालन करना चाहिए। आईसीसी ने सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर खिलाड़ियों और अन्य सभी हितधारकों को करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

आईसीसी ने गेंदबाजों के लिए टेस्ट क्रिकेट की तैयारी का समय दो-तीन महीने तय किया

कोरोना वायरस महामारी के असर के कम होने के बाद की योजना

दुबई। कोरोना वायरस महामारी के असर के कम होने के बाद टेस्ट क्रिकेट बहाल होने के लिए गेंदबाजों का इंतजार अन्य खिलाड़ियों की तुलना में लंबा होगा क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उनके लिए तैयारी का समय दो से तीन महीने तय किया है ताकि वे चोटों से बच सकें। सदस्य देशों ने कोविड-19 महामारी रोकने के लिए लगी पाबंदियों में ढील दी है और आईसीसी ने शुक्रवार को खेल बहाल करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए। लेकिन गेंदबाजों को वापसी के लिए थोड़ा ज्यादा इंतजार करना होगा क्योंकि उनके चोटिल होने की संभावना अधिक होती है। खेल की विश्व संचालन संस्था ने इन दिशानिर्देशों में लिखा, टेस्ट क्रिकेट में गेंदबाजों की तैयारी के लिए कम से कम आठ से 12 हफ्ते का समय चाहिए होगा। आईसीसी ने कहा, गेंदबाजों को लंबे समय बाद खेल में वापसी पर चोटिल होने का ज्यादा जोखिम रहेगा। इसके अनुसार, खिलाड़ियों विशेषकर गेंदबाजों की सुरक्षित और प्रभावित वापसी जरूरी होगी। अगर उनकी (गेंदबाजों की) तैयारी का समय सीमित होगा तो इससे ज्यादा चोटें लगेंगी। पाकिस्तान को अगस्त में इंग्लैंड का दौरा करना है जिसमें उसे तीन टेस्ट और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने है, इन मैचों का आयोजन बंद स्टेडियम में किया जाएगा। इंग्लैंड के 18 गेंदबाजों ने आगामी सत्र की तैयारियों के लिए गुरुवार से सात कांउटी मैदानों में व्यक्तिगत ट्रेनिंग सत्र शुरू कर दिए। आईसीसी ने कहा कि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में गेंदबाजों को वापसी की तैयारी के लिए कम से कम पांच से छह हफ्ते का समय जरूरी होगा। वहीं वनडे के लिए तैयारी का न्यूनतम समय छह हफ्ते तय किया गया है। आईसीसी ने टीमों को ज्यादा खिलाड़ियों के इस्तेमाल की सलाह दी और गेंदबाजों पर पड़ने वाल भार के प्रति सतर्कता बरतने की सलाह भी दी। साथ ही उसने कहा कि टेस्ट क्रिकेट की तैयारी के लिए कम से कम आठ से 12 हफ्तों का समय जरूरी होगी। इस महामारी के चलते अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट निलंबित है जिससे दुनिया भर में तीन लाख से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। अन्य खेलों की तरह क्रिकेट मार्च से ही स्थगित है।

निकट भविष्य में कोई खेल प्रतियोगिता नहीं

● दर्शकों के बिना खेलने का अभ्यस्त होना होगा

भाषा। नई दिल्ली

खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि कोविड–19 महामारी के मद्देनजर भारत निकट भविष्य में किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं करेगा और प्रशंसकों को बिना दर्शकों के स्टेडियम में होने वाली गतिविधियों का लुत्फ उठाने के बारे में सीखना होगा। रीजीजू की इस बात का प्रभाव सबसे ज्यादा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पर पड़ेगा। ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तावित टी20 विश्व कप के स्थगित होने की स्थिति में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अक्टूबर–नवंबर में इसके आयोजन की योजना बना रहा है। हम खेल गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए काफी समय से काम कर रहे हैं लेकिन इससे पहले हमें अभ्यास और प्रशिक्षण के बारे में सोचना होगा। हम तुरंत टूर्नामेंट शुरू करने की स्थिति में नहीं है। हमें ऐसी स्थिति के साथ रहने के बारे में सीखना होगा जहां स्टेडियम में दर्शकों के बिना खेल गतिविधियों का संचालन होगा। कोविड–19 महामारी के कारण अनिश्चित काल के लिए स्थगित किए गए आईपीएल के 13वें संस्करण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि देश में किसी भी टूर्नामेंट का आयोजन करने से जुड़ा निर्णय लेने का विशेषाधिकार सरकार के पास है। भारत में इस बारे में सरकार को फैसला करना है और वह स्थिति को देखने के बाद फैसला करेगी। हम स्वास्थ्य को जोखिम में डाल कर खेलों का आयोजन नहीं कर सकते। हमारा ध्यान कोविड–19 से लड़ने पर है और स्थिति को सामान्य करने पर काम कर रहे है। किसी तारीख के बारे में बताना मुश्किल होगा लेकिन मुझे यकिन है कि हमारे पास इस साल कुछ खेल प्रतियोगिताएं होंगी। एक साल तक स्थगित हुए तोक्यो ओलंपिक की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इन खेलों का आयोजन नई तारीखों पर होगा।

कंप्यूटर के आने के बाद शतरंज खेलने का तरीका बदल गया: आनंद

मुंबई। पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथ आनंद ने कहा कि कंप्यूटर के आगमन ने खिलाड़ियों के शतरंज खेलने के तरीके को बदल दिया जिससे दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बैठने का स्थान नहीं बदलता। इस पूर्व विश्व चैम्पियन ने अपने करियर के बारे में बताया कि वह आज जिस मुकाम पर हैं उसके लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ी। मैं जब छह साल का था तब मेरे बड़े भाई और बहन शतरंज खेल रहे थे। फिर मैं अपनी माँ के पास गया और उनसे मुझे भी इस खेल को सिखाने के लिए कहा। शतरंज के खिलाड़ी के रूप में मेरी प्रगति अचानक नहीं हुई थी, यह कई वर्षों में कड़ी मेहनत का नतीजा है। मैंने 80 के दशक में जो शतरंज सीखा था उसमें काफी बदलाव आ गया। कम्प्यूटर के आने से खेलने का तरीका काफी बदल गया। जिस चीज में बदलाव नहीं आया वह था दो खिलाड़ियों के बीच मुकाबला। शतरंज में आपको प्रतिद्वंद्वी के खेल का लगातार अध्ययन करने के अलावा उसके दिमाग में क्या चल रहा इस पर भी ध्यान देना होता है। शतरंज में अपको दूसरे खिलाड़ी को हराना होता है। सबको लगता है कि वह सर्वश्रेष्ठ चाल चल रहा है लेकिन यह इस बारे में है कि कौन बोर्ड पर आखिरी गलती करता है।

गेंद पर लार के इस्तेमाल पर रोक मुश्किल होगी: ली

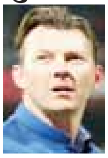

भाषा। मुंबई

आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को लगता है कि कोविड–19 महामारी के कम होने के बाद गेंद पर लार के इस्तेमाल करने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के ताजा दिशानिर्देशों को लागू करना मुश्किल होगा। अनिल कुंबले की अगुआई वाली आईसीसी की क्रिकेट समिति ने अपनी बैठक में महामारी के चलते गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की सिफारिश की। आईसीसी ने शुक्रवार को जारी अपने दिशानिर्देशों में कहा कि गेंद को चमकाने के लिए लार का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। ली ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टिड पर कहा, जब आपने आठ, नौ, 10 साल की उम्र से पूरी जिंदगी यही किया हो जिसमें आप अपनी ऊंगली को चाटकर लार गेंद पर लगाते हो, तो रातोंरात इसके बदलना भी बहुत मुश्किल होगा। ली हालांकि उम्मीद करते हैं कि इस संबंध में विश्व क्रिकेट संस्था थोड़ी ढिलाई बरतेगी। इसलिए मुझे लगता है कि एक आध बार ऐसा होगा या आईसीसी को थोड़ी ढिलाई बरतनी होगी क्योंकि ऐसा करने पर चेतावनी हो सकती है।

लार के बिना गेंद को चमकाने का तरीका ढूंढ लेंगे: वोक्स

लंदन। इंग्लैंड के हरफनमौला क्रिस वोक्स का मानना है कि गेंदों पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाना कोई मुद्दा नहीं होगा क्योंकि गेंदबाज गेंद को चमकाने के अन्य तरीके ढूंढ लेंगे। वोक्स का मानना है कि गेंद पर लार लगाना एक आदत है और क्रिकेट के फिर से शुरू होने पर इससे छुटकारा पाने के लिए कुछ अभ्यास करना होगा। अब आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि आप गेंद को चमकाने के लिए यह (लार का इस्तेमाल) सब नहीं कर सकते। गेंद पर लार के इस्तेमाल के बिना गेंदबाजों का काम कठिन हो जाएगा। मुझे गलत मत समझो, आप लार और पसीने के बिना भी गेंद को चमका सकते है लेकिन इससे वैसा प्रभाव नहीं पड़ेगा। आपको पैंट पर गेंद को रगड़ने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हमें गेंद को चमकाने का तरीका मिलेगा, शायद उसके लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़े।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में पुजारा को आउट करने का तरीका ढूढना होगा

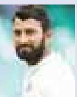

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि उन्हें चेतेश्वर पुजारा की काबिलियत के बारे में पता है और उन्हें इस साल घरेलू श्रृंखला में उनकी पारी को सस्ते में समेटने का तरीका ढूढ़ना होगा। पुजारा 2018-19 के दौरे पर शानदार लय में थे। कमिंस को यह अच्छे से याद है कि उनकी बल्लेबाजी के दम पर भारतीय टीम ने टेस्ट श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की थी। पुजारा ने उस श्रृंखला में 74.42 की औसत से 521 रन बनाए थे जिसमें में तीन शतक और एक अर्धशतकीय पारी शामिल था। कमिंस ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, उसने उस (2018-19) श्रृंखला में भारत के लिए रनों का अंबार लगाया था। वह ऐसे खिलाड़ियों में है जो क्रीज पर पैर जमाने के लिए समय लेता है और उन पर दबाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। उसने जिस तरह पिछली बार बल्लेबाजी की उसे रोकने का हमें तरीका ढूंढना होगा।

आईपीएल विश्व कप के बाद दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट : बटलर

लंदन। जोस बटलर को लगता है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने इंग्लिश क्रिकेट के विकास में मदद की है और साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि यह लुभावना टी20 टूर्नामेंट आईसीसी विश्व कप के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिता है। बटलर ने कहा कि वह इस साल के आईपीएल चरण का हिस्सा बनने के लिए बेताब है जिसे कोविड-19 महामारी के कारण अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। विश्व कप विजेता इंग्लैंड टीम का यह विकेटकीपर बल्लेबाज आईपीएल में दो फ्रेंचाइजी टीमों का हिस्सा रह चुका है। 2016-17 सत्र में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने के बाद बटलर 2018 में राजस्थान रायल्स का हिस्सा बने। बटलर ने बीबीसी पोडकास्ट द दूसरा में कहा, इसमें कोई शक नहीं कि आईपीएल ने इंग्लिश क्रिकेट के और पिछले कुछ वर्षों में जो खिलाड़ी इसमें शामिल हुए है, उनके विकास के मदद की है मैं इसमें खेलने के लिए बेताब था। मेरे हिसाब से यह विश्व कप के बाद विश्व का सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट है। आईपीएल की टीमों में खिलाड़ियों का मिश्रण शानदार है।

आस्ट्रेलिया की स्पिन गेंदबाजी का हो रहा है पतन : वार्न

मेलबर्न। महान गेंदबाज शेन वार्न का मानना है कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया को हर प्रथम श्रेणी मैच में स्पिनर को उतारना चाहिए ताकि देश में स्पिन गेंदबाजी का स्तर बेहतर हो सके जो इस समय तेजी से नीचे गिर रहा है। वार्न ने द वेस्ट आस्ट्रेलियन से कहा , स्पिनर को हर मैच खेलना चाहिए, चाहे हालात कैसे भी हो। ताकि स्पिनर समझ सके कि पहले या चौथे दिन कैसी गेंद डालनी है। इस समय हालात अनुकूल होने पर ही प्रांतीय टीमें उन्हें चुनती हैं। अगर वे प्रांतीय स्तर पर नहीं खेलेंगे तो सीखेंगे कैसे। प्रदेश की टीमों को हर मैच में एक विशेषज्ञ स्पिनर रखना चाहिए। क्रिकेट आस्ट्रेलिया को इसमें प्रयास करने होंगे। वार्न ने कहा कि नाथन लियोन की जगह लेने के लिए प्रतिभाशाली स्पिनर की कमी है। उन्होंने कहा कि ड्राप इन पिचों से स्पिनरों का विकास नहीं हो पा रहा है। एक समय में हर प्रदेश में हालात अलग होते है लेकिन अब कृत्रिम पिचों का इस्तेमाल हो रहा है। इनके अधिक इस्तेमाल से बचना होगा।

शारदुल आउटडोर ट्रेनिंग शुरू करने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर

पालघर (महाराष्ट्र)। तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर कोरोना वायरस के कारण दो महीने के ब्रेक के बाद शनिवार को आउटडोर ट्रेनिंग शू करने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने। भारत के लिए एक टेस्ट, 11 वनडे और 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले ठाकुर ने महाराष्ट्र के पालघर जिले के बोइसर में स्थानीय मैदान पर कुछ घरेलू खिलाड़ियो साथ अभ्यास शुरू किया। महाराष्ट्र सरकार ने ग्रीन और आरेंज क्षेत्र में दर्शकों के बिना व्यक्तिगत ट्रेनिंग के लिए स्टेडियम खोलने की अनुमति दे दी है। गृह मंत्रालय ने 31 मई तक लॉकडाउन के चौथे चरण में कुछ पाबंदियों में राहत दी है, जिसके बाद यह फैसला किया गया। ठाकुर ने पीटीआई-भाषा से कहा, हां, हमने आज अभ्यास किया। यह अच्छा रहा और दो महीने के बाद ट्रेनिंग करना निश्चित रूप से अच्छा था।

क्रिकेट को फिर पटरी पर लाने के लिए शेयरधारकों को समझौता और प्रयास करने होंगे: फिंच

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के सीमित ओवर के कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव के कम होने के बाद खेल को फिर से पटरी पर लाने के लिए दुनिया भर के क्रिकेट बोर्डों को समझौते के अलावा बड़ा प्रयास करना होगा। ऐसी अटकलें लगाई जा रही है कि आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप की जगह अक्टूबर-नवंबर में आईपीएल के 13वें चरण का आयोजन किया जा सकता है जिसे कोविड-19 महामारी के चलते अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया था। फिंच आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के संघ के बोर्ड सदस्य भी हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ आईपीएल के बारे में नहीं है बल्कि सभी हिस्सेधारकों को फिर से क्रिकेट वापसी के लिए समझौता करना होगा। फिंच ने सिडनी मार्निंग हेराल्ड से कहा, सिर्फ आईपीएल ही नहीं बल्कि सभी क्रिकेट के लिए काफी विभिन्न शेयरधारकों - संस्थानों, देशों, खिलाड़ियों और आईसीसी - को क्रिकेट वापसी के लिए समझौता करना पड़ेगा।

भारतीय-अमेरिकियों ने ओसीआई कार्डधारकों पर यात्रा अंकुशों में ढील का स्वागत किया

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकियों ने भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों यानी ओसीआई कार्डधारकों पर कोरोना वायरस की वजह से लगाए गए यात्रा संबंधी अंकुशों में ढील के भारत सरकार के फैसले का स्वागत किया है। ओसीआई कार्ड वैश्विक स्तर पर भारतीय मूल के लोगों को जारी किया जाता है। इन लोगों को वोट देने तथा सरकारी सेवा का हिस्सा बनने और कृषि भूमि खरीदने के अधिकार नहीं होता। हालांकि, इसके अलावा इन्हें भारतीय नागरिकों की तरह ही सभी अधिकार होते है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को विदेश में फंसे कुछ श्रेणियों के ओसीआई कार्डधारकों को देश में आने की अनुमति दे दी है। हालांकि, इससे पहले सरकार ने कोविड-19 महामारी की वजह से नए अंतरराष्ट्रीय यात्रा अंकुशों की वह से विदेशी नागरिकों और ओसीआई कार्डधारकों का वीजा स्थगित कर दिया था। भारत में वीजामुक्त यात्रा की छूट से अमेरिका जैसे देशों में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोगों और भारतीय नागरिकों को परेशानी हो रही थी। इनमें काफी संख्या में लोगों के बच्चे ओसीआई कार्डधारक है क्योंकि उनका जन्म यहां हुआ। आर्थिक संकट की वजह से अपनी नौकरी गंवा चुके कई भारतीय अभिभावकों भारत लौटने के लिए एयर इंडिया की विशेष उड़ानों में सवार होने की अनुमति नहीं मिल थी, क्योंकि उनके बच्चे ओसीआई कार्डधारक है इसके मद्देनजर कई लोगों ने अपनी परेशानी हो रही थी। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी दिक्कतों का जिक्र भारतीय नेताओं के समक्ष किया था। सामाजिक कार्यकर्ता और जयपुर फुट यूएसए के चेयरमैन प्रेम भंडारी ने कहा कि यह ओसीआई कार्डधारकों के लिए बड़ी राहत है। मुझे खुशी है कि भारत सरकार ने उनकी आवोज को चुना।

निर्यातक अच्छे बजारों और विशिष्ट उत्पादो की पहचान करें : प्रभु

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने निर्यातकों से संकट के इस समय निर्यात के लिए खास बाजारों और उत्पादों की पहचान करने को कहा है। प्रभु ने कहा कि कोविड-19 की वजह से इस समय वैश्विक बाजारों गंभीर संकट है, ऐसे में निर्यातकों को ऐसे बाजारों की तलाश करनी चाहिए जहां की सरकारों ने पैकेज के जरिए मांग को समर्थन दिया है। इसके लिए उन्होंने अमेरिका और यूरोप का उदाहरण दिया। निर्यातकों के संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के सदस्यों के साथ साथ ऑनलाइन परिचर्चा में प्रभु ने कहा, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार दोनों इस समय अपने सबसे गंभीर संकट के दौर में है। ऐसे में इस समय निर्यात क्षेत्र की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में निर्यात के लिए विशेष बाजारों और उत्पादों की पहचान करना आज समय की जरूरत है। प्रभु ने कहा कि निर्यातकों के समक्ष कर्ज मिलने में कठिनाई एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बैंकिंग क्षेत्र निर्यातकों की कर्ज की जरूरत पूरा करे।

प्रवासी श्रमिकों के घर चले जाने से परिधान क्षेत्र पर विशेष असर नहीं

कोयंबटूर। तिरुपुर के होजरी अब से प्रवासी श्रमिकों के अपने घर चले जाने से सिलेसिलाए परिधान क्षेत्र पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। निर्यातक इकाइयां प्रमुख उपभोक्ता देशों से ऑर्डरों का इंतजार कर रही है जिससे वे उत्पादन शुरू कर सकें। तिरुपुर में करीब 9,000 परिधान विनिर्माण और इससे संबद्ध मसलन डाइंग, कटिंग और एम्ब्रॉयडरी इकाइयां है। इनमें 1,500 निर्यात इकाइयां है। इन इकाइयों को छह लाख श्रमिक काम करते है। इनमें से 25 प्रतिशत यानी करीब 1.7 लाख ओड़िशा, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन की वजह से इकाइयों ने मार्च अंत से विनिर्माण बंद कर दिया है। इससे श्रमिक पिछले दो माह से बेरोजगार हो गए हैं। तिरुपुर निर्यातक संघ के सूत्रों ने कहा कि करीब 10,000 श्रमिक संभवतः अपने घरों को लौट गए है। हालांकि, जैसे ही उत्पादन शुरू होगा वे वापस आ जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि निर्यातक इकाइयों ने उपभोक्ता देशों को सैंपल भेजना शुरू कर दिया है। अगले कुछ माह में ऑर्डर मिलने शुरू होंगे, क्योंकि उस समय तक उन देशों में भी खुदरा केंद्र खुल जाएंगे।

कोविड-19 की स्थिति पर निर्भर करेगी आगे की कार्रवाई : सीतारमण

●2020-21 में भारत की अर्थव्यवस्था में संकुचन होगा

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने की आगे की कार्रवाई कोविड–19 की स्थिति पर निर्भर करेगी। उन्होंने यह बात भारतीय रिजर्व बैंक के इस अनुमान के बाद कही है कि 2020–21 में भारत की अर्थव्यवस्था में संकुचन होगा। कोरोना वायरस संकट के बीच अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए सरकार पहले ही 20.97 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा कर चुकी हैं। इनमें रिजर्व बैंक द्वारा 17 मई तक उठाए गए 8.01 लाख करोड़ रुपए की तरलता संवर्धन के उपाय भी शामिल हैं।

सीतारमण ने भाजपा नेता से नलिन कोहली के साथ संवाद में कहा कि आर्थिक वृद्धि दर का वास्तविक आकलन करना अभी संभव नहीं है, क्योंकि अभी यह बता पाना मुश्किल है कि यह महामारी कब शांम होती है। वित्त मंत्री ने कहा, मैं दरवाजे कतई नहीं बंद कर रही हूं। मैं उद्योग से जानकारी लेना जारी रखूंगी, हमने जो घोषणाएं की हैं उनका क्रियान्वयन किया जाएगा। आगे स्थिति क्या रहती है उसी के हिसाब से हमें कदम उठाना होगा। इस साल के अभी दो ही महीने हुए हैं। 10 महीने अभी बचे हैं। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा था कि कोविड–19 का प्रभाव अनुमान से कहीं अधिक रहा है। 2020–21 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर नकारात्मक रहेगी। वित्त मंत्री ने पिछले सप्ताह पांच किस्तों में आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) को 3.70 लाख करोड़ रुपए का समर्थन, गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए 75,000 करोड़ रुपए, बिजली वितरण कंपनियों के लिए 90,000 करोड़ रुपए, प्रवासी मजदूरों को मुफ्त खाद्यान्न, मनरेगा के लिए आवंटन में वृद्धि, कुछ वर्गों को कर में राहत और इस महामारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को 15,000 करोड़ रुपए का आवंटन शामिल है। सीतारमण ने कहा कि यह पैकेज अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों, पूर्व बैंकरों, वित्त मंत्रालय के पूर्व अधिकारियों और उद्योग क्षेत्र के साथ विचार–विमर्श के बाद तैयार किया गया। उन्होंने कहा, पैकेज को यह ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया कि इस समय हम एक असाधारण स्थिति का सामना कर रहे हैं और गिरावट इतनी रहती है या उतनी होती है, अभी हमारे पास इसके आंकड़े नहीं हैं। अभी हमें यह ध्यान में रखना होगा, गिरावट पूरी तरह होगी। इसी को ध्यान में रखकर अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देना होगा, हमें यही करना होगा। उन्होंने कहा कि हमने अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए यह रास्ता चुना। कंपनियों, संस्थानों, उपक्रमों और कारोबार..सभी बैंकों से मदद मिल रही है जिससे वे अपना कामकाज फिर शुरू कर सकें। वित्त मंत्री ने कहा कि हमें उम्मीद है कि भारतीय उद्यमी लॉकडाउन के बाद उबर जाएंगे। हमने अर्थव्यवस्था में नकदी डालने के उपाय किए हैं। यदि अर्थव्यवस्था में अधिक नकदी होगी तो लोगों के हाथ में पैसा रहेगा और इससे अर्थव्यवस्था फिर से शुरू हो सकेगी, मांग पैदा हो सकेगी। सीतारमण ने कहा कि सरकार प्रशासनिक विभागों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की मंजूरियों को तेज करने के लिए काम कर रही है।

अस्पतालों में 2,304 बिस्तरें तैयार कर रही है टाटा प्रोजेक्ट्स

मुंबई। इंजीनियरिंग कंपनी टाटा प्रोजेक्ट्स ने शनिवार को कहा कि वह कोविड–19 के मरीजों के इलाज के लिए देश में अस्पतालों में कुल 2,304 बिस्तरों की व्यवस्था कर रही है। कंपनी के मुख्य रणनीति अधिकारी हिमांशु चतुर्वेदी ने एक बयान में कहा, देश में बुनियादी संरचना क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ती और सबसे ज्यादा सराहनीय कंपनियों में से एक होने के नाते हमें लगा कि अस्पतालों के नेटवर्क को बड़ा और बेहतर बनाने की दिशा में हम जटिल शहरी और औद्योगिक बुनियादी संरचना परियोजनाएं तैयार करने की अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठा सकते हैं। कंपनी ने हाल ही में, मुंबई के केईएम अस्पताल में दो वार्ड को कोविड–19 के मरीजों के इलाज के योग्य बनाया, जिनमें 65 बिस्तर और विशेष चिकित्सा उपकरण हैं। इसके अलावा कंपनी केईएम अस्पताल के आर्थोपेडिक केंद्र के एक बड़े हिस्से को 115 बिस्तरों वाला आइसोलेशन सेंटर बना रही है।

अप्रैल में देश का गैस उत्पादन 18.6 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। कोविड–19 संक्रमण को फैलने से रोकने को लागू राष्ट्रव्यापी बंद से देश का प्राकृतिक गैस का उत्पादन अप्रैल में 18.6 प्रतिशत घट गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में गैस उत्पादन 2.16 अरब घनमीटर रहा, जो इससे पिछले साल के समान महीने के 2.65 अरब घनमीटर से 18.6 प्रतिशत कम है। देश की सबसे बड़ी गैस उत्पादक कंपनी ओएनजीसी के उत्पादन में भारी गिरावट से कुल उत्पादन घटा है। समीक्षाधीन महीने में ओएनजीसी का गैस उत्पादन 15.3 प्रतिशत घटकर 1.72 अरब घनमीटर रहा।

गुजरात में तीन लाख औद्योगिक इकाइयों में 25 लाख लोगों ने काम शुरू किया

अहमदाबाद। लॉकडाउन की पाबंदियों में ढील के बाद गुजरात में करीब तीन लाख औद्योगिक इकाइयों ने परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इन इकाइयों में 25 लाख से अधिक लोग काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के सचिव अश्वनी कुमार ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन औद्योगिक इकाइयों की बिजली की खपत सामान्य अवधि की तुलना में लगभग 82 प्रतिशत है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि औद्योगिक उत्पादन सामान्य स्थिति में वापस आ रहा है। राज्य सरकार ने संक्रमण के कारण बंद किए गए इलाकों को छोड़ अन्य भाग में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों को राज्य भर में संचालित करने की अनुमति दी है। औद्योगिक इकाइयों को मानक दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया है, जिनमें कामगारों की थर्मल स्क्रीनिंग, अलग–अलग प्रवेश व निकास तथा आपस में सुरक्षित दूरी का पालन आदि शामिल है।

एवेन्यू सुपरमार्ट्स का शुद्ध लाभ 271 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। एवेन्यू सुपरमार्ट्स का बीते वित्त वर्ष 2019–20 की चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 41.60 प्रतिशत बढ़कर 271.28 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 191.57 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी खुदरा श्रृंखला डी–मार्ट का परिचालन करती है। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 23.59 प्रतिशत बढ़कर 6,255.93 करोड़ रुपए पर पहुंच गई।

भारतीय मूल के अर्थशास्त्री को दक्षिण एशिया में विश्वबैंक में महत्वपूर्ण पद

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अर्थशास्त्री आभास झा को दक्षिण एशिया में विश्वबैंक के एक महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। झा को जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। झा की नियुक्ति ऐसे समय हुई है जबकि अम्फान चक्रवात से भारत पश्चिम बंगाल, ओड़िशा तथा बांग्लादेश में जानमाल का काफी नुकसान हुआ है।

बालेश शर्मा वोडाकॉम–द.अफ्रीका के प्रबंध निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। वोडाकॉम समूह ने बालेश शर्मा को नई एकल दक्षिण अफ्रीकी परिचालन कंपनी वोडाकॉम दक्षिण अफ्रीका का प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वोडाकॉम एक अफ्रीकी संचार कंपनी है। इसकी बहुलांश यानी 60.5 प्रतिशत हिस्सेदारी वोडाफोन के पास है। यह कंपनी कई तरह की सेवाएं मसलन मोबाइल वॉयस, मैसेजिंग, डेटा, वित्तीय और कन्वर्ज्ड सेवाएं देती है। कंपनी का परिचालन दक्षिण अफ्रीका, तन्जानिया, मोजाम्बिक और केन्या में है।

तात्कालिक जरूरतों के लिए ऋण उपलब्ध करा रहा है केनरा बैंक

बेंगलुरु। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने कोविड-19 से प्रभावित कर्जदार ग्राहकों को कर्ज की मदद देने की घोषणा की है। केनरा ऋण समर्थन सुविधा के तहत लोगों की तात्कालिक जरूरतों मसलन सांविधिक बकाया, वेतन-मजदूरी-बिजली का बिल या किराया चुकाने के लिए तेजी से कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा।

बेयर कॉर्पसाइंस को 31.5 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। कृषि क्षेत्र से जुड़ी कंपनी बेयर क्रॉपसाइंस लिमिटेड को वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही में 31.5 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

पाकिस्तान विमान हादसे में मृतक संख्या 97 हुई

● दो लोग चमत्कारिक रूप से बच गए

भाषा। कराची

लाहौर में शुक्रवार को विमान दुर्घटना में मारी गई एक विमान परिचारिका अनम मकसूद के परिवार के सदस्य शोक व्यक्त करते हुए

पाकिस्तान में शुक्रवार को विमान हादसे में 97 लोगों की मौत हो गई और दो यात्री चमत्कारिक रूप से बच गए। गौरतलब है कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) का एक यात्री विमान शुक्रवार को यहां जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास घनी आबादी वाले रिहाइशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

अधिकारियों ने बताया कि विमान लाहौर से आ रहा था और कराची उतरने ही वाला था कि एक मिनट पहले मालिर में मॉडल कॉलोनी के निकट जिन्ना गार्डन में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। डॉन न्यूज ने शनिवार को सिंध के स्वास्थ्य अधिकारियों के हवाले से बताया कि 97 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है जबकि दो लोग बच गए हैं। खबर में बताया गया कि जीवित बचे दोनों लोगों की हालत स्थिर है तथा 19 मृतकों की शिनाख्त कर ली गई है। राष्ट्रीय विमानन कंपनी के एयरबस ए320 में 91 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। खबर के मुताबिक पहले एक महिला की पहचान विमान में सवार यात्रियों में से जीवित बची शख्स के तौर पर की गई थी लेकिन बाद में वह उस इलाके की निवासी निकली जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। वह उन 11 लोगों में से एक है जो रिहायशी इलाके में विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से घायल हुए हैं। सिंध की स्वास्थ्य मंत्री के मीडिया संयोजक मीरान युसूफ ने बताया कि घायलों में ज्यादातर महिलाएं हैं क्योंकि जब विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो वह शुक्रवार की नमाज का वक्त था। उन्होंने बताया कि घायल हुए सभी निवासियों की हालत स्थिर है। सिंध की स्वास्थ्य मंत्री अजरा पेचुहो ने बताया कि हादसे में दो लोग बचे हैं जिनमें बैंक ऑफ पंजाब के अध्यक्ष जफर मसूद भी शामिल हैं और उन्होंने अपनी मां को फोन कर अपने कुशल होने की जानकारी दी। ईधी कल्याण ट्रस्ट के फैजल ईधी ने बताया कि ऐसे 25-30 निवासियों को भी अस्पताल ले जाया गया है जिनके घरों को इस विमान हादसे में नुकसान पहुंचा है। उनमें से अधिकतर झुलस गए थे। क्रैश लैंडिंग के दौरान विमान के पंख आवासीय कॉलोनी के घरों से टकराते गए और इसके बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ईधी ने कहा, इस हादसे में कम से कम 25 मकानों को नुकसान पहुंचा है। पीआईए के अधिकारियों के मुताबिक, कैप्टन ने हवाई यातायात टावर को सूचित किया कि उसे विमान के लैंडिंग गियर में कुछ गड़बड़ी लग रही है और इसके बाद विमान रडार से गायब हो गया। दुर्घटना के कारण की पुष्टि होना अभी बाकी है। पीआईए के मुख्य कार्यकारी एयर वाइस मार्शल अरशद मलिक ने कहा कि पायलट ने यातायात नियंत्रक को बताया था कि वह कुछ तकनीकी मुश्किलों का अनुभव कर रहा है। मलिक ने उन खबरों को खारिज किया कि विमान में उड़ान से पहले भी गड़बड़ी थी। उन्होंने कहा, दुर्घटना के असली कारण का पता जांच के बाद चलेगा जो स्वतंत्र व निष्पक्ष होगी तथा मीडिया को उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान को पूरा होने में दो से तीन दिन का वक्त लगेगा।

पाकिस्तान ने दुर्घटना की वजह का पता लगाने के लिए चार सदर्स्यीय बोर्ड ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया है। सरकार के विमानन मंडल द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार बोर्ड को जल्द से जल्द जांच पूरी करने के लिए कहा गया है। पाकिस्तान में सात दिसंबर 2016 के बाद यह पहला बड़ा विमान हादसा है जब चित्राल से इस्लामाबाद आ रहा एक पीआईए एटीआर-42 विमान बीच में ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार सभी 48 लोगों की मौत हो गई थी।

ट्रंप के अमेरिकी-अफ्रीकी समर्थकों पर मैंने बिना सोझे-समझे की टिप्पणी: बाइडेन

भाषा। अटलांटा (अमेरिका)

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने के प्रबल दावेदार जो बाइडेन ने स्वीकार किया कि उन्हें बिना सोचे-समझे यह टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी कि जो अफ्रीकी-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करते हैं वे अश्वेत नहीं हैं।

अमेरिकी अश्वेत उद्योग परिसंघ के साथ शुक्रवार दोपहर हुई कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान बाइडेन ने इस विवाद को शांत करने की कोशिश की। इससे पहले बाइडेन ने कहा था कि अफ्रीकी मूल के जो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन करते हैं वे अश्वेत नहीं हैं। बाइडेन की इस टिप्पणी ने यह विवाद खड़ा कर दिया कि क्या वे उनकी हार-जीत का फैसला करने वाले मतदाताओं को नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। बाइडेन, अश्वेत समुदाय के बीच काफी प्रसिद्ध रेडियो कार्यक्रम ब्रेकफास्ट क्लब में आए थे।

कार्यक्रम के मेजबान चार्लामांग्ने था गॉड ने बाइडेन से उन खबरों के बारे में पूछा कि वह मिनेसोटा से सांसद एमी क्लोबुचर को उपराष्ट्रपति पद पर रखने के बारे में सोच रहे हैं जो कि श्वेत हैं।

मेजबान ने उन्हें बताया कि अश्वेत मतदाताओं ने प्राइमरी में उनके राजनीतिक करियर को बचाया और वे उनसे कुछ उम्मीदें रखते हैं। उन्होंने कहा, मैं किसी को स्वीकार नहीं कर रहा, जिस पर विचार किया जा रहा हो। बाइडेन ने कहा, लेकिन मैं आश्वस्त कर सकता हूं कि कई अश्वेत महिलाओं पर विचार किया जा रहा है। बाइडेन के एक सहयोगी ने फिर साक्षात्कार बंद कराना चाहा, जिस पर कार्यक्रम के प्रस्तोता ने कहा, आप अश्वेत मीडिया के साथ यह नहीं कर सकते। इसके बाद बाइडेन ने कहा, अगर आपको यह पता करने में समस्या आ रही है कि आप मेरे समर्थन में हैं या ट्रंप के, तो आप अश्वेत नहीं हैं। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अहम मोड़ पर है।

संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी ने महामारी में साइबर अपराध बढ़ने को लेकर सावधान किया

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र के निरस्त्रीकरण मामले की प्रमुख ने शुक्रवार को सावधान किया कि कोविड-19 महामारी के दौरान साइबर अपराध बढ़ रहा है और दुर्भावनापूर्ण ईमेल में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इजुमी नाकामित्सु ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक अनौपचारिक बैठक में कहा कि कोरोना वायरस संकट दुनिया को और अधिक तकनीकी नवाचार और ऑनलाइन सहयोग की ओर ले जा रहा है। उन्होंने कहा, दुनिया भर में स्वास्थ्य संगठनों और चिकित्सा अनुसंधान केंद्रों के खिलाफ (साइबर) हमलों की चिंताजनक खबरें भी आई हैं।

नाकामित्सु ने कहा कि डिजिटल निर्भरता बढ़ने से साइबर हमले की आशंका बढ़ गई है और यह अनुमान है कि इस तरह का एक हमला हर 39 सेकंड पर होता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के अनुसार लगभग 90 देश अब भी साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के शुरुआती चरणों में हैं। नाकामित्सु ने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग का खतरा बहुत बड़ा है। उन्होंने इस खतरे से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र की कुछ वैश्विक प्रगति की ओर इशारा करते हुए कहा कि कुछ अच्छी खबरें भी हैं। सरकारी विशेषज्ञों के एक समूह ने इस तरह के खतरों से निपटने के लिए इस तरह की तकनीक के उपयोग में जिम्मेदार व्यवहार के 11 स्वैच्छिक गैर-बाध्यकारी मानदंड तैयार किए हैं।एस्तोनिया के प्रधानमंत्री जायरी रातास ने कहा कि सुरक्षित और कामकाजी साइबर स्पेस की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। एस्तोनिया के पास फिलहाल सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता है और उसने ही शुक्रवार की बैठक का आयोजन किया था।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पर लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने वाले अपने सहयोगी को हटाने का दबाव

भाषा। लंदन

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन पर अपने एक शीर्ष सहयोगी को बर्खास्त करने का दबाव है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन किया था और यात्रा नहीं करने के नियम के बाद भी अपने माता-पिता से मिलने गए थे।

जॉनसन के मुख्य रणनीति सलाहकार डोमिनिक कमिंग्स में भी लगभग उसी समय कोरोना वायरस के लक्षण सामने आए थे जब प्रधानमंत्री के इस घातक वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। ब्रिटेन की मीडिया में आई खबरों के अनुसार कमिंग्स अपनी पत्नी के साथ उसी दौरान लंदन से करीब 260 मील डरहम अपने माता-पिता के घर गए थे। गार्जियन और मिरर समाचार पत्रों की संयुक्त जांच के अनुसार किसी एक नागरिक ने कमिंग्स को देखा और डरहम पुलिस में इसकी शिकायत की। डरहम पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि एक व्यक्ति के लंदन से डरहम आने के बारे में 31 मार्च, मंगलवार को हमारे अधिकारियों को जानकारी मिली। विपक्षी दलों ने कमिंग्स के इस कदम के बारे में प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट से स्पष्टीकरण मांगा है। लेबर पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि अगर यह बात सही है तो प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार ने लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन किया है।

कोरोना वायरस के कारण जर्मनी में लागू किए गए प्रतिबंधों का मर्केल ने किया बचाव

बर्लिन। जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ने कोरोना वायरस के कारण देश में लागू प्रतिबंधों का बचाव करते हुए अपने सहयोगियों से सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करने की अपील की है। जर्मनी ने 20 अप्रैल से लॉकडाउन में ढील देनी शुरू कर दी है और तब से कई क्षेत्रों को आंशिक रूप से खोल दिया गया है। इसके बावजूद देश में लॉकडाउन को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। मर्केल ने शनिवार को अपने साप्ताहिक वीडियो संदेश में कहा कि ए कदम आवश्यक थे और अधिकारियों को यह बताते रहना होगा कि कुछ प्रतिबंधों को क्यों हटाया नहीं जा सकता। साथ ही उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ए प्रतिबंध यथोचित है। मर्केल ने कहा कि जर्मनी अभी तक अपने इस लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा है कि हमारी स्वास्थ्य प्रणाली पर जरूरत से अधिक बोझ नहीं पड़े।

जैक्सनविले में फ्लोरिडा नेशनल गार्ड के कर्मियों के साथ बातचीत करते अमेरिका के स्वास्थ्य और मानव सेवा के सचिव एलेक्स अजार

पाकिस्तान में कोविड-19 के मामले 52,000 के पार

● वरिष्ठ अधिकारी ने मामले बढ़ने को लेकर चेताया

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सावधान किया है कि कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए यदि लोग सावधानियां नहीं बरतते हैं तो कोविड-19 के मामलों की संख्या बढ़ती जाएगी। पाकिस्तान में संक्रमितों की संख्या 52,000 को पार कर गई है, जबकि ।,101 लोगों की मौत हो चुकी हैं। पाकिस्तान में स्वास्थ्य मामलों पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक जफर मिर्ज़ा ने शुक्रवार को कहा कि पिछले सप्ताह की वायरस ट्रैकिंग रिपोर्ट अच्छी नहीं थी और अगर सावधानी नहीं बरती गई तो संक्रमण कई गुना बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा, अगर लोग सावधानियां नहीं बरतते हैं, तो मामले और ज्यादा बढ़ सकते हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक संक्रमण के 52,437 मामले सामने आए हैं, जिनमें से सिंध में 20,883, पंजाब में 18,730, खैबर-पख्तूनख्वा में 7,391, बलूचिस्तान में 3,198, इस्लामाबाद में ।,457, गिलगित-बाल्तिस्तान में 607 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 171 मामले हैं। बीते 24 घंटों के दौरान कोविड-19 के कुल ।,743 नए मरीज सामने आए। अब तक 16,653 मरीज बीमारी से उबर चुके हैं, जबकि पिछले 24 घंटों में 34 लोगों की मौत हुई है, जिनसे मृतकों की कुल संख्या ।,101 हो गई है। देश भर में अब तक 4,60,692 टेस्ट किए जा चुके हैं जिसमें पिछले 24 घंटों में 14,705 जांच हुई हैं।

कोरोना वायरस: चीन में 28 और ऐसे लोग संक्रमित मिले, जिनमें नहीं हैं बीमारी के लक्षण

भाषा। बीजिंग

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के 28 ऐसे नए मामले सामने आए हैं, जिनमें संक्रमित व्यक्तियों में बीमारी के लक्षण नहीं दिख रहे हैं। इनमें से अधिकतर मामले वुहान में सामने आए हैं। इसके अलावा देश में संक्रमण का कोई ऐसा नया मामला सामने नहीं आया, जिसमें बीमारी के लक्षण दिख रहे हों। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को यह पुष्टि की। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि अभी तक 370 ऐसे संक्रमित लोगों को पृथक-वास में रखा गया है, जिनमें बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं। इन लोगों में 26 लोग विदेश से आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को कोविड-19 संक्रमण के ऐसे किसी मामले की पुष्टि नहीं हुई, जिसमें बीमारी के लक्षण दिख रहे हों। उन्होंने बताया कि देश में बिना लक्षण वाले संक्रमण के 28 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से अधिकतर मामले वुहान के हैं। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि प्रांत में कुल 295 संक्रमित लोगों को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है, जिनमें संक्रमण के लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं। स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए वुहान की एक करोड़ 12 लाख की आबादी की जांच करा रहे हैं कि यह संक्रमण दोबारा जोर न पकड़ सके। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 82,971 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 4,634 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका में सिख छात्र को धमकाने के मामले में मुकदमा दाखिल

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूजर्सी प्रांत में एक सिख स्कूली छात्र ने शिक्षा बोर्ड के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है और आरोप लगाया है कि उसके धर्म के कारण उसे पूर्वाग्रह के आधार पर धमकाया गया और उसे लंबे समय तक उत्पीड़न की वजह से स्कूल छोड़ना पड़ा। समुदाय के संगठन सिख कोअलीशन ने कहा कि वह विधि कार्यालय के सह-वकील ब्रायन एम किंगे के साथ मिलकर न्यूजर्सी के सीवेल में ग्लूसेस्टर काउंटी स्पेशल सर्विसेस स्कूल डिस्ट्रिक्ट बोर्ड ऑफ एजुकेशन के खिलाफ शिकायत दाखिल कर रहे हैं। मामले में ग्लूसेस्टर काउंटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पंजीकृत सिख छात्र का उल्लेख है। नाबालिग होने की वजह से उसका नाम जाहिर नहीं किया गया है। शिकायत में आरोप है कि छात्र 2018 से पूर्वाग्रह आधारित धमकाने के तौर-तरीकों से पीड़ित रहा है। बच्चे की मां ने कहा, मेरे बेटे ने जो पीड़ा सही है, ऐसा किसी बच्चे के साथ नहीं होना चाहिए। ना तो साथी छात्र धमकाएं और परेशान करें और वयस्क लोग तो भेदभाव और निंदा बिल्कुल ही नहीं करें जिनसे बच्चों के संरक्षण की अपेक्षा की जाती है।

नेपाल में 548 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित

भाषा। काठमांडू

नेपाल में कोरोना वायरस संक्रमण के 41 नए मामले सामने आने के बाद देशभर में इस घातक वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 548 हो गई है। इनमें से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय ने बताया कि कपिलवस्तु जिले में आठ लोग संक्रमित पाए गए हैं जिनमें सात पुरुष और एक महिला हैं। सर्लाही जिलों में 13 पुरुष, बारा जिले में एक महिला और काठमांडू में एक पुरुष संक्रमित पाया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि आठ पुरुष रूपनदेही जिले में आठ पुरुष और चितवन जिले में एक अन्य व्यक्ति संक्रमित पाया गया है। संक्रमित पाए गए लोगों की आयु 17 से 52 वर्ष के बीच है। सामने आए सभी नए मामले पिछले 24 घंटों में दर्ज किए गए है। देश में इस घातक वायरस के कारण अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले मंत्रालय ने शुक्रवार रात को कोरोना वायरस के नौ मरीजों की पुष्टि की थी। देश में संक्रमित 70 लोग उपचार के बाद ठीक हो चुके हैं।

दक्षिण कोरिया में कोविड-19 के 23 नए मामले

सियोल। दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस के 23 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर घनी आबादी वाले सियोल मेट्रोपॉलिटन इलाके से हैं जहां अधिकारियों ने हजारों नाइट क्लब, बार और काराओके रूम बंद करवा दिए हैं ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। कोरिया के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने शनिवार को जो आंकड़े घोषित किए उनके मुताबिक देश में संक्रमण के कुल 11,165 मामले हैं और मृतक संख्या 266 है। मार्च की शुरुआत में यहां रोज 500 नए मामले आ रहे थे जिसके बाद बड़े पैमाने पर जांच की गई और संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाया गया। लेकिन ग्रेटर कैपिटल एरिया जहां दक्षिण कोरिया की आधी आबादी रहती है वहां संक्रमण के धीरे-धीरे बढ़ने का खतरा बना हुआ है क्योंकि स्वास्थ्य अधिकारियों ने सामाजिक दूरी के दिशा-निर्देशों में ढील दी है और स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से खोलने की इजाजत दे दी है। यहां संक्रमण के 200 से अधिक मामले ऐसे हैं जो क्लब जाने वालों से संबंधित हैं। कम से कम ।,204 मामले ऐसे हैं जो अंतरराष्ट्रीय यात्रा करके लौटे लोगों के हैं।

सिंगापुर में कोविड-19 के 642 नए मामले

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में कोविड-19 के 642 नए मामले आए हैं जिनमें से ज्यादातर विदेशी कामगार हैं जो तंग जगहों पर एक साथ रहते हैं। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को कहा कि देश में अभी तक 31,068 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं। मंत्रालय के अनुसार, नए मामलों में से महज छह मरीज सिंगापुर के नागरिक या स्थाई निवासी (विदेशी नागरिक) हैं। मंत्रालय ने अपने बुलेटिन में कहा कि 642 नए मामलों में से 636 विदेशी कामगार हैं जो डॉरमेटरी में रहते हैं। देश के विकास मंत्री लॉरेंस वोंग ने शनिवार को कहा कि एक जून को लॉकडाउन समाप्त होने के बाद सिर्फ वही कर्मचारी अपने कार्यालय जाएं जिन्हें काम करने के लिए ऐसे विशेष उपकरणों या मशीनों की जरूरत है जो घर में उपलब्ध नहीं हो सकते हैं, या फिर उन्हें कोई कानूनी काम निपटाना है।

बीजिंग में अचानक आई आंधी-पानी से अपना बचाव करते मास्क पहने लोग

अमेरिका में शिक्षित विदेशी युवाओं को प्राथमिकता देने वाला एच-1बी विधेयक अमेरिकी कांग्रेस में पेश

● अमेरिका में दो लाख से अधिक भारतीय छात्र हैं

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी सांसदों के द्विदलीय समूह ने यहां कांग्रेस के दोनों सदनों में पहली बार ऐसा विधेयक पेश किया है जो एच-।बी कामकाजी वीजा में प्रमुख सुधारों से जुड़ा हुआ है। यह विधेयक देश में पहले से मौजूद भारतीय छात्रों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है क्योंकि इसमें अमेरिका में शिक्षित मेधावी विदेशी युवाओं को प्राथमिकता देने की बात की गई है।

एच-।बी वीजा गैर आव्रजक वीजा है जो अमेरिका में कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों को ऐसे विशेषज्ञता वाले पेशों में रोजगार देने की इजाजत देता है जिनमें खास तरह की सैद्धांतिक एवं तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नौकरी पर रखने के लिए कंपनियां इस वीजा सुविधा पर निर्भर करती हैं। गत एक अप्रैल को अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने कहा था कि प्रोद्यौगिकी क्षेत्र के विदेशी पेशेवरों के लिए आवश्यक एच-।बी वीजा की खातिर उसे पंजीयन के 2,75,000 अनुरोध प्राप्त हुए जिनमें से 67 फीसदी से अधिक भारत से थे। अमेरिका में 2,00,000 से अधिक भारतीय छात्र हैं। प्रतिनिधिसभा एवं सीनेट में प्रस्तुत एच-।बी एंड एल-। वीजा रिफॉर्म एक्ट के तहत आव्रजन सेवा विभाग को पहली बार एच-।बी वीजा का आवंटन प्राथमिकता के आधार पर करना होगा। नई प्रणाली के तहत एच-।बी वीजा के लिए उन श्रेष्ठ एवं तीक्ष्ण छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने अमेरिका में शिक्षा प्राप्त की है। सीनेट में इस विधेयक को सीनेटर चक ग्रेसली और डिक डर्बिन ने पेश किया। प्रतिनिधिसभा में इसे बिल पासरेल, पॉल गोसार, रो खन्ना, फ्रैंक पलोन और लांस गूडेन ने पेश किया। इस विधेयक का एक पहलू यह भी है कि यह अमेरिकी कर्मचारियों का स्थान एच-।बी या एल-। वीजाधारकों द्वारा लेने पर स्पष्ट रोक लगाता है।

मेक्सिको की जेल में कैदियों के बीच लड़ाई, सात लोगों की मौत

● कैदियों ने बंदूकों से एक-दूसरे पर हमला किया और मारपीट भी की

भाषा। मेक्सिको सिटी

पश्चिमी मेक्सिको की एक जेल में कैदियों ने बंदूकों से एक-दूसरे पर हमला किया और मारपीट भी की, जिसके कारण सात कैदियों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। जलिस्को राज्य प्राधिकारियों ने पुएंते ग्रांडे जेल परिसर में हुई इस घटना को दंगों के बजाए कैदियों के बीच लड़ाई करार दिया। जेल के निदेशक जोस एंतोनियो पेरेज ने कहा, जेल में कोई दंगा नहीं हुआ।

अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कैदियों ने जिन दो बंदूकों से एक-दूसरे पर हमला किया, वे उनके पास कहां से आईं। पेरेज ने कहा कि कैदियों के एक समूह ने उन अन्य कैदियों पर हमला करना शुरू कर दिया, जिन्होंने कुछ किया ही नहीं था जिसके बाद जेल के अन्य कैदियों ने उन पर हमला कर दिया। अभियोजकों ने बताया कि पांच हमलावरों को गिरफ्तार किया गया है। यह लड़ाई जेल में बेसबॉल के एक मैच के बाद हुई थी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि इस झगड़े का संबंध उस मैच से है या नहीं और ना ही यह बात स्पष्ट है कि इस झगड़े के पीछे मदाक पदार्थों की तस्करी से जुड़े गिरोह का हाथ है या नहीं। हमले में मारे गए सात लोगों में से तीन की मौत गोली लगने और चार की मौत पीटे जाने के कारण हुई। नौ घायलों में से छह को पीटे जाने के कारण चोटें आई हैं और तीन कैदी गोलियां लगने से घायल हुए हैं। पुएंते ग्रांडे वही जेल है, जहां से नशीले पदार्थों का कुख्यात तस्कर जोकिन 'एल चापौ' गुजमैन 2001 में पहली बार जेल से भागा था।

पायनियर
रविवार, 24 मई, 2020

एजेण्डा

यह बेहतर ही है कि ट्वीटर मुझे 14 अक्षरों में सीमित रखता है। मैं इतनी ही चुनौती झेल सकती हूं
- आन्ना केन्ड्रिक

महामारी के दौर में बाजार रुझानों तथा प्रतिष्ठित उत्पादों के अनुकूलन तथा उनके द्वारा ग्रहण किए गए सबकों के अध्ययन के आधार पर कहा जा सकता है यह लगन ही है जो इस तूफान से निकलने में हमारी मदद करने वाली है। इस विषय पर विस्तृत चर्चा करती हैं गौरी चौधरी

महामारी के मुताबिक तेजी से बदलते ब्रांड

कोरोना ने हमें प्रकृति के वे मूल नियम सिखाए है, जिन्हें हम संभवतया भूल गए थे:''जो बचती हैं वो सबसे मजबूत प्रजातियां नहीं हैं, न ही सबसे समझदार, ये वो प्रजाति है जो परिवर्तन के अनुरूप सर्वाधिक ढल जाती है।'' यह सबक ब्रांडों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण है, हालांकि, एक मामूली क्षेपक के साथ -''बचने और आगे बढ़ने के लिए, ब्रांडों को न केवल नए वातावरण में ढलना होगा बल्कि पर्याप्त तेजी के साथ ऐसा करना होगा।''

कोविड 19 दौर में, चुस्ती व प्रतिक्रिया की गति ब्रांड के भाग्य का फैसला करेंगे। कंपनियों ने कोविड 19 पर विभिन्न भावनाओं के जरिए प्रतिक्रिया की। अनिश्चितता की भावना तथा वापसी की समझ से लेकर आत्मविश्वास व सुनिश्चितता तक, कंपनियों ने हर तरीका आजमाया। हालांकि कुछ ने ' प्रतीक्षा करने व देखने की रणनीति' अपनाई, तो दूसरों ने तत्काल स्थिति को स्वीकार कर लिया और आगे बढ़ गए। कोविड 19 को समस्या के तौर पर देखने के बजाय, उन्होंने बाह्य व आंतरिक वातावरण का अध्ययन किया ताकि अपने ब्रांड को नयी वास्तविकता के अनुरूप बना सकें। उन्होंने इस रास्ते में अनेक अवसरों की खोज की। वे ब्रांड जो चुस्त और प्रतिक्रिया में तेज हैं, वे चुनौतीपूर्ण स्थिति में आगे रहेंगे। कोविड-19 ने ब्रांड के अस्तित्व के हर पहलू को छुआ है। प्रोडक्ट पोर्टफोलियो, पैकेजिंग, वितरण से लेकर खरीदारी उपरांत ग्राहक अनुभव तक हर चीज ने पुनर्मूल्यांकन की मांग की है।

उत्पाद, पोर्टफोलिया व पैकेजिंग

हालांकि कुछ का मानना हो सकता है कि कोविड-19 ने ब्रांडों के लिए अनेक दरवाजे बंद कर दिए हैं, मगर इसने असाधारण अवसर भी मुहैया कराए हैं खासतौर पर, उन लोगों के लिए जो खुले और स्वीकार करने की स्थिति में हैं। वे जो अपने उत्पादों व पोर्टफोलिया के प्रति अड़ियल रवैये का त्याग कर सकते हैं। तालाबंदी उनके लिए कोई अवरोधक नहीं है। उन्होंने नए उत्पादों को सूत्रबद्ध किया है और तालाबंदी अवधि के दौरान उनका निर्माण ढांचा स्थापित किया है।

उदाहरण के लिए, आईटीसी लिमिटेड ने तेजी से अपने सेवलोन कीटाणुनाशक सरफेस स्प्रे को बाजार में उतार दिया। इसने उत्पादन क्षमता निर्मित करने के लिए अपनी परफ्यूम बनाने वाली ईकाई को सेनिटाइजर बनाने में ईकाई में बदल दिया। एशियन पेंट्स ने बहुत तेजी के साथ अपना सेनिटाइजर विरोप्रोटेक की शुरूआत की है और वह इसे उन पेंटरों व बढ़इयों के लिए हार्डवेयर दुकानों में उपलब्ध कराएगी जिन्हें तालाबंदी के बाद किसी भी घर में जाने से पहले अतिरिक्त सावधानी होने की जरूरत होगी।

निप्पोन पेंट्स ने अस्पतालों, सार्वजनिक स्थलों व घरों तक के लिए एंटी वायरल पेंट बनाया है। जिस तीव्रता के स्तर पर उन्होंने काम किया वो प्रशंसनीय थी। जोमेटो ने अपनी सेवाओं में बदलाव लाया और ग्राहकों को सब्जियां पहुंचाने का प्रस्ताव दिया।

आयुर्वेदिक एवं फार्मास्युटिकल कंपनियां भी स्वास्थ्य, प्रतिरक्षण प्रेरक ब्रांड लांच कर रही हैं। हालांकि आयुर्वेदिक कंपनियां ऐसे च्यवनप्राश बनाने में लगी हैं जो गर्मियों में खाया जा सके, मगर फार्मा कंपनियां जिंक व एस्कार्बिक एसिड के साथ एंटीआक्सीडेंट्स के उत्पादन में कदम रखने जा रही हैं। रेमंड ने मास्क और पीपीई (गियर्स) बनाने वाली कंपनी 'कंप्लीट केयर फ्राम रेमंड' को लांच करने में अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल किया। रेंज में तालाबंदी दौर के बाद उपयोग हेतु बेहतर ढंग से डिजाइन किए गए उत्पाद हैं। यह न केवल रेमंड पोर्टफोलिया में फिट बैठते हैं बल्कि कंप्लीट मैन की मदर ब्रांड छवि को भी मजबूत करते हैं। कोविड 19 ने कंपनियों की अपने उत्पादों व पोर्टफोलियो को दुबारा देखने में सहायता की है। वे कंपनियां जो तयशुदा नजरिये से परे देखने में सफल होती है, लाभ की स्थिति में रहती हैं। समझदारी यह है कि अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में बने रहें और पोर्टफोलियो सुनिश्चित करें व साधन अनुरूप रहें। अगर एक नये कार्य विस्तार की शुरूआत की जाती है, तो उसे मदर बांड से मजबूती मिलती रहे। यदि यह एक नया ब्रांड है तो इसे फोर्टफोलियो को उन्नत बनाना होगा और उसे सहयोगी क्षमता का लाभ देना होगा।

पैकेजिंग एवं प्रक्रिया

कोविड 19 एकल उपयोग, सुरक्षित पैकेजिंग की मांग बढ़ाएगी। इसलिए पुन: उपयोग वाली वस्तुओं को कुछ समय प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। अमरीकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य विभाग ने यह रिपोर्ट पेश की है कि वायरस प्लास्टिक दो या तीन दिन तक जीवित रहता है लेकिन कार्डबोर्ड पर केवल एक दिन जीवित रहता है। क्या इससे कंपनियां प्लास्टिक उपयोग के प्रति निरूत्साहित होंगी और छिद्रित सामग्री की ओर रूख करेंगी? अच्छी संभावना है कि उपभोक्ता उन वस्तुओं को चुनेंगे जो वायरस विरोधी सामग्री में पैक की गयी होंगी।

एक और महत्वपूर्ण मसला है संपर्करहित वितरण। यद्यपित फास्ट फूड कंपनियों की कमाई दोहरे अंक की दर से गिर रही है, मगर डोमिनो की पिज्जा डिलीवरी लाभ या तो बराबर है या बेहतर होने की संभावना है। उनकी संपर्करहित वितरण तकनीक की मेहरबानी। यह विज्ञापन अभियान पर चल रही है जो कहता है कि ''जो हाथ पिज्जा को छुएंगे वे केवल आपके होंगे।''

कुछ ब्राण्डों ने अपने पैकेटों को पुन: डिजाइन करने व उन्हें सामाजिक रूप से प्रासंगिक बनाने के लिए कोविड19 स्थिति का उपयोग किया है। सीजीएफआई भारत में वाईवाई नूडल्स को प्रोत्साहित करती है। वाईवाई ने अपनी पैकेट को, विश्व स्वास्थ्य संगठन के हाथ धोओ अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित स्थान के साथ, नए रूप में डिजाइन किया है। जब एक ब्राण्ड खुद को साामाजिक उद्देश्य के साथ जोड़ता है, तो यह निश्चित रूप से अपनी प्रतियोगिता के लिए अतिरिक्त अंक अर्जित करता है। वाईवाई को यह अवसर मिला।

सचमुच वायरस ने सचमुच कंपनियों को मजबूर किया कि वे बिजनेस की खूबियों में अतिरिक्त खूबियों के लिए निहित प्रक्रियाओं की पड़ताल करें और उन्हें पुन: निर्धारित करें। तालाबंदी उपरांत परिदृष्य में, कंपनियों को पैकेजिंग तथा उन प्रक्रियाओं पर दुबारा नजर डालने की जरूरत है कि उपभोक्ताओं के ध्यानाकर्षण में बने रहने के लिए उनमें किसी बदलाव की आवश्यकता तो नहीं है।

कीमत और स्थान परिवर्तन

तालाबंदी के बाद का समय खास श्रेणियों की मांग में बढ़ोत्तरी देखेगा। सार्वजनिक आवागमन द्वारा पेश चुनौतियों को देखते हुए दो पहिया वाहनों व कारों की बिक्री बढ़ने की संभावना है। पुराने आटोमोबाइल बाजार में मांग में तेजी दिखाई देगी। घरेलू सहायकों के साथ सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर, वाशिंग मशीनों, बर्तन धोने वाली मशीनों व फर्श सफाई करने वाले रोबोट की मांग बढ़ने की संभावना है। प्रतिष्ठित कंपनियों को ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अच्छे डिस्काऊंट तथा एक्सचेंज कीमतों के प्रस्ताव देने की जरूरत होगी।

साथ ही साथ, कोविड 19 और तालाबंदी ने वितरण के अधिक नए जरिए सामने लाए हैं। आईटीसी लिमिटेड ने डोमिनो पिज्जा की मास्टर फ्रेंचाइजी, जुबिलेंट फूड वर्क्स के साथ समझौता किया है। आईटीसी का आर्शीवाद आटा और मसाले जल्द डोमिनो के एप पर आर्डर और आपूर्ति हेतु उपलब्ध होंगे। एक और बड़ा बदलाव जो तालाबंदी लेकर आई है वो है डाक्टरों और मरीजों के दरमियान संवाद का तरीका। ई-कंसल्टेशंस लोकप्रियता हासिल कर रही है।

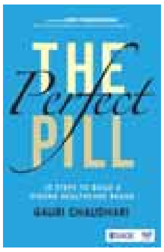

> यहां तीन सबक हैं जो कोविड-19 हमें सिखा रहा है। स्थिति को स्वीकार करें और नयी सहजता को अपनाएं। तेजी के साथ। अपने बिजनेस के प्रत्येक संभव पहलू पर दुबारा नजर डालें, उत्पादों से शुरूआत करके खरीदारी उपरांत ग्राहक अनुभवों तथा अतिरिक्त लागत तक। शर्माएं नहीं, अपने ग्राहकों से चर्चा करें व उनके साथ साझीदारी करें। यदि संवेदनशीलता व परानुभूति के साथ काम किया तो वे आपका हाथ मजबूती से पकड़ने वाले हैं

ई-कंसल्टिंग प्लेटफार्म स्थायी होने वाले हैं। यह समय है कि मेडटेक कंपनियां डाक्टरों व मरीजों के लिए अपनी सेवाएं प्रचारित करें।

ई फार्मेसी कंपनियों ने अपने आर्डर में 200 फीसदी की वृद्धि देखी है। अधिकांश ईफार्मा कंपनियां जबरदस्त उभार पर हैं। ई-फार्मा कंपनी, मेडलाइफ जिसके पास आर्डरों की भरमार है, ने अपने आर्डरों के आपूर्ति कार्य हेतु उबर, यूले और जूमकार के साथ समझौता किया है।

कोविड 19 ने फिर से हमें एक और सबक याद दिलाया है, कि जहां चाह है वहां राह है। आवश्यकता है शून्य खपत के साथ हर संभावना की तलाश की जाए।

अपने प्रमोशन पर काम किया जाए

अत्यधिक जानकारी के बावजूद, लोग प्रामाणिक जानकारी के भूखे हैं। यह समय है कि ग्राहकों व आसामियों से अधिक निरंतरतापूर्वक बातचीत की जाए।

ग्राहकों को समझना चाहिए कि वे इसमें एक साथ हैं और उनके भरोसेमंद ब्राण्ड इस स्थिति से उबरने के लिए हर संभव ढंग से उनकी सहायता करेंगे। घरों में कैद, स्मार्टफोन, कंप्यूटर और टेलीविजन से चिपके, ग्राहक तालाबंदी उपरांत अवधि के दौरान जीवन जीने के तरीके तलाश रहे हैं। ब्राण्डों के लिए यह अप्रत्याशित समय है कि वे समझदारीपूर्ण व संवेदनशील नजरिए के साथ संवाद करें। जो ब्राण्ड ऐसा करने में सक्षम हुए, वे ग्राहकों से जुड़ गए लेकिन जो ब्राण्ड अप्रासंगिक उत्पाद खूबियों को प्रोत्साहित करने में लगे रहे वे नकार दिए गए। समूचे मीडिया की धराशायी विज्ञापन दरों तथा स्मार्टफोन, कंप्यूटरों व टीवी से तुलनात्मक रूप से बेहतर परिचित ग्राहकों के होने से अब यह समय है कि ग्राहकों के साथ गंभीरतापूर्वक जुड़ाब बनाया जाए।

लेकिन स्पष्ट नियम हैं....

● सकारात्मकता एव सशक्तीकरण

लोग चौतरफा नकारात्मक, भयावह स्थिति से त्रस्त हैं। वे सकारात्मक सुनना चाहते हैं और सशक्तीकरण की भावना पाना चाहते हैं। वे ब्राण्ड जिन्होंने सशक्तीकरण की भावना संप्रेषित की, वे केवल अपनी ब्राण्ड इक्विटी बढ़ाने के लिए ग्राहकों के साथ मजबूती से जुड़े रहे। नाइकी के अभियान

'प्ले इनसाइड प्ले फार द वर्ल्ड' ने गंभीर धावकों की भावनाएं व्यक्त की। ब्राण्ड ने एक एप लांच किया जिसमें नाइकी प्रशिक्षकों द्वारा डिजाइन किए गए इंडोर वर्क आउट के बारे में बताया गया है। सर्फएक्सेल का रमजान विज्ञापन भी सशक्तीकरण की वही भावना व्यक्त करता है। फार्मास्युटिकल कंपनियों ने वायरस सबंधी विषयों पर वेबनार आयोजित किए। वेबिनार का उद्देश्य महामारी के दौरान कोविड तथा गैरकोविड मरीजों का इलाज करने के लिए डाक्टरों का सशक्तीकरण करना था।

लेग यह मानते हुए ब्राण्डों से सुनना चाहते हैं कि वे अपने अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। वे चाहते हैं कि एसी कंपनियां मार्गदर्शन करें कि लाकडाउन उपरांत स्थिति में आफिस ऐसी का उपयोग कैसे किया जाए। आफिस डिजाइनों के मद्देनजर, छोटे, मध्यम आकार की कंपनियों या डाक्टरों के क्लीनिकों के लिए यह शायद संभव नहीं होगा कि वे अपने एसी को बिलकुल बंद कर दें। वे जानना चाहते हैं कि सुरक्षित रहने के लिए कौन सी सावधानियां अपनायी जानी चाहिए। जो सबसे पहले अपनी पहुंच बनाएगा वे लाभ की स्थिति में होगा।

● ग्राहकों के साझीदार व मददगार बनें

ब्राण्ड ग्राहकों की तकलीफको काम करने में सहायक हो सकते हैं। कंसाई नेरोलेक पेंट लिमिटेड ने डीलरों के आफिसों के लिए स्वच्छता सेवाओं पर रियायत प्रदान करने के लिए अर्बन कंपनी के साथ समझौता किया है। कंपनी ने डीलरों के लिए साप्ताहिक योजना व सेटलमेंट्स की घोषणा की है। यह देखना सुखद है कि कंपनी ने डीलरों के साथ काम करने वाले दुकान सहायकों के लिए कोविड-19 बीमा घोषित किया है। कंपनी पेंटरों के कल्याण के लिए नजदीकी से काम भी कर रही है। वे सुरक्षा उपायों के लिए पेंटरों को शिक्षित कर रहे हैं। वे पेंटरों को नगदी प्रोत्साहन दे रहे हैं और वे उन लोगों को विशेष सहयोग प्रदान कर रहे हैं जो कोविड-19 से पीड़ित हुए हैं। नेरोलेक ने उन पेंटरों के लिए सामूहिक धनसंग्रह अभियान भी शुरू किया है जिन्हें अतिरिक्स सहायता की आवश्यकता है। अल्केम लेबोरेटरीज, फार्मास्युटिकल कंपनी, ने प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डाक्टरों को कोविड-19 सुरक्षा किट प्रदान की ताकि वे निर्भय होकर अपना काम जारी रख सकें। अबोट इंडिया ने डाक्टरों व उनके परिवारों को सुरक्षित रहने के लिए फ्लू शोट्स प्रदान किए। लुपिन फार्मास्युटिकल्स ने उन मरीजों के लिए हेल्पलाइन चालू की, जिन्हें कोविड-19 के दौरान किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होती है।

संभावित ग्राहक

मार्केटिंग एवं ब्राण्डिंग विशेषज्ञ आम्बि परमेश्वरन एवं श्रीधर सामू ने अपने एक लेख में लिखा था कि तालाबंदी के बाद के दौर में बाजार में तीन प्रकार के खरीदार होंगे। प्रतिकारी खरीदार, इल्हामी खरीदार और मजबूर खरीदार। प्रतिकारी खरीदार वे हैं जो बाहर निकलने और अपने मन मुताबिक खरीदारी करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वे युवा और मुखर हैं। इल्हामी खरीदार मध्य आयु के बाल बच्चों वाले खरीदार हैं। वे बहुत कड़ी मेहनत से होकर गुजरे हैं। वे उन चीजों को खरीदने के लिए डिसकाऊंट, सेल और एक्सचेंज प्रस्तावों पर प्रतिउत्तर देंगे जो घरेलू कामों को बेहतर ढंग से करने में उनके काम आएंगी। इन मार्केटिंग विशेषज्ञों के अनुसार, मजबूर खरीदार हैं बुजुर्ग, जो अपनी खरीदारी सूचियों पर चर्चा व सोच विचार कर सकते हैं। ब्राण्ड कंपनियों को अपने ग्राहकों व उनकी उन भावनाओं को समझना पड़ेगा जिनसे वे सही तालमेल बनाने की प्रक्रिया में जूझ रहे हैं। सभी तालाबंदी उपरांत रणनीतियों को इस समझदारी पर आधारित होने की जरूरत है। सामाजिक रूप से किस प्रकार जिम्मेदार हो इससे संबंधित शिक्षा व जागरूकता तालाबंदी उपरांत दौर में बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण कारक हैं। विक्रय प्रतिनिधि व सेवाप्रदाताओं को अतिरिक्त सावधान रहना होगा यदि वे ग्राहकों के आमने सामने आने की जरूरत पड़ती है। न केवल सावधान रहना महत्वपूर्ण है बल्कि उस व्यक्ति के रूप में सावधान दिखना भी है जो सावधानी बरत रहा है। यदि कुछ भी असुरक्षित महसूस होता है तो ग्राहक प्रतिक्रिया करेगा। हाथों को धोना पर्याप्त नहीं है, ग्राहक के सामना ऐसा करना भी महत्वपूर्ण है। काम के लिए बाहर निकलने से पहले शरीर का तापमान लेना काफी नहीं है, बल्कि कंपनी का ऐसा वक्तव्य देता प्रमाणपत्र होना जरूरी है कि विक्रय प्रतिनिधि का स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है। जो लोग नए आयाम स्वीकार करते हैं और ग्राहक सुरक्षा के प्रति गंभीरता दिखाते हैं वे दूरगामी स्तर तक सफलता पाएंगे। इस समय के दौरान जिसका निवेश होगा, वो है आपके बिजनेस और ब्राण्ड के प्रति आपकी लगन। किसने कभी सोचा होगा कि घर से काम करना उच्च गुणवत्ता का परिणाम होगा? लेकिन यहां कार्पोरेट प्रमुंख, उद्यमी और एमएसएमई मालिक हैं जो इस पर काफी हाथपैर मार रहे हैं। जिन लोगों में लगन है और कभी हार न मानने वाला नजरिया है वे यहां पर टिकने और आगे बढ़ने वाले हैं। यह लगन ही है जो इस तूफान से होकर गुजरने में हमारी सहायता करने वाली है। इसलिए, यहां तीन सबक हैं जो कोविड-19 हमें सिखा रहा है। स्थिति को स्वीकार करें और नयी सहजता को अपनाएं। तेजी के साथ। अपने बिजनेस के प्रत्येक संभव पहलू पर दुबारा नजर डालें, उत्पादों से शुरूआत करके खरीदारी उपरांत ग्राहक अनुभवों तथा अतिरिक्त लागत तक। शर्माएं नहीं, अपने ग्राहकों से चर्चा करें व उनके साथ साझीदारी करें। यदि संवेदनशीलता व परानुभूति के साथ काम किया तो वे आपका हाथ मजबूती से पकड़ने वाले हैं।

- लेखक सेज पब्लिकेशंस इंडिया द्वारा प्रकाशित पुस्तक, द परफेक्ट पिलः 10 स्टेप टू बिल्ड अ स्ट्रांग हेल्थकेयर ब्राण्ड के लेखक हैं।

आप अधूरे हैं, आपको संघर्ष करना पड़ेगा लेकिन आप प्रेम व लगाव के योग्य हैं
-ब्रेन ब्राउन

संदर्भ प्राणायाम के बारे में

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

प्राचीन काल से, योग की अवस्था प्राप्त करने के 112 तरीके ज्ञात हैं। इस दौरान, अनेक गुरूओं द्वारा विकसित, अनेक नए तरीके भी विकसित किए गए। अब स्वाभाविक सवाल यह है: उनमें से कौन सा तरीका चुनना उत्तम साबित हो सकता है? आप किसी भी ढंग से उनका मूल्यांकन व आंक नहीं सकते, क्योंकि सभी समान रूप से सक्षम हैं। अपने अनुभव के आधार पर, मैं संदर्भ प्राणायाम की सलाह देता हूं। यह किसी और का नहीं बल्कि ध्यान की अवधारणा के प्रस्तावक, पतंजलि के पगचिन्हों का खासा अनुपालन करता है।

इस प्रक्रिया का वही नाम रखा गया क्योंकि यह प्रत्येक भक्त की इच्छा के अनुरूप प्रारूपित है, और उसी रूप में अवधारणागत प्रासंगिकता हासिल करता है। इस वस्तु परियोजना, दो उपयोगी उपकरण उपयोग में आते हैं- ध्यान केन्द्रित करने के लिए एक छवि, और उसे विशेष रूप से समर्पित मंत्र। छवि और संबंधित मंत्र दोनों को व्यक्ति केन्द्रित होना पड़ता है, इस आधार पर कि किसी के वैयक्तिक लक्षणों का कौन सा विशेष पहलू आवश्यक सुधार की चाहत बनेगा, अनिवार्य सुधार की जमानत देता। यह प्रक्रिया एकाग्र ध्यान की मांग करती है या ता विशिष्ट अवधारणा पर या शैक्षणिक आयात की महत्ता लिए कोई विशिष्ट व्यक्ति, एक साथ संबंधित मंत्र का जाप कर रहा हो। याद रखें, हम भी जन्म से अधूरे हैं, हममें से हर कोई अपनी अनुवांशिक कमजोरियां लिए हुए है। हमें अपनी व्यक्तिगत कमजोरी पर विचार करना तथा अपनी सहजता व सुविधा अनुरूप एक सफल जीवन सुनिश्चित करने के लिए सशक्त होना चाहिए।

हालांकि विडंबना यह है अक्सर खोजकर्ता का अहंकार उसे तटस्थतापूर्वक अपनी कमजोरियों को पहचानने व स्वीकार करने का अवसर नहीं देता है। फिर प्रमाणित तौर पर, अभी भी उचित आदर्श आकृति तथा संबंधित मंत्र की पहचान करना कठिन होगा। यहां पर ज्ञानी गुरू की भूमिका सामने आती है। वह पहले आपको अपनी प्रतिछाया देखने का अवसर देता है, उसकी सभी अच्छाइयों व बुराइयों समेत। तदनुरूप, वह उचित छवि व उससे संबंधित मंत्र का चुनाव करता है। उदाहरण के लिए, यदि व्यक्ति गणपति की छवि पर ध्यान केन्द्रित करता है तो उससे संबंधित तीन विशेष मंत्र हैं। गुरू की सलाह के अनुसार, उनमें से एक, जो आपके सर्वाधिक अनुकूल होगी, का छवि पर ध्यानकेन्द्रित करने के दौरान बार बार जाप किया जाना चाहिए।

मंत्र उन आवृत्तियों को जगाने के लिए बनाया होता है जो ध्यानरत छवि में अंतर्निहित भावना से मेल खाती हैं। एक साथ उपयोग में लाये गए दोनों उपकरण अधिक तीव्र एकाग्रता जागृत करने में सहायता करता है। नियमित आधार पर निरंतर समयावधि के लिए इस प्रक्रिया को अपनाने से, व्यक्ति का मन छवि और मंत्र दोनों में बेहतर तल्लीनता प्राप्त करता है। जिसके बाद, व्यक्ति सहज जागरूकता की अवस्था प्राप्त कर लेता है। मन को इस प्रकार साध कर,, जहां कही भी व्यक्ति ध्यान लगता है, वह लंबे समय तक सहज एकाग्र रहेगा। इस तरह, आप पूरी तरह किसी भी चीज में ध्यान लगाने में सक्षम होंगे। जो मौजूदा कार्य को तुलनात्मक रूप से अधिक सहजता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न करने में आपकी सहायता कर सकता है।

प्रक्रिया अपने आपमें, आत्मचिंतन अवस्था में आगे बढ़ती है। सचेतरूप से आदर्श आकृति द्वारा प्रतिबिंबित विशिष्ट गुण को ग्रहण करने तथा आत्मसात करने के लिए। कुछ समय के बाद, जैसे ही अवधारणा मन के आंतरिक दायरों में रचबस जाती है, यह सहजतापूर्वक व्यक्ति के सहज व्यवहार में नजर आने लगती है। कुछ प्रस्तावित आदर्श आकृतियां प्रत्यक्षतया धार्मिक प्रतीकों जैसी दिख सकती है। हालांकि मंशा किसी धार्मिक आस्था को प्रोत्साहित करना नहीं है। बल्कि ये दो स्तरों पर काम करती है।

पहला, यह समझने हेतु मन के लिए फोकल प्वाइंट का काम करती है। दूसरा, यह प्रतीक से जुड़े ज्ञान पर निरंतर आत्ममंथन के जरिए विशेष मूल्य व्यवस्था को जगाने में सहायता करती है। जो उस विचार के विरूद्ध होते हैं, एक प्रतीक या अपनी आस्था या सोच के अनुरूप अवधारणा गढ़ सकते हैं।

अवधारणा अपने आपमें ठोस कारणों पर आधारित है। याद रखें, प्राचीन भारत के संत महात्माओं ने समग्रतापूर्व अथों में जीवन की सच्चाइयों को बहुत अच्छी समझा था। उन्होंने बहुत अच्छी तरह समझा था कि हमारा व्यक्तित्व ऊर्जा प्रारूप में हमारे मन के आंतरिक दायरों में मौजूदा विचार बीजों में रचा बसा होता है। फिर अंजाने में, हमारे स्तर पर किसी व्यक्तित्व संबंधी कमजोरी के लिए हमारे ऊर्जा प्रारूप में कोई कमी उत्पन्न हो जाती है। उसी के अनुसार, उन्होंने इस प्रकार प्रक्रिया को डिजाइन किया जो एक साथ दोनों पक्षों की परवाह करती है और इसलिए प्रस्तावित दोनों उपकरणों- एकाग्र छवि व उससे संबंधित मंत्र प्रस्तावित किया गया है।

अपनी व्यक्तित्व संबंधी कमजोरियों को दूर करने के लिए, उन्होंने हमारे मने को खंगालना चाहा था , कुछ इस समझ के साथ कि कैसे संतुलित आचरण सुनिश्चित किया जाए। यह एकाग्र छवि से प्राप्त ज्ञान पर चिंतन के जरिए हासिल किया जाता है। मंत्र के निरंतर जाप से उत्पन्न अनुगूंज, जवाबी ऊर्जा स्त्रोत के साथ संपर्क स्थापित करने में सहायता करती है, और हमारे ऊर्जा संरचना में किसी भी कमी को पूरा करने के लिए इसकी ग्राह्य स्तर का उन्नत करती है। इस प्रकार, एक स्थिर आत्मचेतना व समग्र स्वउपचार कार्यक्रम की शुरूआत होती है।

समान अभिभावक

रूचा सतूर का कहना है कि इस लाकडाउन ने इस बात को फिर से साबित किया है कि जेंडर आधारित, समाज निर्मित भूमिका रद्द हो सकती हैं और वो भी भलाई के लिए

कोविड-19 के कारण समूची दुनिया ने एक अप्रत्याशित व मुश्किल दौर का सामना किया है। अधिकांश देशों ने कहीं आंशिक तो कहीं पूर्णतया लाकडाउन को लागू किया है। भारत में, लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शुरूआती 21 दिन के लाकडाउन को सरकार द्वारा 3 मई से कुछ रियायतों का प्रावधान करते हुए अगले कुछ दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया है।

शहरी और ग्रामीण दोनों स्थानों में उन अधिकांश भारतीय महिलाओं के लिए यह स्थिति कोई नयी नहीं है जिन्हें उनके परिवारों द्वारा नौकरी नहीं करने दी जाती हैं या जिन्होंने शादी होने या मां बनने के बाद अपने करियर को बीच रास्ते छोड़ दिया है। हालांकि शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में, पुरूष पहली बार इतनी लंबी अवधि के लिए घर में रहने के लिए मजबूर हुए हैं। इस असाधारण स्थिति ने, जहां पुरूष घर पर हैं, दो प्रकार की घटनाओं को उजागर किया है। एक तरफ महिलाओं और बच्चों के खिलाफ उत्पीड़न की घटनाओं से बढ़ोत्तरी संबंधित शिकायतें दर्ज हुई हैं वहीं दूसरी ओर, पुरूषों की घरेलू कामों में भागीदारी संबंधी अवधारणाएं भी सामने आई हैं।

पुरूष अनेक पितृसत्तात्मक परंपराओं को तोड़ रहे हैं। कुछ लोग किचन में प्रवेश कर रहे हैं और सीख रहे हैं कि खाना कैसे पकाएं, तो कुछ पुरूष बच्चों व बुजुर्गों की देखभाल करने में मदद कर रहे हैं जबकि कुछ लोग घर की सफाई रखने में सहायता कर रहे हैं। इस लाकडाउन ने फिर से साबित किया है कि जेंडर आधारित, समाज निर्मित भूमिकाएं रद्द की जा सकती हैं और वो भी भले के लिए।

पिता का अर्थ यह नहीं कि वे केवल वित्तीय रूप में अपने बच्चों के विकास में योगदान करें। उन्हें अपने जीवन साथी के साथ साझा देखभाल करने तथा बच्चों के समग्र विकास में भागीदारी करना सीखना होगा।

मार्च में, जब कोरोना खतरे ने अपना सर उठाना शुरू ही किया था, माता पिता पुणे शहर में पिंपरी-चिंचवड में मिलिन नगर आंगनवाड़ी सेंटर से दोपहर के लिए खाने के पैकेट उठाना शुरू कर रहे थे। बच्चे घर पर थे, सुरक्षित व स्थिर। रोहिणी चित्तरंजन जोशी जो पिछले तीस सालों से आंगनवाड़ी सेविका रह चुकी हैं, ने पिताओं को लाइनों में खड़े देखा था। उनके मुताबिक, पुरूषों ने अपने बच्चों के विकास में सक्रिय भागीदारी करना शुरू कर दिया है। उन्होंने पिछले दो सालों में यह बदलाव देखा है।

रोहिणी बताती हैं, '' यह असल में मजेदार है क्योंकि इनमें से कुछ पुरूष तब से इस आंगनवाड़ी में आया करते हैं जब वे खुद बच्चे थे। अब यह कि वे खुद एक सक्षम पुरूष बन गए हैं, मुझे उन्हें पौष्टिकता व बाल देखभाल की महत्ता समझाने की उतनी आवश्यकता नहीं होती जितनी कि तीस साल पहले होती थी।''

आईसीडीएस (इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलेपमेंट सर्विसेज) भारत में एक सरकारी योजना है जो छह साल से कम उम्र के बच्चों व उनकी मांओं को भोजन, प्रीस्कूल शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच एवं संदर्भित सेवाओं प्रदान करती है। हालांकि यह योजना अभिभावकों के रूप में माओं के लिए लक्षित है, मगर पिछले दो सालों में, यह सुनिश्चित करने के सक्रिय प्रयास किए गए हैं कि पुरूष देखभालकर्ता भी इसका हिस्सा बनें। इस साल पोषण पखवाड़ा का मुख्य संदेश पुरूषों के लिए पौष्टाहार था- पोषण अभियान में पौष्टाहार पैमाने सुधारने के लिए पुरूष भागीदारी को बढ़ाना।

सार्वजनिक बैठकों, घर जाकर मिलने, तथा पोषण पखवाड़ा समारोहों के जरिए, समूचे महाराष्ट्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने पिताओं को अपने बच्चों के साथ घुलने मिलने, जेंडर भेदभावों को तोड़ने तथा घर से जुड़ी जिम्मेदारियां बांटने के लिए तैयार किया है। रोहिणी बताती हैं, ''मैं बताती हूं कि कैसे पिता अपने बच्चों को नहलाते हुए, उनके हाथ धोते हुए व उन्हें खिलाते हुए उनके साथ घुलमिल सकते हैं। इन तरीकों को आप्रवासी परिवारों द्वारा विशेष तौर पर स्वागत किया गया है जहां परिवार में केवल माता पिता और बच्चे होते हैं। पुरूषों को जिम्मेदारियां उठानी होंगी।''

मैंने जिन आंगनवाड़ी सेविकाओं से बातचीत की हैं उन्होंने बताया है कि पिता और दादा दादी बच्चों के बारे में ज्यादा जानना चाहते हैं। लेकिन अभी भी कुछ खास बाधाएं हैं जो उन्हें अपने बच्चे के आरंभिक वर्षों में पूरी तरह भागीदारी करने में आड़े आती हैं। गौतम नगर, पिंपरी की एक अन्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, किरन शिवशरन बताती हैं, ''मेरे समुदाय में, बैठकों में पुरूष भागीदारी अक्सर मांओं को बैठक में भाग लेने से डराती है। स्वयं औरतों के रूप में, हमने पुरूषों के साथ बातचीत करने में थोड़ी झिझक व शायद शर्म महसूस की थी। इसके अलावा, जैसा कि मेरी आंगनवाड़ी, महाराष्ट्र की अन्य आंगनवाड़ियों की तुलना में, बहुत छोटी है, माता पिता हर मीटिंग में फिट नहीं हो पाते हैं।''

सिर्फ महिलाएं ही नहीं हैं जो जेंडर मान्यताओं से परेशान हैं बल्कि पुरूष भी उनसे पीड़ित है। और यदि वे कुछ कोशिश करने का प्रयास करते हैं तो उनका मजाक उड़ाया जाता है। मंडनगड, रत्नागिरि में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मीरा पांडिरकर कहती हैं, ''मेरे समुदाय के पुरूषों ने हमारे साथ अपनी गर्भवती पत्नी का पंजीकरण कराने, या उन्हें टीका लगवाने ले जाने तथा समय समय पर डाक्टरी जांच जैसे बाहरी काम करने में हिस्सेदारी निभाना शुरू किया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा की गयी नियमित कौंसिलिंग से, अनेक पिताओं ने घरेलू कामों में हिस्सेदारी करके तमाम बाधाओं को तोड़ना शुरू किया है। यह अनेक अन्य पिताओं के लिए प्रेरणा बन गया है।''

समूचे महाराष्ट्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने उन पिताओं को आश्वस्त करने के लिए, नए नए कदम उठाए हैं जो अक्सर श्रमिक परिवारों से आते हैं। उन्होंने उनकी उपलब्धता के मुताबिक उन तक रचनात्मक ढंग से पहुंच बनाई है। किरन शिवशरन बताती हैं, ''मैंने नियमित रूप से हमेशा गुरूवार को घर घर मिलने जाती हूं। उसी दिन साप्ताहिक बिजली कटौती होती है, तो उनके साथ बातचीत करना आसान होता है।''

जैसा कि तटीय महाराष्ट्र में मछुआरे दोपहर में ही समुद्र से वापस लौटते हैं, वाल्मीकि नगर, मंदनगड की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ऐसे समय के दौरान सारे पोषण पखवाड़ा आयोजन करती है जिसमें कि इन पुरूषों की सामुदायिक कार्यक्रमों में भागीदारी सुनिश्चित हो सके। मीरा पांडिरकर यह भी जोड़ते हुए कि दादा दादियों के समूह के साथ काम करना थोड़ा आसान भी होता है, बताती हैं, ''मैं सुनिश्चित करती हूं कि जब भी पिता अपने बच्चे को लेने आए, मैं उसके बच्चे की प्रगति के बारे में उसे लगातार बताती रहूं।''

इस दौरान, रोहिणी तकनीक को पिताओं की भागीदारी बनाने में सहायक पाती हैं। वह कहती हैं, ''प्रत्येक पोषण पखवाड़ा आयोजन के अंत में, चाहे वो हाट बाजार हो या पलक मेलवे हों, मैं पिताओं को व्हाट्सएप तस्वीरें भेजती हूं।'' कोविड-19 महामारी से, पिताओं को अपने परिवारों के साथ बिताने के लिए ज्यादा समय मिल रहा है। उम्मीद है, कि वे इन उपायों को उपयोग में लाना सीखेंगे और लाकडाउन के दौरान साझा अभिभावकत्व में भाग लेंगे और लगातार करते रहेंगे जब दुनिया इस वायरस से मुक्त हो जाती है।

- चरखा फीचर्स

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-19 अप्रैल)

इस सप्ताह आप उत्साह से भरे होंगे। आपका स्वास्थ्य कुल मिलाकर अच्छा रहेगा। आप कुछ बदलाव अनुभव करने के लिए लंबी ड्राइव पर जा सकते हैं। यह भी संभव है कि आप विभिन्न स्थानों से मिलें। आराम करें और मस्त रहें। करियर मोर्चे पर, तालाबंदी में थोड़ा आराम से, आपको अपने करियर की शुरूआत करने का अवसर मिलेगा। छात्रों को पहले से तैयारी करने तथा अपने पाठ्यक्रम के साथ तालमेल रखने की जरूरत है। आपमें योग्यताएं, समझदारी है लेकिन खुद को सुधारने के लिए उचित मार्गदर्शन व बेहतर भविष्य की तैयारी करने की आवश्यकता है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

वृष (अप्रैल 20-20 मई)

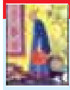

इस सप्ताह आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। जो लोग बीपी, हृदय व डायबिटीज से पीड़ित हैं, उन्हें अपनी जांच कराने की सलाह है। नियमित खुराक अत्यावश्यक है। आपको सकारात्मक सोच बनाए रखनी चाहिए जो संतुलित जीवन के लिए आवश्यक है। सारे तनावो को भूल जाएं। पेशेवर रूप में, यह आपके लिए एक व्यस्त सप्ताह होगा। आप इसे अपार चुनौतीपूर्ण पा सकते हैं। आपको अपने काम में सफल व अधिक सकारात्मक होने के लिए अपनी सीमाओं व स्त्रोतों को जानना चाहिए। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावनाएं हैं।

शुभ अंक: 30 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** मंगलवार

मिथुन (मई 21-20 जून)

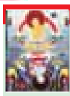

सप्ताह भय व संदेहोंसे से भरा हे और आपको भ्रमित कर सकता है। आप पस्त व निष्क्रीय महसूस कर सकते हैं। यह समय विशेषज्ञ से सलाह लेने व तरोताजा करने का है। आप निरंतर स्वरचित दुविधाग्रस्त हैं जो निराधार भय का रूप ले चुकी है। सकारात्मक रहें, जीवन जल्द रोमांचक हो जाएगा। करियर मोर्चे पर, नए अवसर आपको इस सप्ताह रचनात्मक बनाएंगे। आपमें अपने करियर को आगे बढ़ाने का उत्साह होगा। यह समय उसे व्यक्त करने का है जो आपने सोच रखा है या जो आप हासिल करना चाहेंगे। यह समय सकारात्मक रहने का है।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** सोमवार

कर्क (जून 21-22 जुलाई)

आप अच्छा महसूस करते हैं व इस सप्ताह खुद को उत्साहित कर सकते हैं। आप सुखों, स्वादिष्ट खानों व मनोरंजन गतिविधियों में भाग लेंगे। खुद को तरोताजा करने के लिए, घर पर कुछ बुनियादी कामकाज करें। पेशेवर रूप में, यह एक शानदार सप्ता है। आपका भावनात्मक स्तर रचनात्मक व एकाग्र है। पदोन्नति या प्रोत्साहन के समाचार मिलने वाले हैं। इस सप्ताह आप सत्ता व प्राधिकार के स्थिति में हैं और अपनी समझदारी से किसी भी स्थिति को संभाल सकते हैं। आत्मविश्वास से आपका मनोबल बुलंदी पर रहेगा। आपके सपने बड़े हैं और आप अपनी दुनिया रच सकते हैं।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** गुरूवार

सिंह (जुलाई 23-22 अगस्त)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा है। आपने महसूस किया है कि अतीत में आप आध्यात्मिक क्रियाओं में बहुत व्यस्त थे। अब आप उन चीजों के लिए समय दे सकते हैं जो आपकी आत्मा को पोषित करती हैं। आपकी खुद में और परमात्मा में आस्था है। विभिन्न वर्ग के लोगों के साथ आभासी समूह में कुछ धार्मिक क्रियाएं आपके व्यक्तित्व को निखारेंगी। करियर मोर्चे पर, यह बदलाव का दौर है। आप बदलाव तलाश रहे हैं। नए विचारों के लिए तैयार हों। इस प्रकार, आप सहज बदलाव कर सकते हैं। चीजें सकारात्मकता की ओर मुड़ रही हैं।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** बुधवार

कन्या (अगस्त 23-22 सितम्बर)

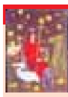

इस सप्ताह आप जकड़न, संशय व भ्रमित महसूस करते हैं। आप हाल ही में कठिन समय से गुजर हैं। सावधान रहें कि आप वही गलतियां नहीं दोहराते हैं जिन्होंने आपकी समस्या में योगदान किया है कि आपने हाल में हल किया है। आपमें से जो लोग काम या पार्टनरशिप तलाश रहे हैं, तो आप शायद गलत ठिकाना ढूंढ़ सकते हैं। इस सप्ताह आपके पेशेवर मामलों को आपके ध्यान की आवश्यकता है। अपनी रूचि क्षेत्र का अच्छा ज्ञान रखना ज्यादा जरूरी है। व्यक्तिगत मोर्चे पर, दूसरे आपके प्रति ईर्ष्या का भाव महसूस कर सकते हैं। आप मानसिक योग्यताओं में होनहार हैं।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** रविवार

तुला (सितम्बर 23-22 अक्टूबर)

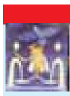

इस सप्ताह, काफी गतिशीलता के संकेतक हैं। आप जीवन की छोटी बड़ी चीजों में व्यस्त रह सकते हैं। आपको कुछ फैसले भी लेने पड़ेंगे। इस सप्ताह के अंत तक आपकी दिनचर्या में महत्वपूर्ण बदलाव होंगे क्योंकि आप खुद को काफीस समय देते हैं। थोड़ा व्यायाम, योग अभ्यास और एकांत की आवश्यकता है। करियर मोर्चे पर, हालात में अप्रत्याशित बदलाव आपको चौंका सकते हैं। कुछ अप्रत्याशित अवसरों की संभावनाएं हैं। आपको मनचाही परियोजना का प्रस्ताव मिल सकता है। यह आपको सकारात्मक महसूस कराएगा।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** शनिवार

वृश्चिक (अक्टूबर 23-21 नवम्बर)

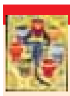

इस सप्ताह जबरदस्ती किसी काम में खुद को लगाना आपको निराश कर सकता है। यह आपके लिए विचित्र शायद न हो क्योंकि आपने अक्सर ऐसे मानसिक आवेगों का सामना किया है। अपनी जांच कराएं क्योंकि सप्ताह की ऊर्जा बहुत सकारात्मक नहीं है। अगर कुछ गलत है तो बहुत ज्यादा देर हो जाए, उपचार कराने से पहले दूसरी राय लेने में संकोच न करें। करियर मोर्चे पर, सुनिश्चित करें कि आप अपने समस्त वित्तीय दस्तावेजों में अपडेटेड हैं और आपने अपनी आय व खर्च का ध्यान रखा है। थोड़ी सी भी लापरवाही दुखदायी हो सकती है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शनिवार

धनु (नवम्बर 22-21 दिसम्बर)

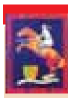

यह विचार करने का उत्तम समय है कि आप अपनी सेहत सुधारने के लिए क्या कर रहे हैं और आपको क्या करना चाहिए। यह ज्यादा आराम या व्यायाम हो सकता है। गहराई से सोचें और आप जो कर रहे हैं उसमें संतुलित बदलाव के साथ बेहतर कर सकते हैं। आप आनंद व उत्सव के मूड में हैं। जैसे सप्ताह आगे बढ़ता है, आप आध्यात्मिक ज्ञान की खोज में एकांत में जा सकते हैं। कार्य मोर्चे पर, कुछ निराधार भय आप पर सवार हो गया है और यह आपको बेचैन कर रहा है। नौकरी की चिंता करना स्थिति में सहायता करने वाला नहीं है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** सोमवार

मकर (दिसम्बर 22-19 जनवरी)

इस सप्ताह अनेक मसले आपको चिंतित करेंगे और आपके लिए मन की शांति को बरकरार रखना थोड़ा कठिन हो सकता है। शुरूआत में, आप मानसिक, शारीरिक व वित्तीय स्तर पर बंधन महसूस करेंगे। जैसे जैसे सप्ताह बीतता जाएगा आप चीजों को ढालना शुरू कर देंगे। सही काम करने में कभी बहुत देर नहीं होती है। इस सप्ताह आप अच्छा पैसा कमाएंगे। पेशेवर रूप में, आप अपने नजरिए में सावधान हैं और आप सुनिश्चित करते हैं कि हर चीज योजनाबद्ध हो और समग्र सफलता के लिए बेहतर क्रियान्वित हो। आप किसी काम को अधूरा नहीं छोड़ेंगे।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** बुधवार

कुम्भ (जनवरी 20-18 फरवरी)

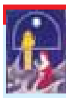

इस सप्ताह आपको अपनी दिनचर्या बदलने तथा स्वास्थ्य के लिए नए तरीके आजमाने की जरूरत है। बुंनियादी बदलावों से शुरूआत करें। सुनिश्चित करें कि आप पर्याप्त नींद, व्यायाम, और स्वस्थ खुराक ले रहे हैं। आपको बेहतर महसूस करने के लिए कष्टप्रद, कठिन दिनचर्या से गुजरने की आवश्यकता नहीं है। छोटे, सकारात्मक प्रयास ही इस प्रकार के बदलाव हैं जिनके साथ आप रह सकते हैं और नतीजे अनुभव कर सकते हैं। एक अच्छे जीवन के लिए अनुशासित जीवनशैली प्रमुख है। पेशेवर रूप में, यह सप्ताह कठिन व बौद्धिक गतिविधियों से चिन्हित है।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** मंगलवार

मीन (फरवरी 19-20 मार्च)

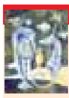

इस सप्ताह आपके स्वास्थ्य में कुछ निर्णायक मोड़ आ सकते हैं। कभी कभी चीजें बस हो जाती हैं और आप उस अनुभव में किसी भी रूप में अकेले होते हैं। यदि जरूरत हो, तो दूसरों से सहायता लें। बदलाव को रोकना आपके स्वास्थ्य के लिए बुरा हो सकता है। अपने तनाव स्तर को काबू में रखने के लिए हर मुमकिन प्रयास करें। याद रखें कि ध्यान और योग मन का सर्वोत्तम उपचार हैं। करियर मोर्चे पर, यदि इस सप्ताह आप किसी सौदे पर हस्ताक्षर कर रहे हैं तो दस्तावेज को सावधानी से पढ़ लें। सहकर्मी के साथ लगाव तनावपूर्ण हो सकता है।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** शुक्रवार

जैसे ही आप किसी चीज पर काम करना शुरू करें तो विफलता से मत डरें। जो लोग गंभीरता से काम करते हैं, वे सबसे सुखी हैं
- चाणक्य

अंतर्मन में झांकें

अपनी हालिया फिल्म, योग फार हेल्थ एंड ग्लोबल हारमनी के जरिए फिल्म निर्माता, कला इतिहासकार व फोटोग्राफर **बेनोए के बेहल** पाते हैं कि योग का उद्देश्य हमें अपनी असंख्य इच्छाओं के सदमों से मुक्त करना है

वैश्विक स्वास्थ्य संकट व तनाव के दौर में, भारतीय दर्शन और योग पहले से कहीं प्रासंगिक बन गए हैं। योग भारतीय दर्शन का सक्रिय भाग है। यह हमें मार्ग दिखाता है, दुनिया के भयों व भ्रमों से परे, शांति की सदी की ओर जाने का, जिसे अपने भीतर पाया जा सकता है। यह प्रेम व सद्भाव का रास्ता बताता है, जो सामान्य बुरे स्वास्थ्य समेत वायरस के खतरों से हमारा सर्वोत्तम रक्षक होगा। हमारा संतुलन व शांति हमारे प्रतिरक्षण तंत्र का आधार हैं। यदि हम उसे संरक्षित कर पाएं तो हम अधिक मजबूत व रोगों के कम शिकार होंगे।

योग का अत्यंत स्पष्ट रूप में स्वयं को उस उच्च आत्म से जोड़ने का माध्यम है, जो हमारे भीतर है और सर्वत्र व्याप्त है। यह वस्तु को लक्ष्य के साथ जोड़ने का माध्यम है। ऐसा करने के लिए, हमें क्षणिक इन्द्रीय अवधारणाओं की अनेक परतों को उतार फेंकना होगा, जो हमारी इन्द्रियों पर काबिज हैं। वे हमें हमेशा भौतिक दुनिया से बांधे रखती हैं। अंतर्मन में झांकने के लिए हमारी अवधारणाओं को बाह्य जगत से अनासक्त होना होगा।

हम भौतिक जगत में बेहद उथल पुथल और भ्रम के बीच रहते हैं। मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की स्थिति बुरी तरह बिगड़ गयी है। ऐसा अनुमान है कि स्वास्थ्य पर होने वाला सत्तर फीसदी खर्च डायबिटीज, ह्दयरोग, हाइपरटेंशन व ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी जटिल बिमारियों पर होता है। इनका बिरले ही कोई स्थायी समाधान है, चाहे दवा से हो या सर्जरी से। मानसिक बिमारियां बहुत जल्द महामारी स्तर तक पहुंच जाने वाली हैं। मैंने हाल ही में अपनी फिल्म, योग फार हेल्थ एंड ग्लोबल हारमनी की शूटिंग पूरी की है। फिल्म के एक इंटरव्यू में, सांता फे यूएसए के योग और आयुर्वेद विशेषज्ञ, पद्म भूषण डा डेविड फ्राले बताते हैं, '' पश्चिमी जगत में जो हुआ है वो यह कि हम बाह्य, भौतिक, मीडिया आधारित दुनिया की जानकारी में बहुत अच्छे हो गए हैं। हमने अंतर्जगत की चेतना व प्रत्यक्ष अवधारणा के साथ अपना जुड़ाव काफी हद तक खो दिया है। भारतीय दर्शन में, हमारी वास्तविक स्थिति वही सुख या परम आनंद है। योग का उद्देश्य हमें अपने दुख से आजाद करना है, हमें अपनी अनगिनत इच्छाओं के आघातों से खुद को मुक्त करना है, जो अपने भीतर का सच्चा ज्ञान पाने के लिए तथा उस सबके साथ सद्भाव से रहने में सहायता हेतु, हमें कहीं अन्यत्र बिलकुल भी नहीं ले जाती।'' वह स्पष्ट करते हुए बताते हैं, '' आज दुनिया में, हम जबरदस्त विखंडन के मुकाम पर पहुंच गए हैं हमारी भाषा, विज्ञान विशिष्टता के पीछे भाग रहे हैं...... हमने इंसानी स्वास्थ्य का बेहद जटिल रसायनों में सीमित कर दिया है। सवाल है कि हम किस तरह अपनी अवधारणाओं व ज्ञान को आपस में मिलाएं? हम किस तरह एक समग्र समझदारी पर पहुंचे कि हम बतौर व्यक्ति कौन हैं? ब्रम्हांड की प्रकृति क्या है? इसलिए योग प्रत्यक्ष वास्तविकता की हमारी बाह्य विश्वदृष्टि को तोड़ता है, लेकिन सृष्टि चेतना से प्रवाहित होकर, अमरता, पारलौकिकता की हमारी आंतरिक समझ को पुनर्स्थापित करता है।''

डा फ्राले मानते हैं कि योग हमारे वैयक्तिक मन को सार्वभौमिक चेतना के साथ एकाकार करना है जो परमानंद से भरपूर है। वह कहते हैं,'' योग हमें सच्ची आत्म-जागृति की ओर ले जाता है। योग करते हुए, हम खुद को शांत करते हैं और महसूस करते हैं कि हम अपने आसपास की निरंतर बदलती दुनिया के भटकावों व शोर से कम प्रभावित हैं। धीरे धीरे, हम जागरूक होते हैं, पहले अपने तन के बारे में फिर अपनी श्वांस के बारे में। इससे हमें नियंत्रण प्राप्त होता है। उस क्षण में, रूपांतरण आंरभ होता है।'' एक अन्य इंटरव्यू में, ब्लेजिंग विज्डम इंस्टीट्यूट, न्यूयार्क के निर्देशक टुल्कू शेरडोर, योग की महत्ता को रेखांकित करते हैं। वह कहते हैं, '' मैं सोचता हूं कि भारत की समस्त योग परंपराएं इसी दृष्टि की ओर इशारा कर रही हैं। यह उस चीज को पुन: जुड़ने का मार्ग है जो हमारे अपने अस्तित्व के लिए परम आवश्यक है।'' पुडुचेरी की योग गुरू, मिनाक्षी देवी भवनानी बताती हैं कि प्रेम हर चीज का सार है। वह कहती हैं, '' प्रेम समस्त व्यक्तित्वों के पार ले जाता है और जब जब व्यक्तितव संलिप्त होता है, वहां कोई प्रेम नहीं होता है। उसे सार्वभौमिक अनुभव बनना पड़ता है। मैं स्वामीजी से पूछा करती हूं कि प्रेम क्या है? और वह कहा करते कि प्रेम अगाध रूचि है ..... अगाध रूचि पाने के लिए, आपमें एकाग्रता की क्षमता होनी चाहिए। और यदि हम उस प्रेम को बनाए रख पाएं तो यह ध्यान हो जाता है। हम उस प्रेम के लक्ष्य के साथ एकाकार हो जाते हैं। यदि हम उस पर्याप्त अवधि तक बनाए रख पाते हैं तो प्रेम हमें समाधि की ओर ले जाएगा, जहां हमारा वैयक्तिक आत्म, जो मुक्ति चाहता है, विलुप्त हो जाता है, जिस प्रकार नमक महासागर में मिल जाता है। ''

योग प्रत्यक्ष वास्तविकता की हमारी बाह्य विश्वदृष्टि को तोड़ता है, लेकिन सृष्टि चेतना से प्रवाहित होकर, अमरता, पारलौकिकता की हमारी आंतरिक समझ को पुनर्स्थापित करता है।

उपचारक स्पर्श

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि सामाजिक बदलाव तथा जरूरतमंद की सहायता के उपकरण के रूप में इंसान आध्यात्मिक शक्ति व सहिष्णुता का उपयोग कर सकता है

हम अनेक ऐसी स्थितियों से गुजरे हैं जहां हमें सहिष्णुता व प्रतिउत्तर के बीच चुनाव करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, यदि हमारा एक ऐसे व्यक्ति से सामना होता है, जिसका अपने शब्दों पर कोई नियंत्रण नहीं होता, जो असभ्य, अनुदार, गुस्सैल तथा आक्रामक ढंग से बात करता है, तो हम क्या करेंगे? खैर, ऐसी स्थिति में, एक सुसंस्कृत व आध्यात्मिक व्यक्ति सहिष्णुता का चयन करेगा क्योंकि वह बखूबी जानता है कि जब सहिष्णुता खोती है तो संयम भी खो जाता है और इसके कारण मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है।

इसलिए, ऐसी स्थिति मे, व्यक्ति को दुखी या घायल महसूस करना तथा बदलाव लेने की नहीं सोचना चाहिए । बल्कि, व्यक्ति को उस व्यक्ति पर दया करनी चाहिए और उसे शांति के सकारात्मक भाव संप्रेषित करने चाहिए ताकि वह अपने गुस्से पर काबू पाना सीख सके। यह नजरिया व्यक्ति को शांत , स्थिर व गरिमामय बने रहने में सक्षम बनाएगा। ऐसी उत्तेजनापूर्ण स्थितियों में सहिष्णुता जीवन की रक्षा करती है। और जब आप इसमें उदारता को शामिल कर देते हैं तो यह अत्यंत मूल्यवान हो जाती है, नीति , रणनीति या पैंतरे के मामले में भी। इसीलिए, यदि इंसान गंभीर स्थितियों में पल भर के लिए भी सहिष्णुता खो देता है, तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है या अप्रत्याशित खामियाजे भुगतने पड़ सकते हैं। सहिष्णुता न केवल एक उच्चस्तरीय गुण तथा नैतिक मूल्य है बल्कि आत्मरक्षा की, जीवन अस्तित्व की एक अहिंसक रणनीति है और जीत का हथियार भी ।

इंसान को हमेशा याद रखना चाहिए कि सहिष्णुता और उदारता हमारे कटु आलोचकों व विरोधियों के दिलों को नरम बना सकती है साथ ही हमारे मन की शांति को भी सुनिश्चित कर सकती है। यह सद्भाव पैदा करती है और भयंकर अहंकारी व्यक्ति भी, एक समयबिन्दु पर , भयानक आक्रामकता का मुकाबला करते हुए सहिष्णुता के प्रति प्रशंसा व्यक्त करता है। इसके साथ ही, हमें मित्रता और भाइचारे की भावना में दूसरों की खामियों व कमियों को भूलना व क्षमा करना भी सीखना चाहिए। वर्ना हम प्रतिष्ठा, परस्पर सहयोग व शांति हासिल नहीं कर सकते।

हालांकि, ज्यादातर लोग सवाल करते हैं कि कब तक उन्हें अपने आततायी की उसकी क्रूर गतिविधियों, घटिया मंसूबों व बेहूदे तरीकों के प्रति उदारता बरतते रहना चाहिए? क्या उन्हें अन्याय को सहन करना चाहिए? यदि वे ऐसा करते हैं तो क्या इसका अर्थ उनके कृत्यों को मौन समर्थन देना नहीं होगा? क्या यह उन्हें न्याय से वंचित नहीं करेगा? साथ ही, क्या यह उनकी क्रूरतापूर्ण क्रिया को सहमति प्रदान करना नहीं होगा? क्या यह एक प्रकार का स्वयं पर थोपा फरमान, गुलामी या सेवाकर्म नहीं है? उत्तर यह है कि हमें अपने नैतिक प्रतिरोध का प्रदर्शन करना होगा और अपनी असहयोग के लिए अपनी सहमति दिखानी होगी। फिर भी बेहतर यह होगा कि हमें अपनी योग्यताओं को समयानुकूल उपयोग करना होगा। हम आतताई को उसके कार्य, बुराइयों की मूल प्रकृति को दिखाने तथा उससे जुड़े दुष्परिणामों के प्रयास करने होंगे।

हमारे अंदर उसका ह्रदय परिवतर्न करने तथा उसे एक बेहतर इंसान बनाने की आध्यात्मिक शक्ति होनी चाहिए। हमें मानसिक तथा नैतिक रूप से बीमार व्यक्ति के उपचारक स्पर्श देने का प्रयास करना चाहिए। व्यक्ति को उक्त व्यक्ति पर दया करनी चाहिए बजाय इसके कि अपनी नैतिक समझ खो दें तथा द्वेष और प्रतिरोध की भावना के साथ प्रतिक्रिया करें। हमें सहिष्णुता दिखानी होगी। लेकिन प्रश्न जो अंततोगत्वा सामने आता है वो यह कि क्या असलियत में हमारे पास वो आध्यात्मिक शक्ति है जो एक बुरे व्यक्ति को संत बना दे? उसके लिए हमें अपनी आध्यात्मिकता को जांचना होगा और खुद को योग व प्राणायाम के जरिए सशक्त बनाना होगा। हम सामाजिक बदलाव के उपकरण के रूप में सहिष्णुता का उपयोग कर सकते हैं और उस व्यक्ति के उत्थान का दिव्य माध्यम बन सकते हैं जो नैतिकता के अपने स्तर पर नीचे गिर गया है।

झूठी खबरों पर लगाओ लगाम

तकनीक कंपनियों ने झूठी कोरोना वायरस जानकारी के खिलाफ लड़ने के लिए की तैयारी

खतरनाक कोरोना वायरस संबंधी गलत जानकारी महामारी के रूप में एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक फैल गयी है जो दुनिया की सबसे बड़ी तकनीक कंपनियों को मजबूर कर रही हैं कि वे सरकारी स्वास्थ्य को बचाने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाएं।

फेसबुक, गूगल और अन्य साइटों ने अपनी सेवाओं पर अक्सर उभरने वाले तथा जो लोगों के जीवन को नुकसान पहुंचा सकते हैं, ऐसे हानिकारक कोरोना वायरस साजिश सिद्धांतों, संदेहास्पद विज्ञापनों तथा अप्रमाणित उपचारों पर लगाम लगाने के लिए समाधान प्रमेयों, नए नियमों व तथ्यगत चेतावनियों का उपयोग करना शुरू किया है। स्वास्थ्य अधिकारियों, आलोचकों आदि, जो लंबे समय से तकनीक कंपनियों से झूठी खबरों के खिलाफ कार्रवाई करने की आवाज उठा रहे थे, ने इन प्रयासों का यह कहते हुए स्वागत किया है कि ये मंच अब कोरोना वायरस संबंधी गलत जानकारी को अपनी साइटों से हटाने में पहले से कहीं अधिक तेजी से काम कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के डिजीटल समाधान प्रबंधक, एंटी पेटीसन, जो कि लगभग दो सालों से फेसबुक जैसी कंपनियों को टीकाकरण विरोध गलत सूचना के खिलाफ अधिक सख्त कार्रवाई करने की मांग करते आए हैं, ने कहा, '' यह निश्चित रूप से कंपनियों के अंदर आया एक बदलाव था।'' पेटीसन ने कहा कि वह और उनकी टीम अब भ्रामक कोरोना वायरस सूचना के खिलाफ सीधा आवाज बुलंद किए हुए हैं, वे फेसबुक, गूगल और गूगल के यूट्यूब सेवा से उन्हें हटाने की घेराबंदी किए हुए हैं।

पिछले महीने, ईरानी मीडिया ने सोशल मीडिया पर उपचार के रूप में प्रचारित विषाक्त अल्कोहल, मेथानाल पीने से देश में 300 से ज्यादा लोगों के मरने तथा 1000 लोगों के बीमार होने की खबर दी थी। एक अरिजोना व्यक्ति की भी क्लोरोक्विन फास्फेट खाने से मौत हो गयी थी। एक ऐसा उत्पाद जिसे कुछ लोग गलती से मलेरियारोधक दवा क्लोरोक्विन समझ लेते हैं, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा कट्टरपंथी गुरूओं ने कोविड-19 के उपचार के रूप में बता दिया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उक्त दवा वायरस उपचार के रूप में प्रभावकारी या सुरक्षित प्रमाणित नहीं हुई है। बाद के दिनों में, ट्वीटर और फेसबुक अप्रमाणित उपचारों को प्रोत्साहित करने वाली खबरों पर अभूतपूर्व ढंग से लगाम लगाना शुरू किया है।

ट्वीटर ने ट्रंप के पर्सनल अटार्नी रूडी गुइलियानी की पोस्ट को हटा दिया जिसमें क्लोरोक्विन से मिलती जुलती दवा हाइड्रोक्लोरोक्विन को कोरोना वायरस का सौ फीसदी असरदार उपचार बताया गया था। कंपनी ने फाक्स न्यूज हस्ती लॉरा इंग्राहम के ट्वीट को भी हटा दिया जिन्होंने दवा को लाभकारी परिणाम देने वाला बताया था। अन्य बहुप्रचारित दावे, कि हाइड्रोक्लोरोक्विन कोविड-19 का उपचार करती है, मौजूद है। एक कट्टरपंथी रेडियो समूह के ट्वीट दावे को, "सभी अस्पताल और स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूर्ण सफलता के साथ इसका उपयोग कर रहे हैं" 1200 से अधिक बार शेयर किया गया है।

जो शायद पहला हो सकता है, फेसबुक ने ब्राजीली राष्ट्रपति जेर बोलसानारो की पोस्ट हो हटा दिया जिन्होंने कोरोना वायरस उपचार के लिए हाइड्रोक्लोरोक्विन को हर जगह कारगर कहते हुए प्रोत्साहित किया था। ट्वीटर ने संबंधित वीडियो को भी हटा दिया है।

लंबे समय से तथ्य जांचने तथा झूठी खबरों को हटाने हेतु राजनेताओं द्वारा सीधे आवाज उठाई गयी थी, उन्हें तर्क दिया था कि लोगों को देख लेना चाहिए कि उनके चयनित अधिकारी क्या कहते हैं। हार्वर्ड केनेडी स्कूल के प्लेटफार्म एकाउंटेबिलिटी प्रोजेक्ट के को डायरेक्टर, दीपायन घोष कहते हैं कि इस महामारी में, हालांकि, इन मंचों के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था सिवाय इसके कि गलत सूचना संबंधी अपने नियमों पर पुनर्विचार करें। उन्होंने कहा,

"समाज को होने वाला इसका सीधा नुकसान है कि उसकी मौत होगी। वे किसी भी रूप में उठने वाली अफवाहों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना नहीं चाहते हैं जो कि सीधे मौत की ओर ले जा सकती हैं।"

यूट्यूब ने उन वीडियोज को हटाना शुरू किया जो दावा करते थे कि पिछले सप्ताह 5जी वायरलेस नेटवर्क कोरोना वायरस फैलने का कारण थे। कुछ वीडियोज को लाखों लोगों ने देखा था। गूगल "5जी " और "कोरोना वायरस " पर नजर डालता है, और अब यूजर्स को इस थ्योरी को खारिज करने के नए वीडियोज डालने का निर्देश देता है। फेसबुक की प्राइवेट मेसेजिंग सेवा व्हाट्सएप को सीमित कर दिया गया है कि एकल प्रयास में कितनी संख्या में किसी संदेश को यूजर्स आगे फारवर्ड कर सकते हैं ताकि कोविड-19 की गलत जानकारी के प्रसार पर रोक लगाई जा सके। चूंकि व्हाट्सएप सभी सदेंशों को गोपनीय रखती है, इन्हें पढ़ा नहीं जा सकता जिससे कि तय किया जा सके कि इसमें कहीं भ्रामक सूचना तो नहीं। महामारी ने कथ्य संतुलन की नयी चुनौतियां प्रस्तुत की हैं। शुरूआत में, स्वास्थ्य सावधानियों ने ठेकेदारों को मजबूर किया था कि अधिकांश को घर भेजने के लिए मानव व्यवस्थापकों को नियुक्त करें जहां व्यक्तिगत कारणों से वे अपना कार्य नहीं कर पाए। फेसबुक ने धीरे-धीरे अपने कुछ काम को आवासीय कर्मचारियों को सौंप दिया और कृत्रिम मेधा कार्यक्रमों पर लगकर काम करना सीखा। हालिया तौर पर, इसने नए संविदा व्यवस्थापकों के लिए नए इंतजाम किए ताकि सुदूर स्तर से उनका काम हो सके। इस दौरान, मास्क, हेंड सेनिटाइजर व कोविड-19 के लिए अनियामित रक्त जांचों के लिए बेकार विज्ञापन अभी भी फेसबुक व गूगल पर नजर आते हैं। 44 हजार यूट्यूब सदस्यों वाले एक नार्थ केरोलिना वासी, जिसने शिकायत की थी कि 5जी और कोरोना वायरस सिद्धांत को प्रोत्साहित करने वाले उसके वीडियो को हटा दिया है, और अब उसके वीडियोज को देखने के लिए 99 डालर की सदस्यता शुल्क वसूल करने के लिए मंच का उपयोग कर रहा है। तकनीकी मंचों ने इंगित किया कि वे अपने यूजर्स के सामने नए मंचों, फैक्टचेकर्स व स्वास्थ्य अधिकारियों से वायरस के बारे में जानकारियों प्रस्तुत कर रहे हैं जब उनके सुरक्षा उपाय विफल होते हैं। गूगल "कोरोना वायरस" और आप अपने स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की ओर भेजे जाएंगे। "कोरोना वायरस होआक्स" के लिए ट्वीटर पर सर्च करेंगे तो आप यूएस सेंटर्स फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन का लिंक प्राप्त करेंगे। यूट्यूब पर कोरोना वायरस षडयंत्र सिद्धांत वीडियो देखेंगे तो आप सीडीसी से कोविड 19 की मौजूदा जानकारी तथा स्तरीय वैध जानकारियां प्राप्त करेंगे। पेटिंसन ने कहा, "बहुत सारी गलत जानकारियां मौजूदा है, अच्छी जानकारी की कमी है। लोग भय के कारण हीनता से भर जाएंगे।"

जब आप किसी से उसकी प्यारी चीज़ ले लेते हैं तो वहां एक रिक्तता आ जाती है। अब आप पर है कि आप इसे भरें या फिर आप जीवन में समायोजन करते जाएं

- कैटरीना कैफ

'असाधारण खिलाड़ी थे मेरे डैडी माइकल जॉर्डन'

जैस्मिन जॉर्डन अपने पिता माइकल जॉर्डन की पुत्री के रूप में यहां उनके सानिध्य में बड़े होने, उनकी विरासत और उनके साथ बिताए क्षणों के बारे में बता रही हैं। वो एक धुरंधर बास्केट बॉल खिलाड़ी थे और पिता के रूप में भी वो उतने ही रोचक व्यक्तित्व के धनी थे-

जैस्मिन जॉर्डन अपने पिता की मानसिकता के बारे में छोटी छोटी बातें साझा कर रही हैं। दुनिया के दूसरे लोगों को भी जॉर्डन की इन बातों के बारे में इसी से जानकारी प्राप्त होगी। 27 साल की जैस्मिन का तब जन्म भी नहीं हुआ था जब उनके पिता शिकागो बुल्स के साथ खेली 6 चैंपियनशिप में से दो जीत चुके थे। जिस प्रकार से द लास्ट डांस में लोगों ने देखा था उसी प्रकार इन बातों के बारे में जैस्मिन को भी पहली बार ही पता चल रहा था।

उसने बताया, 'मैं लगातार उन्हें संदेश भेज रही थी। मेरा मानना है कि एक बार भी ऐसा नहीं हुआ होगा जब मैंने उनसे 'ये ऐसे हुआ-आप इस बारे में अपनी राय दीजिये' न कहा हो। जॉर्डन की पत्नी जुआनिटा वेनॉय के तीन वयस्क बच्चों में से सबसे छोटी जैस्मिन ने बताया (वर्तमान मं जॉर्डन की वर्तमान पत्नी येवेट प्रीटो जॉर्डन से उन्हें 6 साल की जुड़वा बेटियां हैं) मैं सबसे छोटी थी और यही कारण था कि मैं ये सब एक प्रशंसक के दृष्टिकोण से देखा करती थी।' अमेरिका में ईएसपीएन तथा अन्य स्थानों पर नेटफ्लिक्स द्वारा प्रसारित 10 भागों वाले इस वृत्तचित्र में उनके बुल्स के साथ 1998 के सीज़न के बारे में विस्तार से बताया गया है। ये जॉर्डन का टीम के साथ अंतिम साल था और बुल्स के साथ उनकी ये अंतिम चैंपियनापि थी। इसमें जॉर्डन की एक चमकते बास्केटबॉल कॅरियर के दौरान चुनौतियों तथा जीत आदि पर ध्यान दिया गया है, लेकिन इसमं इसी के साथ उनके पिता की हत्या, पब्लिक गैंबलिंग जैसे उनके द्वारा किये गए घोटालों जैसी व्यक्तिगत दुखद घटनाओं के बारे में भी बताया गया है।

जैस्मिन जॉर्डन ने इसमें अपने पिता के सानिध्य में बड़े होने और उनके स्वभाव में आ रहे परिवर्तनों आदि के बारे में भी बताया गया है कि कैसे दुनिया का सबसे बड़ा बास्केटबॉल खिलाड़ी स्वयं को बदलता चला गया।

■ **सभी लोगों को द लास्ट डांस बहुत अच्छी लगी। इस बारे मे आपका दृष्टिकोण क्या है?**

देखिये ये देखने में बहुत अच्छी है। आपको पता नहीं होगा कि मुझे इसका कोई भी प्रिव्यू या वेसा ही कुछ भी देखने को नहीं मिला। अत: मैं भी इसे लोगों के साथ ही देख रही हूं और इसका एक फैन के समान आनंद ले रही हूं। ये मेरे लिए तो आंख खोलने वाली फिल्म है। यदि आप इसमें से बास्केट बॉल संबंधी पहलुओं तथा प्रशंसाओं को इसमें से निकाल दें तो मैंने ये अनुभव किया है कि वो दबाव को संभालने का ही प्रयास कर रहे थे और इनके प्रभाव से स्वयं को अछूता रखने का प्रयास कर रहे थे। मैंने उन्हें कई बार ऐसी भूमिकाओं में देखा है बल्कि वो इसे स्नेह से करते थे न कि उससे दूर हटने का प्रयास करते थे यही कारण था कि वो अब तक के दुनिया के सबसे बड़े बास्केटबॉल खिलाड़ी बने। वो सदा से ऐसा बनना चाहते थे।

■ **जब आप ऐसे भावुक पलों के साक्षी होते हैं तो क्या आप उन्हें अपने पिता के रूप में पहचान पाती थीं?**

जी हां, इनमें से कुछ में तो मैं पहचान लेती थी। मुझे पता है कि जब गेम होता था तो वो उसमें अत्यधिक मगन हो जाते थे। अचानक से ही उनमें एक ऊर्जा भंडार दिखने लगता था। जब वो स्टीव केर जा रहे होते थे या फिर खेल के दूसरे भाग में कुछ अनूठा करना हो तो मुझे तो बस यही लगता रहता था कि 'ओह, वो मेरे डैड हैं। वो मेरी पढ़ाई में भी सहायक थे और मुझे अच्छे अंकों से पास होने के लिए प्रेरित करते रहते थे। ऐसा केवल वही कर सकते थे।

■ **आपके लिए वो किस प्रकार के पिता थे?**

मैं तो उनकी प्यारी बेटी थी और तेजी से बड़ी हो रही थी। आपको पता होना चाहिये कि वो आज भी मुझे प्रिंसेस कह कर ही संबोधित करते हैं जबकि मैं अब तीस बरस की हो चुकी हूं। एक पिता की तरह उन्होंने सदा मेरी सुरक्षा और स्नेह का पूरा ध्यान रखा। लेकिन आपको बड़े होने की कटु वास्तविकता के बारे में भी पता होना चाहिये। यही कारण था कि वो हमें मजबूत बनाना चाहते थे। मुझे इस बात का आभास था कि मुझे भी किसी न किसी लक्ष्य से जोड़ा ही जाएगा।

■ **क्या आपके पिता के अवकाश ग्रहण करने के बाद उनमें किसी तरह के परिवर्तन दिखाई दिये, यदि हां तो ये कैसे परिवर्तन थे?**

जब वो खेल रहे होते थे तो भी उन्होंने मेरे बड़े होने के दौरान मेरा पूरा ध्यान रखा। जब भी संभव हुआ वो मुझे स्कूल ले जाते थे। मेरे डांस और सॉन्ग संबंधी प्रस्तुतियों में भी उनकी उपस्थिति रहती थी। लेकिन जब उन्होंने अवकाश लिया तो उनके व्यवहार और दिनचर्या आदि में व्यापक परिवर्तन दिखाई दिये। इस बारे में बल्कि मेरे और उनके बीच एक बातचीत भी हुई थी। ये कुछ इस प्रकार से था, 'अच्छा तो आप रिटायर हो गए हैं तो अब हमे कैसे रहना चाहिये। हमें अब पहले से अधिक मजबूत संबंध बनाना चाहिये। इस बात पर हम सभी ने बहुत प्रयास किये क्योंकि जब आप किसी से उसकी प्यारी चीज़ ले लेते हैं तो वहां एक रिक्तता आ जाती है। अब आप पर है कि आप इसे भरें या फिर आप जीवन में समायोजन करते जाएं। उन्होंने किसी भी रिक्तता को भरने के स्थान पर समायोजन करना ही अच्छा समझा। मुझे भी उनका ये निर्णय अच्छा लगा। यही कारण है कि हम आज भी एक-दूसरे के बहुत निकट हैं।

■ **वो आपके बच्चों के कैसे दादाजी रहे हैं?**

वो तो बस सिली पटी जैसे ही हैं। मेरे बेटा तो सदा उनके ही साथ रहता है। वो मेरे बेटे के लिए बहुत सहयोगी और जुड़े से रहे हैं, जी हां आज के कठिन समय में भी। वो सदा किसी न किसी चीज में व्यस्त रहते हैं कुछ न कुछ करते ही रहते हैं अब उनके बीच का संबंध अनवरत विकसित होता रहेगा। मुझे तो लगता है कि मेरा बेटा यदि हत्या भी कर दे तो भी वो उसे क्षमा कर देंगे। उन दोनों के बीच का प्यार तो बस देखते ही बनता है।

■ **एक प्रशंसक के रूप में मुझे आपके पिता के इतने खुले विचारों वाला होने पर आश्चर्य होता है। क्या आपको भी उनकी स्पष्टवादिता और खुलेपन को लेकर ऐसा ही होता है?**

जी हां, ये अत्यंत आश्चर्यजनक है क्योंकि मेरे पिता वैसे तो निजत्व को बनाए रखने में विश्वास करते हैं। सामाजिक विषयों पर वो कभी टिप्पणी नहीं करते और न ही वो लोगों के प्रश्नों का कोई उत्तर ही देते हैं। वो सदा से अपने नियम और अपनी शर्त और समय के अनुसार ही चलते हैं। ये कहने के बाद जब हमने वृत्तचित्र देखा और वो भावुक हो गए और अपनी अंतदृष्टि और परिप्रेक्ष्य आदि बताने लगे। उन्हें ऐसा करते देख आश्चर्य होना तो स्वाभाविक था। मुझे ये बहुत ही अच्छा लगा क्योंकि इससे उनके भीतर एक मनुष्य के होने का पता चलता है जो होना लोग भूलते जा रहे हैं। आपको पता ही है कि वो असाधारण हैं लेकिन उन्होंने इसके बावजूद स्वयं को मानवीय बनाए रखा है।

फिल्म रेडी के छोटे अमर चौधरी मोहित बघेल नहीं रहे

भाषा। मुंबई

सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म रेडी में छोटे अमर चौधरी का किरदार निभा कर लोगों का दिल जीतने वाले अभिनेता मोहित बघेल इस दुनिया में नहीं रहे। वह कैंसर से जूझ रहे थे। वह 26 साल के थे।

लेखक-निर्देशक राज शांडिल्य ने पीटीआई-भाषा को बताया कि मोहित अपने गृहनगर मथुरा में थे और वहीं शनिवार सुबह को उनका निधन हो गया। उन्होंने कहा, वह बहुत जल्दी हमें छोड़ कर चला गया। पिछले छह महीने से दिल्ली के एम्स में उसका कैंसर का इलाज चल रहा था। मैंने आखिरी बार उससे 15 मई को बात की थी और तब वह ठीक था। उसकी हालत में सुधार हो रहा था। वह अपने माता-पिता और बड़े भाई के साथ मथुरा में था। उन्होंने बताया, मुझे एक दोस्त से उसके निधन के बारे में पता चला। उसने बताया कि आज सुबह घर पर उसकी मौत हो गई। बतौर लेखक राज कॉमेडी सर्कस और जबरिया जोड़ी में मोहित के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी पहली फिल्म ड्रीम गर्ल (2019) में मोहित का लेना चाहते थे लेकिन तारीखें नहीं मिलने के कारण वह उन्हें फिल्म में नहीं ले पाए। मोहित ने इक्कीस तोपों की सलामी और गली गली चोर है में भी अभिनय किया था।

सरकारी नौकरी करना चाहते थे राजेश रौशन

जन्मदिन पर विशेष

बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार राजेश रौशन अपने संगीत से करीब पांच दशक से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर रहे है लेकिन वह संगीतकार नहीं बनकर सरकारी नौकरी करना चाहते थे । राजेश रौशन का जन्म 24 मई 1955 को मुंबई में हुआ। राजेश के पिता रौशन फिल्म इंडस्ट्री के नामी संगीतकार थे। घर में संगीत का माहौल रहने के बावजूद उनकी संगीत के में कोई रूचि नही थी। उनका मानना था संगीतकार बनने से अच्छा है कि 10 से 5 बजे तक की सरकारी नौकरी किया जाये इससे उनका जीवन सुरक्षित रहेगा । राजेश रौशन के पिता की मृत्यु होने के बाद उनकी मां संगीतकार फैयाज अहमद खान से संगीत की शिक्षा लेने लगी। उनके साथ वह भी वहां जाया करते थे। धीरे धीरे उनका रूझान भी संगीत की ओर हो गया और वह भी फैयाज खान से संगीत की शिक्षा लेने लगे। सत्तर के दशक में राजेश संगीतकार लक्ष्मीकांत प्यारे लाल के सहायक के तौर पर काम करने लगे। उन्होंने लगभग पांच वर्ष तक उनके साथ काम किया। राजेश रौशन ने संगीतकार के रूप में अपने सिने करियर की शुरूआत महमूद की 1974 में प्रदर्शित फिल्म कुंवारा बाप से की लेकिन कमजोर पटकथा के कारण फिल्म टिकट खिड़की पर बुरी तरह पिट गयी। राजेश रौशन की किस्मत का सितारा 1975 में प्रदर्शित फिल्म जूली. चमका । इस फिल्म में उनके संगीतबद्ध गीत' दिल क्या करे जब किसी को किसी से प्यार हो जाये .माई हार्ट इज बीभटग .ये राते नयी पुरानी और जूली आई लव यू जैसे गीत श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुये। फिल्म और संगीत की सफलता के बाद बतौर वह संगीतकार के रूप में कुछ हद तक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गये। लगभग चार वर्ष तक मायानगरी मुंबई में संघर्ष करने के बाद राजेश रौशन को 1979 में अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म मिस्टर नटवर लाल में संगीत देने का मौका मिला । इस फिल्म में उनका संगीतबद्ध गीत 'परदेसिया ये सच है पिया' उन दिनों श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ। फिल्म और संगीत की सफलता के बाद राजेश रौशन का सितारा गर्दिश से बाहर निकल गया। 'मिस्टर नटवर लाल' राजेश रौशन के साथ ही सुपर स्टार अमिताभ बच्चन के सिने करियर के लिये भी महत्वूपूर्ण फिल्म साबित हुयी ।इस फिल्म से पहले अमिताभ बच्चन ने फिल्मों के लिये कोई गीत नहीं गाया था। यह राजेश रौशन ही थे जिन्होंने अमिताभ बच्चन की गायकी पर भरोसा जताते हुये उनसे फिल्म में मेरे पास आओ मेरे दोस्तो एक किस्सा सुनाउं ..गीत गाने की पेशकश की। यह गीत श्रोताओं के बीच आज भी लोकप्रिय है। राजेश रौशन अब तक दो बार सर्वश्रेष्ठ संगीतकार के फिल्मफ़ेयर पुरस्कार से सम्मानित किये जा चुके है। वर्ष 1975 में प्रदर्शित फिल्म 'जूली' के लिये सबसे पहले उन्हें सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का फिल्मफ़ेयर पुरस्कार दिया गया था।

ईद पर प्रशसंकों को अपनी फिल्मों की ईदी नहीं दे पायेंगे सलमान

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान हर साल ईद के अवसर अपने प्रशंसकों को फिल्मों के जरिये ईदी दिया करते थे लेकिन इस बार ईद के मौके पर उनकी फिल्में सिनेमाघरों में दर्शकों को देखने के लिये नहीं मिलेगी। कोरोना वायरस के प्रकोप ने दुनिया को बदल दिया है। सिनेमाघर दो माह से अधिक समय से बंद हैं। वर्ष 2010 से सलमान के प्रशंसक अपने भाईजान के फिल्में देखकर ईद मनाते आ रहे हैं लेकिन इस साल ऐसा संभव नहीं होगा। 2010 से सलमान खान की फिल्म ईद के मौके पर जरूर रिलीज होती है। वर्ष 2013 में एक बार ऐसा हुआ था कि जब उन्होंने अपने प्रशंसकों के लिए ईद पर फिल्म रिलीज का तोहफा नहीं दिया था। वर्ष 2010 में सलमान की दबंग, वर्ष 2011 में बॉडीगार्ड, वर्ष 2012 में एक था टाइगर, वर्ष 2014 में किक ,वर्ष 2015 में बजरंगी भाईजान ,वर्ष 2016 में सुल्तान ,वर्ष 2017 में ट्यूबलाइट ,वर्ष 2018 में रेस 3 और वर्ष 2019 में भारत प्रदर्शित हुयी थी। इस वर्ष सलमान की फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड ईद पर प्रदर्शित होने वाली थी लेकिन यह संभव नही हो सका। अब बताया जा रहा है कि सलमान खान की 'राधे: योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' ईद पर नहीं, बल्कि दीवाली पर रिलीज हो सकती है।

लॉकडाउन में ऑनलाइन योग सीख रहे हैं वरुण धवन

बॉलीवुड के चॉकलेटी हीरो वरूण धवन लॉकडाउन में इन दिनों योग सीख रहे हैं। वरुण धवन इन दिनों लॉकडाउन में परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। इसके साथ ही वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और फैन्स के लिए पोस्ट करते रहते हैं। वरुण फिट रहने के लिए घर पर योग की क्लास ले रहे हैं। इन दिनों जब लॉकडाउन में जिम बंद है तो उन्होंने योग करना शुरू कर दिया है। यह जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की है। वरुण ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक फोटो शेयर की है जिसमें योग आसन करते नजर आ रहे हैं। फोटो में वह वीडियो कॉभलग पर नजर आ रहे हैं। इस दौरान ट्रेनर उन्हें योग आसन की सही पॉजिशन बताते दिख रहे हैं। वरुण की यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल है। इशके साथ ही फोटो को खूब लाइक और शेयर किया जा रहा है। वरुण की अगली फिल्म कुली नंबर 1 बनकर तैयार हो गई है। मार्च या फिर अप्रैल में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाना था लेकिन कोरोना के चलते ऐसा नहीं हो सका। फिल्म में सारा अली खान, वरुण के अपोजिट नजर आएंगी। इसका निर्देशन डेविड धवन ने किया है।

राजकुमार राव को आ रही फुटबॉल ग्राउंड की याद

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव को इन दिनों फुटबॉल ग्राउंड की याद आ रही है। लॉकडाउन के दौरान राजकुमार राव लगातार अपने फैंस से अपील कर रहे हैं कि सरकार के निर्देशों का पालन करें और घर पर रहें। लॉकडाउन के समय में बॉलीवुड सिलेब्स टाइमपास के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। ऐसा करने से उनका टाइमपास भी हो जाता है और फैंस को भी अपने पंसदीदा कलाकार से जुड़ा अपडेट मिल जाता है। राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर अपना एक पुराना वीडियो शेयर किया है। जिसे उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पुराना वीडियो शेयर किया है। इसमें वह फुटबॉल को हवा में उछालकर उसे राउंड किक से हिट करते हैं। इसे देखकर लग रहा है कि लॉकडाउन के दौरान वह फुटबाल खेलने को मिस कर रहे हैं। राजकुमार राव फिल्म 'रूही अफजा', 'लूडो' और 'छलांग' में नजर आएंगे।